फरीदाबाद हरियाणा का नंबर 1 समाचार पत्र

भेदी नज़र

संस्थापक : स्वाधीनता सेनानी सुखवासी लाल शर्मा (ब्रह्मलीन)

ई- पेपर पढ़ने के लिए लॉगऑन करें- www.bhedinazar.com

दिल्ली, सोमवार 20 जुलाई 2026

दिल्ली, हरियाणा, चंडीगढ़, पंजाब, राजस्थान, बिहार, झारखंड, उत्तराखण्ड एवं उत्तर प्रदेश को प्रमुख हिन्दी दैनिक

आवश्यकता है

1- न्यूज एडीटर
2- एकाउन्टेंट
3- मार्केटिंग एग्जीक्यूटिव (फार एडवर्टाइजमेंट)
4- चपरासी

सर्म्पक करें- 9811157562

समय: 3:00 से 5:00 PM

वर्ष : 23 अंक : 99 | Email : bhedinazardaily@gmail.com | RNI NO. DEL/HIN/2004/13528 | Postal REG. No. HR (FBD) -260/2023/25 | पृष्ठ : 12 मूल्य : 1 रुपये

पुंछ-किश्तवाड़ में बादल फटे, हर ओर तबाही

11 लोगों की मौत, 2 साल के मासूम का शव निकाला

नई दिल्ली (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के पुंछ और किश्तवाड़ में शनिवार रात बादल फट गए। बाढ़-लैंडस्लाइड में अब तक 11 लोगों की मौत हो गई है। पुंछ के सुरनकोट में लैंडस्लाइड से एक मकान मलबे में दब गया। उस वक्त घर में 8 लोग थे। इनमें 2 साल के बच्चे समेत 5 लोगों के शव बरामद किए गए। किश्तवाड़ के सुर्नू इलाके में बादल फटने से लोगों के घरों और खेतों को नुकसान पहुंचा। राजौरी में भी भारी बारिश के बाद धारहाल नदी का जलस्तर बढ़ गया। करीब 200 से 250 गाड़ियां बह गईं। उत्तराखंड में शनिवार को लैंडस्लाइड के बाद केदारनाथ यात्रा के रूट पर घोड़े-खच्चरों की सेवाएं रोक दी गईं और कैलाश-मानसरोवर यात्रियों का एक जत्था भी रुक गया।

उत्तराखंड में भी लैंडस्लाइड,कई जगह मलबे का ढेर जमा

पीटीआई न्यूज एजेंसी को अधिकारियों ने बताया कि नूनाबंदी गांव में घर गिरने से 28 वर्षीय नाजिया कौसर की मौत हो गई। उनके पति मोहम्मद हाफिज और उनके दो से छह साल की उम्र के तीन बच्चे घायल हो गए और उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया। लोअर मुर्रा में भूस्खलन से एक और घर क्षतिग्रस्त हो गया, जिसके मालिक मोहम्मद लतीफ और उनके परिवार के पांच सदस्य लापता हैं। अधिकारियों के अनुसार, एक अन्य घटना में मरहोते में इरम नामक एक नाबालिग लड़की नाले में डूब गई, जबकि धुंदक लाथूंग पुल के पास एक नाले से एक अज्ञात महिला का शव बरामद किया गया।

एलजी ने स्थिति की समीक्षा की

उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने बारिश और अचानक आई बाढ़ से प्रभावित पुंछ और राजौरी जिलों में स्थिति की समीक्षा की और अधिकारियों को प्रभावित परिवारों को तत्काल राहत और सहायता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि नागरिक प्रशासन, पुलिस, सेना, राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल और स्थानीय स्वयंसेवकों की बचाव टीमें मौके पर काम कर रही हैं।

राजौरी में अचानक आई बाढ़ बनी कहर

राजौरी सबसे अधिक प्रभावित जिलों में से एक रहा। अधिकारियों ने बताया कि रात भर हुई लगातार बारिश से आई अचानक बाढ़ ने राजौरी शहर के निचले इलाकों को जलमग्न कर दिया, जिससे सैकड़ों निवासियों को सुरक्षित स्थानों पर जाने के लिए मजबूर होना पड़ा। भारी बारिश के कारण अधिकारियों को रियासी जिले में स्थित सलाल बांध के सभी द्वार खोलने पड़े, जिससे चिनाब नदी का जलस्तर तेजी से बढ़ गया। अधिकारियों ने नदी किनारे रहने वाले निवासियों को सलाह जारी कर नदी के किनारों से दूर रहने और स्थिति सामान्य होने तक मछली पकड़ने, नहाने, पशु चराने या नदी पार करने का प्रयास न करने का आग्रह किया है।

संक्षिप्त समाचार

एमपी में यूसीसी बिल को कैबिनेट की मंजूरी

- सिर्फ तलाक तलाक तलाक बोलने से अब नहीं होगा तलाक

भोपाल (एजेंसी)। जगदीशपुर में आयोजित मोहन कैबिनेट की मीटिंग में कई ऐतिहासिक और अहम फैसले हुए हैं। कैबिनेट ने यूसीसी बिल को मंजूरी दे दी है। मानसून सत्र में इसे विधानसभा में पेश किया जाएगा। सीएम मोहन यादव ने बिल को मंजूरी देने के बाद इसकी महत्वपूर्ण बातों पर चर्चा की है। उन्होंने कहा है कि किसी भी धर्म और समुदाय के लोगों के लिए मध्य प्रदेश में सिर्फ एक ही शादी की इजाजत है।

एमपी में यूसीसी की अहम बातें

एक ही शादी को मंजूरी- यह कानून सभी समुदायों में केवल एक ही शादी को अनिवार्य बनाता है। कोई भी व्यक्ति एक समय में एक ही जीवित जीवनसाथी के साथ शादीशुदा रह सकता है। शादी की उम्र कोई बदलाव नहीं- विवाह के लिए पुरुषों की न्यूनतम आयु 21 वर्ष और महिलाओं की 18 वर्ष तय की गई है। तीन तलाक बोलकर तलाक नहीं- अब मौखिक तलाक और अनौपचारिक पंचायत के फैसलों को पूरी तरह गैर-कानूनी घोषित किया गया है। अब विवाह का समापन केवल कानून में बताए गए स्पष्ट और वैधानिक आधार पर ही होगा। गर्भावस्था के आधार पर सामान अधिकार- अब महिलाओं को भी यह अधिकार दिया गया है कि यदि उनके पति ने शादी के समय किसी दूसरी महिला को गर्भवती किया है तो पत्नी शादी को रद्द घोषित करने की मांग कर सकती है।

फीफा वर्ल्ड कप फाइनल के लिए केरल में छुट्टी

- आज बंद रहेंगे स्कूल,छात्रों की मांग पर सरकार का फैसला

तिरुवनंतपुरम (एजेंसी)। केरल के सामान्य शिक्षा विभाग ने फीफा विश्व कप फाइनल के कारण सोमवार को राज्य के सभी स्कूलों में अवकाश घोषित किया है। शिक्षा विभाग ने रविवार को यह जानकारी दी। विभाग ने बताया कि यह निर्णय उन छात्रों के अनुरोध पर विचार करने के बाद लिया गया जो फुटबॉल के प्रशंसक हैं और रविवार रात होने वाला विश्व कप फाइनल देखना चाहते हैं। एक आधिकारिक बयान के अनुसार, यह अवकाश सामान्य शिक्षा विभाग के अंतर्गत आने वाले सभी स्कूलों पर लागू होगा। सामान्य शिक्षा मंत्री एन. शमसुद्दीन ने भी सोशल मीडिया पोस्ट के माध्यम से अवकाश की घोषणा की। मंत्री ने लिखा, 'बच्चों अब खुश हो।' उन्होंने कहा कि फुटबॉल प्रेमी छात्रों के अनुरोध को ध्यान में रखते हुए केरल सामान्य शिक्षा विभाग ने फीफा विश्व कप फाइनल के मद्देनजर सोमवार (20 जुलाई) को विभाग के अंतर्गत आने वाले सभी स्कूलों में अवकाश घोषित किया है।

मानसून सत्र से पहले तीन घंटे चली सर्वदलीय बैठक

40 पार्टियां शामिल, रिजिजू बोले-सबने अपनी बात रखी

रिजीजू ने बताया,आज वंदे मातरम से जुड़ा बिल पेश होगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। मानूसन सत्र से एक दिन पहले रविवार को संसद भवन के एनेक्सी बिल्डिंग में सर्वदलीय बैठक हुई। 3 घंटे चली मीटिंग की अध्यक्षता राजनाथ सिंह ने की। मीटिंग में कांग्रेस, सपा, टीएमसी, डीएमके सहित 40 दलों के नेता शामिल हुए। हालांकि बैठक के बीच विपक्ष ने सांकेतिक वॉकआउट किया। विपक्ष का आरोप है कि सरकार ने टीएमसी के बागी 20 सांसदों के गुट को बैठक में क्यों बुलाया, जबकि स्पीकर ओम बिरला ने उनके गुट को अभी तक मान्यता नहीं दी है।

विपक्ष के सवाल; महुआ बोलीं- बागी सांसद यहां क्यों

टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा ने कहा कि कांग्रेस, समाजवादी पार्टी, डीएमके, जेएमएम, आम आदमी पार्टी, नेशनल कॉन्फ्रेंस, वामपंथी दलों और शिवसेना (यूबीटी) समेत पूरे विपक्ष ने सर्वदलीय बैठक का वॉकआउट किया है। उन्होंने कहा कि टेबल ऑफिस की लिस्ट में अखिल भारतीय तृणमूल कांग्रेस की सदस्य संख्या 28 दिखाई गई है, जबकि एनसीपीआई नाम की एक गैर-मान्यता प्राप्त पार्टी के 20 बागी सांसदों के विलय को स्पीकर ने मंजूरी नहीं दी है और उनकी अयोग्यता की याचिकाएं अभी लंबित हैं।

पीवी सिंधु जापान ओपन जीतने वाली पहली भारतीय बनीं

टोक्यो (एजेंसी)। भारत की स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधु ने जापान ओपन सुपर-750 बैडमिंटन टूर्नामेंट जीत लिया है। वे यह टूर्नामेंट जीतने वाली पहली भारतीय बनी हैं। 31 साल की सिंधु ने रविवार को खेले गए फाइनल मुकाबले में जापान की अकाने यामागुची को 21-17, 21-17 से हराया। यह मैच 50 मिनट तक चला। सिंधु 4 साल बाद यामागुची को किसी फुल मैच में हरा सकी हैं। उन्हें पिछली जीत थाईलैंड ओपन में 2022 में मिली थी। पिछले साल मलेशिया ओपन में यामागुची रिटायर हर्ट हो गई थीं। सिंधु ने 2 साल बाद कोई खिताब जीता है। उन्होंने 2024 में सैयद मोदी इंटरनेशनल जीता था। वे 2022 में सिंगापुर ओपन सुपर 500 में चैंपियन बनी थीं।

राममंदिर चढ़ावा चोरी पर राहुल गांधी ने मोदी को लिखी चिट्ठी

कहा-आपकी चुप्पी स्वीकार नहीं,ट्रस्ट के खाते सार्वजनिक हों

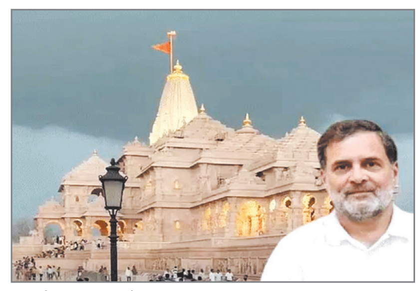

अयोध्या (एजेंसी)। अयोध्या राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में कांग्रेस सांसद राहुल गांधी और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने पीएम मोदी को चिट्ठी लिखी है। उन्होंने कहा कि ट्रस्ट के वित्तीय मामलों की स्वतंत्र जांच कराई जाए। खातों को सार्वजनिक किया जाए, ताकि हर भक्त जान सके कि चढ़ावे का इस्तेमाल कहां और कैसे हुआ। जांच में जो भी जिम्मेदार पाए जाएं, उनकी जवाबदेही तय हो। शनिवार को लिखी चिट्ठी रविवार को सामने आई। उन्होंने पीएम मोदी से कहा-आपने संसद में ट्रस्ट के गठन की घोषणा की थी, लेकिन इसके सदस्यों की नियुक्ति पूरी तरह से सरकार ने की।

संघ और विहिप ने 23 जुलाई को संतों का सम्मेलन बुलाया

राम मंदिर चढ़ावा चोरी के बीच विश्व हिंदू परिषद और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) ने 23 जुलाई को अयोध्या की मणिराम छावनी में संतों का सम्मेलन बुलाया है। सूत्रों के मुताबिक, आरएसएस के स्वयंसेवक और वीएचपी के कार्यकर्ता श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के बारे में विस्तार से जानकारी दी जाएगी। संभल में शनिवार को ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिममीन के प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने यूपी सरकार पर हमला बोला। राम मंदिर चढ़ावा चोरी को लेकर उन्होंने कहा कि जब ट्रस्ट में जिलाधिकारी और प्रमुख सचिव जैसे अधिकारी शामिल थे।

30 साल बाद घर लौटेगा पर्वतारोही जवान का शव

● माउंट एवरेस्ट पर तूफान में फंसे थे लद्दाख के दोरजे ● 26 हजार फीट ऊपर गुफा में शरीर, डीएनए से पुष्टि

लेह (एजेंसी)। माउंट एवरेस्ट की बर्फीली चोटियों पर 26,247 फीट ऊंचे डेथ जोन में पिछले 30 सालों से एक पर्वतारोही का शरीर बर्फ में जमा है। पैरों में हरे जूते होने के कारण दुनिया उसे ग्रीन बूट्स के नाम से जानती रही।

सालों तक इसे आईटीबीपी के हेड कांस्टेबल शेवांग पाल्जोर का शव माना गया, लेकिन हाल में हुए डीएनए टेस्ट से पुष्टि हुई कि यह लांस नायक दोरजे मोरुप का पार्थिव शरीर है। अब 30 साल इंतजार के बाद इस साल अक्टूबर तक लद्दाख में

दोरजे के परिवार को उनका शव सौंपा जाएगा। दोरजे मोरुप, शेवांग पाल्जोर और सूबेदार शेवांग समनला 1996 में तिब्बत के उत्तरी मार्ग से एवरेस्ट फतह करने निकली पहली भारतीय तीन सदस्यीय टीम का हिस्सा थे। 10 मई 1996 को शिखर के पास तीनों भीषण बर्फीले तूफान में फंस गए थे। यह अभियान बाद में 1996 माउंट एवरेस्ट डिजास्टर के नाम से जाना गया, जिसमें उस सीजन में 12 पर्वतारोहियों की मौत हुई थी।

एवरेस्ट चढ़ने वालों के लिए लैंडमार्कबन गया था ग्रीन बूट्स

1996 में ब्रिटिश पर्वतारोही और फिल्ममेकर मैट डिकिन्सन ने पहली बार बर्फ में फंसे दोरजे मोरुप के शव का वीडियो रिकॉर्ड किया था। बाद में यह फुटेज समिट फीवर डॉक्यूमेंट्री में भी दिखाई गई। पैरों में पहने हरे रंग के जूतों के कारण इस शव को ग्रीन बूट्स नाम दिया गया। यह शव एवरेस्ट के उत्तरी मार्ग पर एक छोटी गुफा में पड़ा था जो ग्रीन बूट्स गुफा नाम से मशहूर हुआ। शिखर पर जाने वाले लगभग सभी पर्वतारोही इसी रास्ते से होकर गुजरते थे। उनके लिए यह रास्ते की पहचान (लैंडमार्क) बन गया था।

75 वर्षीय पत्नी बोलीं-उन्हें देखकर ही आखिरी सांस लूंगी

अखबार ने दोरजे के घर पहुंचकर उनकी पत्नी कोनचोक यांगस्किट से मुलाकात की। 75 वर्षीय कोनचोक अब सुन नहीं सकतीं। वह पति की पेंशन पर गुजर-बसर करती हैं। जब से बेटे फुंतसोग दोरजे ने पिता का शव लाने वाले मिशन की सूचना दी, तब से वह रो रही हैं। उन्होंने बेटे को कागज पर लिखकर दिया है कि उनकी आखिरी इच्छा एक बार पति को देखने की है। उन्होंने लिखा, उन्हें देखकर ही आखिरी सांस लूंगी। दोरजे के बेटे फुंतसोग भारतीय सेना में हैं। उन्होंने बताया कि आईटीबीपी से उन्हें अब तक मिशन की पूरी जानकारी नहीं मिली है।

DEV MEDICARE CHEMIST
Your Trusted Medical Store
SECTOR 7, FARIDABAD
Allopaathic & Ayurvedic Medicine
BP & sugar Mechines, Thermometers, Oximeters
Surgical Items, Baby Products, Health Supplements
Wide Range of Cosmetics
DISCOUNT ON VARIOUS MEDICINES
ORDER NOW - 9650518651 (Call/Whatsapp)
Hours: 8 AM to 10 PM
100% Genuine Medicines
Experienced Staff

SINCE 2007
TARUN JEWELLERS
TODAY BIS HALLMARK
92% Gold Rate
₹1,36,600/-
Making Charges 8% | 100% BUY BACK + EXCHANGE
पिछले 19 वर्षो से हमारी दुकान एक ही स्थान पर हैं।
इसके अलावा हमारी कोई दूसरी ब्रांच नहीं हैं।
Shop No. 25, Sec-7, Huda Mkt, FBD
0129-3668332, 9990032657

वांगचुक की किडनी खराब हो सकती थी, उन्हें इलाज की जरूरत थी

दिल्ली हाईकोर्ट में बोली मोदी सरकार,प्राइवेट हॉस्पिटल भेजने की मांग

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के सफदरजंग अस्पताल में भर्ती सोनम वांगचुक की पत्नी की याचिका पर दिल्ली हाईकोर्ट में सुनवाई हुई। सरकार की तरफ से पेश एएसजी चेतन शर्मा ने कहा कि, वांगचुक की तबियत लगातार खराब हो रही थी। उनकी किडनी भी खराब हो सकती थी। इसलिए इलाज जरूरी था। इस पर वांगचुक की पत्नी की तरफ से पेश एडवोकेट कपिल सिब्बल ने कहा कि हमें यह भी नहीं पता कि उन्हें कौन-सी दवाएं या इलाज दिया जा रहा है। हम चाहते हैं कि उन्हें अस्पताल से छुट्टी दी जाए। हमने उन्हें वेदांता अस्पताल में भर्ती कराने की व्यवस्था भी कर ली है। दिल्ली पुलिस शनिवार सुबह वांगचुक को जंतर-मंतर से उठाकर सफदरजंग अस्पताल ले गई थी। अस्पताल में भी

वांगचुक की भूख हड़ताल जारी है। रविवार को उनकी भूख हड़ताल का 22वां दिन रहा। उन्होंने ड्रिप, ओआरएस और दवा लेने से इनकार कर दिया है। सीजेपी और वांगचुक 28 जून से नीट पेपर लीक मामले में जवाबदेही तय करने और शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग के समर्थन में आमरण अनशन पर हैं।

वांगचुक को उठाने के लिए देर रात आदेश मिला था

दिल्ली पुलिस के आयुक्त अनुराग कुमार के पद संभालने के 24 घंटे में वांगचुक को धरना स्थल से उठवाकर अस्पताल पहुंचा दिया गया। सूत्रों के अनुसार, शुक्रवार रात 1.30 बजे इसके निर्देश मिले। फिर नई दिल्ली जिले के वरिष्ठ अधिकारियों ने मंदिर मार्ग थाने में रणनीति बनाई। एक मिनट में बिना टकराव के वांगचुक को कैसे एम्बुलेंस तक ले जाएं, इसकी रिहर्सल की। जैमर लगाने पर भी चर्चा हुई, ताकि कार्रवाई के वीडियो न फैलें। सुबह 5 बजे अधिकारी जंतर-मंतर पहुंचें। वहां अंतिम ब्रीफिंग दी।

पंजाब के सरकारी स्कूलों के 882 विद्यार्थियों ने नीट-यूजी 2026 परीक्षा पास की, 2 वर्षों में नीट पास करने वालों की संख्या 100 प्रतिशत बढ़ी- हरजोत सिंह बैंस

- **हमारे विद्यार्थियों ने फिर से लोहा मनवाया- बैंस**
- **नीट परीक्षा में सफलता शिक्षा क्रांतिः के व्यापक प्रभाव को करती है उजागर- शिक्षा मंत्री**

चंडीगढ़, 19 जुलाई- पंजाब की सार्वजनिक शिक्षा प्रणाली को बड़ा बढ़ावा मिला है क्योंकि प्रदेश के सरकारी स्कूलों के 882 विद्यार्थियों ने राष्ट्रीय पात्रता-सह-प्रवेश परीक्षा (नीट-यूजी) 2026 पास कर ली है। नीट का पेपर लीक होने के कारण पहली परीक्षा रद्द कर दी गई थी। इसके बाद देश भर में पुनः परीक्षा आयोजित की गई थी, जिसके परिणाम घोषित कर दिए गए हैं।

इस संबंध में विवरण साझा करते हुए, पंजाब के शिक्षा मंत्री स. हरजोत सिंह बैंस ने नीट परीक्षा पास करने वाले विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उनके चिकित्सा क्षेत्र में स्वर्णिम भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा, ÷एक बार फिर, हमारे सरकारी स्कूलों के विद्यार्थियों ने साबित कर दिया है कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और कठोर परिश्रम से हर लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकता है। इस वर्ष, हमारे 882 विद्यार्थियों ने नीट परीक्षा पास की है, जो %शिक्षा क्रांति% के प्रभाव और हमारे शिक्षकों के समर्पण को दर्शाता है।÷

शिक्षा मंत्री ने कहा कि वर्ष 2026 में नीट परीक्षा पास करने वाले विद्यार्थियों की संख्या प्रदेश के सरकारी स्कूलों के बढ़ते मानकों की स्पष्ट मिसाल है। वर्ष 2024 में 437 विद्यार्थियों ने नीट परीक्षा पास की थी और वर्ष 2025 में यह संख्या बढ़कर 847 हो गई थी। इस वर्ष 882 विद्यार्थियों ने यह परीक्षा पास की है, जो वर्ष 2024 की तुलना में 100 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि को दर्शाती है। पेपर लीक और पुनः परीक्षा के कारण 2026 की परीक्षा में आई बाधा के बावजूद यह सफलता हासिल की गई है।

मुख्यमंत्री भगवंत मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार की सार्वजनिक शिक्षा के प्रति प्रतिबद्धता की पुष्टि करते हुए स. हरजोत सिंह बैंस ने कहा, ÷शिक्षा गरीबी को समाप्त करने और जीवन को नई दिशा देने का सबसे शक्तिशाली साधन है। इस वर्ष परीक्षा में आई बाधा के बावजूद, नीट में हमारे सरकारी स्कूल के विद्यार्थियों की सफलता इस बात का प्रमाण है कि हमारे बच्चे उचित सहायता और अनुकूल वातावरण के साथ क्या कुछ हासिल नहीं कर सकते। इस वर्ष नीट परीक्षा पास करने वालों में से लुधियाना जिले के स्कूल ऑफ एमिनेंस, सेखेवाल के विद्यार्थी प्रतीक कुमार की कहानी प्रदेश के शिक्षा सुधारों के व्यापक प्रभाव को उजागर करती है। 16,000 रुपये मासिक वेतन वाले एक निजी स्कूल शिक्षक के पुत्र, प्रतीक ने नीट-यूजी 2026 में 720 में से 594 अंक प्राप्त किए। उसने सरकारी स्कूल के विद्यार्थियों के लिए पंजाब स्कूल शिक्षा विभाग के ÷पेस÷ कार्यक्रम के तहत निःशुल्क ऑनलाइन कक्षाओं और मॉक टेस्टों के माध्यम से परीक्षा की तैयारी की। प्रतीक एक ऑन्कोलॉजिस्ट बनकर कैंसर के रोगियों की सेवा करना चाहता है। उसकी उपलब्धि दर्शाती है कि सही दिशा व सहायता, समर्पण और कठोर परिश्रम से वित्तीय बाधाओं को पार किया जा सकता है। प्रतीक के पिता ने कहा, ÷मैं हमेशा मानता था कि शिक्षा ही हमारे परिवार की किस्मत बदलने का एकमात्र जरिया है। पंजाब सरकार की निःशुल्क कोचिंग और मॉक टेस्टों ने प्रतीक को नई दिशा दी। आज, जब उसने नीट परीक्षा पास कर ली है, यह हमारे जीवन का सबसे गौरवपूर्ण और खुशनुमा दिन है।÷ नीट परीक्षा में विद्यार्थियों की सफलता प्रगति की ओर बढ़ते प्रदेश के कदमों को दर्शाती है। इस वर्ष की शुरुआत में, नीति आयोग की शिक्षा गुणवत्ता रिपोर्ट 2026 में पंजाब ने स्कूल शिक्षा में केरल और दिल्ली को पीछे छोड़ते हुए भारत के सर्वोत्तम प्रदर्शन करने वाले राज्य का दर्जा हासिल किया। शिक्षा मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा मेंटरशिप और परीक्षा की तैयारी प्रदान की जाती है। मुख्यमंत्री भगवंत मान के नेतृत्व वाली सरकार कौशल की पहचान करने और उसे निखारने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा यह भी सुनिश्चित किया जा रहा है कि हर बच्चे को अपने सपनों को साकार करने के लिए विश्व स्तरीय शिक्षा प्रदान की जाए।

मुख्यमंत्री ने स्व. गुरनाम सिंह गुर्जर को दी भावभीनी श्रद्धांजलि, कहा- उनका निधन संगठन व समाज के लिए अपूरणीय क्षति

चंडीगढ़, । भाजपा जिला अंबाला कार्यकारिणी सदस्य, शहजादपुर के पूर्व मंडल अध्यक्ष एवं ब्लॉक समिति शहजादपुर के पूर्व चेयरमैन गुरनाम सिंह गुर्जर का 17 जुलाई को हृदय गति रुकने से निधन हो गया ।हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी शनिवार को जिला अंबाला के गांव धनाना स्थित स्वर्गीय गुरनाम सिंह गुर्जर के निवास पर पहुंचे। मुख्यमंत्री ने स्वर्गीय गुरनाम सिंह गुर्जर की पार्थिव देह पर शॉल ओढ़ाकर तथा भारतीय जनता पार्टी का ध्वज अर्पित कर उन्हें श्रद्धापूर्वक नमन किया और भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने स्वर्गीय गुरनाम सिंह गुर्जर के परिवार के सदस्यों से मिलकर अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त कीं। मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि स्वर्गीय गुरनाम सिंह गुर्जर भारतीय जनता पार्टी के कर्मठ, अनुशासित एवं समर्पित कार्यकर्ता थे। उन्होंने संगठन को मजबूत बनाने के साथ-साथ समाज सेवा के क्षेत्र में भी उल्लेखनीय योगदान दिया। उनका सादगीपूर्ण व्यक्तित्व, जनसेवा के प्रति समर्पण और संगठन के प्रति निष्ठा सदैव प्रेरणादायी रहेगी। मुख्यमंत्री ने ईश्वर से प्रार्थना की कि दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान प्रदान करें तथा शोकाकुल परिवार को इस असहनीय दुख को सहन करने की शक्ति दें।

चंडीगढ़ का सेक्टर-17 बना युवाओं का ओपन स्टूडियो, कैमरा ऑन होते ही शुरू हो जाता है सपनों का सफर

चंडीगढ़, एजेंसी। चंडीगढ़ का सेक्टर-17 इन दिनों युवाओं के लिए किसी ओपन स्टूडियो से कम नहीं है. सुबह से लेकर देर शाम तक यहां कैमरे, ट्राइपॉड, रिंग लाइट और मोबाइल के साथ दर्जनों कंटेंट क्रिएटर नजर आते हैं. कोई डांस की प्रैक्टिस कर रहा होता है, कोई भांगड़ा और गिद्धा रिकॉर्ड कर रहा होता है तो कोई कव्वाली, कॉमेडी या एक्टिंग की वीडियो शूट करता दिखाई देता है. पूरा इलाका ऐसा लगता है जैसे बिना किसी फिल्म सेट के एक बड़ा शूटिंग स्पॉट बन गया हो. हर हुनर को मिल रहा है मंचः सेक्टर-17 की खास बात यह है क यहां हर तरह की कला को जगह मिल रही है. चंडीगढ़ ही नहीं बल्कि मोहाली, पंचकूला और आसपास के शहरों से भी युवा यहां पहुंचते हैं. कोई सोशल मीडिया पर पहचान बनाना चाहता है, कोई ऑडिशन की तैयारी करता है तो कोई अपनी कला को ज्यादा से ज्यादा लोगों तक पहुंचाने की कोशिश में जुटा है. राह चलते लोग भी कुछ देर रुककर इनकी परफॉर्मेंस देखते हैं और तालियां बजाकर उनका हौसला बढ़ाते हैं. संघर्ष के बाद मिलती है पहचानः कैमरे के सामने मुस्कुराते चेहरों के पीछे लंबा संघर्ष भी छिपा है. कई क्रिएटर्स महीनों तक लगातार वीडियो बनाते हैं, लेकिन उन्हें न व्यूज़ मिलते हैं और न ही कमाई. शुरुआत में फॉलोअर्स नहीं मिलते थे, लेकिन लगातार कंटेंट डालती रही. कुछ वीडियो वायरल हुए तो लोगों ने पहचानना शुरू किया. आज मेरे 1.39 लाख फॉलोअर्स हैं और सोशल मीडिया से इतनी कमाई हो जाती है कि अपना खर्च खुद उठा लेती हूं. हर रील वायरल नहीं होती और हर वीडियो से कमाई भी नहीं होती. कई बार अपनी जेब से खर्च करके शूट करना पड़ता है. पढ़ाई और नौकरी के साथ भी कंटेंट बनाना आसान नहीं होता. ' लोग सिर्फ वायरल वीडियो देखते हैं, लेकिन उसके पीछे की मेहनत नहीं. कई बार एक अच्छी रील बनाने में घंटों लग जाते हैं. लगातार मेहनत और धैर्य रखने वाले ही आगे बढ़ पाते हैं.' यहां कई ऐसे कलाकार भी हैं जिन्होंने सेक्टर-17 से शुरुआत कर आज सोशल मीडिया पर अपनी अलग पहचान बनाई है. अब उन्हें ब्रांड प्रमोशन, म्यूजिक वीडियो, स्टेज शो और इवेंट्स में काम के मौके मिल रहे हैं. उनके लिए यह जगह सिर्फ वीडियो शूट करने की लोकेशन नहीं, बल्कि करियर की पहली सीढ़ी साबित हुई है. 'सोशल मीडिया ने कला दिखाने का बड़ा मंच दिया ': इसके अलावा साइकिलिस्ट सत्यम कुमार ने कहा कि 'हम यहां सिर्फ वीडियो बनाने नहीं आते, बल्कि अपने टैलेंट को लोगों तक पहुंचाने आते हैं. सोशल मीडिया ने हमें अपनी कला दिखाने का बड़ा मंच दिया है.' वहीं, साइकिलिस्ट हैरी ने कहा कि, 'सेक्टर-17 हमारे लिए ओपन स्टूडियो जैसा है. यहां अच्छी लोकेशन मिलती है और दूसरे क्रिएटर्स से भी सीखने का मौका मिलता है. उम्मीद है कि एक दिन यही मेहनत हमें बड़ी पहचान दिलाएगी. '

गुरुग्राम में नशेड़ी थार चालक का कहर, खाटू श्याम जा रहे परिवार की कार को मारी टक्कर, एक ही परिवार के चार लोग गंभीर घायल

गुरुग्राम, एजेंसी। गुरुग्राम के सोहना चौक पर शुक्रवार तड़के तेज रफ्तार और कथित तौर पर नशे में धुत एक थार चालक ने बलेनो कार को जोरदार टक्कर मार दी. हादसे में खाटू श्याम के दर्शन के लिए जा रहे एक ही परिवार के चार सदस्य गंभीर रूप से घायल हो गए. टक्कर इतनी भीषण थी कि थार अनियंत्रित होकर सड़क पर पलट गई. हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया और आसपास के लोग मदद के लिए दौड़ पड़े. प्रत्यक्षदर्शियों का दावाः प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार थार बेहद तेज रफ्तार में थी. टक्कर इतनी जोरदार थी कि बलेनो बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई, जबकि थार पलट गई. चालक नशे की हालत में काफी देर तक सड़क पर हाई-वोल्टेज ड्रामा करता रहा. घटना के चलते कुछ समय के लिए यातायात भी प्रभावित रहा और बड़ी संख्या में लोग मौके पर जमा हो गए. चालक को गिरफ्तार कर मामला दर्ज किया गयाः इधर, हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को तुरंत अस्पताल पहुंचाया. पुलिस ने बताया कि, 'बलेनो में सवार एक ही परिवार के चार लोग घायल हुए हैं. आरोपी थार चालक को मौके से हिरासत में लेकर गिरफ्तार कर लिया गया है. उसके खिलाफ संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर लिया गया है.

पंजाब सरकार मुख्यमंत्री मांवां-धियां सत्कार योजना के माध्यम से महिला सशक्तिकरण के लिए प्रतिबद्ध- स्पीकर कुलतार सिंह संधवां

सामान्य वर्ग की महिलाओं को 1000 रुपये और अनुसूचित जाति की महिलाओं को दी जा रही है 1500 रुपये की वित्तीय सहायता

चंडीगढ़, 19 जुलाई- पंजाब सरकार द्वारा महिलाओं के सशक्तिकरण और उनकी वित्तीय स्वतंत्रता सुनिश्चित करने की दिशा में ऐतिहासिक कदम उठाए जा रहे हैं। पंजाब विधान सभा के स्पीकर स. कुलतार सिंह संधवां ने आज बताया कि नव प्रारंभ की गई %मुख्यमंत्री मांवां-धियां सत्कार योजना% महिलाओं के कल्याण और प्रगति के लिए राज्य सरकार की प्रतिबद्धता का प्रत्यक्ष प्रमाण है।

स्पीकर संधवां ने पंजाब की उन महिलाओं से तुरंत अपना नाम पंजीकृत करने की जोरदार अपील की, जिन्होंने इस योजना का लाभ प्राप्त करने के लिए अभी तक अपना पंजीकरण नहीं कराया है। उन्होंने जोर देकर कहा कि कोई भी पात्र लाभार्थी इस योजना के लाभ से वंचित नहीं रहना चाहिए।

इस ऐतिहासिक पहल के तहत पंजाब सरकार पात्र महिलाओं को मासिक वित्तीय सहायता प्रदान करके सशक्त बनाती है, जिसमें सामान्य श्रेणी की महिलाओं को 1000 रुपये और अनुसूचित जाति की महिलाओं को 1500 रुपये दिए जाते हैं।

स्पीकर संधवां ने जोर देते हुए कहा कि यह वित्तीय सहायता महिलाओं को अधिक स्वायत्तता प्रदान करने के लिए तैयार की गई है, ताकि वे अपनी निजी आवश्यकताओं को पूरा कर सकें और धनराशि का उपयोग अपनी भलाई के लिए कर सकें। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि सरकार का मुख्य उद्देश्य महिलाओं को सामाजिक और आर्थिक रूप से ऊपर उठाना है, ताकि वे समाज में सम्मान, विश्वास और सुरक्षा वाला जीवन जी सकें।

संधवां ने कहा, ÷हमारी सरकार ऐसा वातावरण बनाने के लिए प्रतिबद्ध है, जहाँ महिलाएँ स्वतंत्र व्यक्तित्व के रूप में फली-फूल सकें और अपना दर्जा ऊँचा उठा सकें।÷ उन्होंने आगे कहा कि प्रशासन न केवल हर कदम पर महिलाओं के साथ खड़ा है, बल्कि उनकी प्रगति, खुशी और समग्र कल्याण को सुनिश्चित करने के लिए भी निरंतर प्रयासरत है।

मान सरकार ने संपत्ति पंजीकरण की भाषा आम लोगों के लिए और सरल बनाने का लिया फैसला

राजस्व विभाग में लंबे समय से प्रचलित 35 कठिन शब्दों के स्थान पर अब आसान पंजाबी शब्दों का होगा प्रयोग

चंडीगढ़, 19 जुलाई- पंजाब सरकार ने आम लोगों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए भूमि और संपत्ति की खरीद-फरोख्त के दौरान पंजीकरण में प्रयुक्त भाषा को अधिक सरल बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। मुख्यमंत्री स. भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली सरकार ने राजस्व विभाग में लंबे समय से इस्तेमाल किए जा रहे 35 कठिन शब्दों के स्थान पर ऐसे सरल पंजाबी शब्दों के प्रयोग का निर्णय लिया है, जिन्हें आम नागरिक आसानी से समझ सकें।

पंजाब के राजस्व, पुनर्वास एवं आपदा प्रबंधन मंत्री स. हरदीप सिंह मुंडियां ने बताया कि सरकार का उद्देश्य सरकारी सेवाओं को लोगों के लिए अधिक सरल, पारदर्शी और सुगम बनाना है। उन्होंने कहा कि संपत्ति पंजीकरण से संबंधित दस्तावेजों में प्रयुक्त कठिन भाषा के कारण आम लोगों को अक्सर दिक्कतों का सामना करना पड़ता था। इसी को ध्यान में रखते हुए सरकार ने पुराने कठिन शब्दों के स्थान पर सरल और सहज पंजाबी शब्दों के प्रयोग का फैसला किया है।

राजस्व मंत्री ने बताया कि मुख्यमंत्री स. भगवंत सिंह मान के निर्देशों के बाद राजस्व एवं पुनर्वास विभाग द्वारा एक विशेष कमेटी का गठन किया गया था। कमेटी की सिफारिशों के आधार पर संपत्ति पंजीकरण से संबंधित दस्तावेजों में प्रयुक्त 35 कठिन शब्दों के स्थान पर 35 सरल पंजाबी शब्दों को अपनाने का निर्णय लिया गया है। स. हरदीप सिंह मुंडियां ने कहा कि यह निर्णय पंजाब सरकार की जनहितैषी सोच का हिस्सा है, जिसके तहत सरकारी कामकाज में प्रयुक्त भाषा को आम नागरिकों की समझ के अनुरूप बनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार का लक्ष्य यह सुनिश्चित करना है कि किसी भी नागरिक को अपनी भूमि या संपत्ति से संबंधित दस्तावेजों को समझने में अनावश्यक कठिनाई का सामना न करना पड़े। राजस्व मंत्री ने बताया कि महानिरीक्षक पंजीकरण तथा राज्य के सभी उपायुक्तों को पत्र जारी कर पुराने और नए अनुशंसित शब्दों की सूची भेज दी गई है।

हरियाणा में व्यावसायिक शिक्षा ने पकड़ी रफ्तार, दोगुना होगा विस्तार

भविष्य की तकनीकों से रूबरू होंगे विद्यार्थी, सरकारी स्कूलों में शुरू होंगे एआई और फिनटेक जैसे विषय

मुख्य सचिव ने की समग्र शिक्षा योजना की समीक्षा, जिलों में 100 फीसदी नामांकन सुनिश्चित करने के निर्देश

चंडीगढ़, हरियाणा सरकार सरकारी स्कूलों में व्यावसायिक शिक्षा का दायरा दोगुना करने, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और फाइनेंशियल टेक्नोलॉजी (फिनटेक) जैसे आधुनिक विषय शुरू करने तथा डिजिटल एवं कौशल आधारित शिक्षा को और मजबूत बनाने की दिशा में तेजी से कार्य कर रही है। इसका उद्देश्य विद्यार्थियों को भविष्य की आवश्यकताओं के अनुरूप कौशल प्रदान कर रोजगार एवं उच्च शिक्षा के लिए तैयार करना है।

मुख्य सचिव श्री अनुराग रस्तोगी ने आज यहां समग्र शिक्षा योजना की समीक्षा बैठक में इस संबंध में तैयार कार्ययोजना की समीक्षा की। बैठक में प्रदेश के सभी जिलों के उपायुक्त वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़े।

बैठक में मुख्य सचिव ने अधिकारियों को शिक्षा सुधारों के क्रियान्वयन में तेजी लाने के निर्देश देते हुए कहा कि प्रत्येक विद्यार्थी को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, आधुनिक आधारभूत सुविधाएं और उद्योगोन्मुखी कौशल उपलब्ध कराना सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने सभी उपायुक्तों को अपने-अपने जिलों में 100 फीसदी नामांकन सुनिश्चित करने तथा विद्यार्थियों के लर्निंग आउटकम में सुधार लाने के लिए विशेष प्रयास करने के निर्देश दिए।

स्कूल शिक्षा विभाग के प्रधान सचिव श्री विजय सिंह दहिया ने बताया कि सरकार ने प्रथम चरण में 306 अतिरिक्त सरकारी स्कूलों में व्यावसायिक शिक्षा शुरू करने की महत्वाकांक्षी योजना तैयार की है। इससे वर्ष 2026-27 में माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों में व्यावसायिक शिक्षा की पहुंच 31 प्रतिशत से बढ़कर 60 प्रतिशत हो जाएगी। सरकार का दीर्घकालिक लक्ष्य राज्य के सभी सरकारी माध्यमिक एवं वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालयों तक इस कार्यक्रम का विस्तार करना है।

उन्होंने बताया कि वर्तमान में संचालित 15 व्यावसायिक क्षेत्रों के अतिरिक्त विभाग द्वारा आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और फाइनेंशियल टेक्नोलॉजी (फिनटेक) जैसे नए पाठ्यक्रम शुरू करने की योजना है। इससे विद्यार्थियों को उभरती प्रौद्योगिकियों का शुरुआती ज्ञान मिलेगा और भविष्य के रोजगार अवसरों के लिए वे बेहतर रूप से तैयार हो सकेंगे।

बैठक में बताया गया कि व्यावसायिक शिक्षा कार्यक्रम के सकारात्मक परिणाम सामने आ रहे हैं। वर्ष 2025-26 के दौरान 1,382 सरकारी विद्यालयों में कक्षा 6 से 8 तक के लगभग 1.58 लाख विद्यार्थियों को कार्यशालाओं, इंटर्नशिप, परियोजनाओं तथा कौशल मेलों के माध्यम से व्यावसायिक शिक्षा से परिचित कराया गया। वहीं माध्यमिक स्तर पर 1,398 सरकारी विद्यालयों में 2.13 लाख विद्यार्थी व्यावसायिक शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं, जिनमें से लगभग 45 प्रतिशत विद्यार्थियों ने कौशल आधारित पाठ्यक्रमों का चयन किया है। राज्य परियोजना निदेशक श्री स्वप्निल रविंद्र पाटिल ने बताया कि हरियाणा बहुभाषी शिक्षा को भी बढ़ावा दे रहा है। वर्तमान में 26 सरकारी स्कूलों में लगभग 4,000 विद्यार्थियों को फ्रेंच भाषा पढ़ाई जा रही है, जबकि अगले चरण में सरकारी स्कूलों में जर्मन भाषा भी शुरू करने का प्रस्ताव है।

उन्होंने बताया कि राज्य सरकार के निर्णय के अनुसार स्कूलों की जिला स्तर पर निगरानी को सुदृढ़ करने के लिए अतिरिक्त उपायुक्तों को अपने-अपने जिलों में स्कूल शिक्षा की समग्र निगरानी एवं पर्यवेक्षण की जिम्मेदारी सौंपी गई है। एडीसी विद्यालयों में आधारभूत सुविधाओं के विकास, सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन, डिजिटल सुविधाओं के रखरखाव, स्वच्छता, शिक्षण गुणवत्ता, विद्यार्थियों की उपस्थिति एवं अनुशासन के साथ-साथ निर्माण कार्यों और अन्य शैक्षणिक गतिविधियों की समयबद्ध प्रगति की निगरानी करेंगे। इससे जिला स्तर पर प्रभावी पर्यवेक्षण सुनिश्चित होगा और सरकारी स्कूलों में शिक्षा की गुणवत्ता में और सुधार आएगा। उन्होंने बताया कि यू-डाइस 2025-26 के अनुसार स्कूल नामांकन के मामले में हरियाणा राष्ट्रीय औसत से बेहतर प्रदर्शन कर रहा है। राज्य का माध्यमिक स्तर पर सकल नामांकन अनुपात (जीईआर) 94 प्रतिशत है, जबकि राष्ट्रीय औसत 81.5 प्रतिशत है। इसी प्रकार उच्च माध्यमिक स्तर पर जीईआर 79 प्रतिशत है, जबकि राष्ट्रीय औसत 61.7 प्रतिशत है। विद्यार्थियों के लिए निःशुल्क परिवहन, साइकिल वितरण तथा विद्यार्थी परिवहन सुरक्षा योजना जैसी पहलें खास तौर पर ग्रामीण क्षेत्रों के स्कूलों में उपस्थिति बढ़ाने में सहायक हो रही हैं। स्कूल छोड़ चुके विद्यार्थियों को पुनः शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए वर्ष 2026-27 में 15 से 19 वर्ष आयु वर्ग के लगभग 2,000 किशोरों की पहचान की गई है। आर्थिक रूप से कमजोर विद्यार्थियों को बोर्ड परीक्षा शुल्क एवं स्टेशनरी उपलब्ध कराने के लिए 40 लाख रुपये का प्रावधान किया गया है।

मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने जालंधर में होने वाली राष्ट्रीय बैडमिंटन चैंपियनशिप की तैयारियों का जायजा लिया

लगभग चार दशकों बाद राष्ट्रीय बैडमिंटन चैंपियनशिप का जालंधर वापस आना पंजाब की खेल जीवंतता को दर्शाता है- मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान

जालंधर, 19 जुलाई पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने इस साल दिसंबर महीने में जालंधर के ऐतिहासिक रायज़ादा हंसराज स्टेडियम में होने वाली सब-जूनियर राष्ट्रीय बैडमिंटन चैंपियनशिप की तैयारियों का जायजा लिया। अपनी यात्रा के दौरान मुख्यमंत्री ने एक अत्याधुनिक इनडोर बैडमिंटन हॉल के निर्माण के लिए 2.14 करोड़ रुपये की विशेष अनुदान देने की घोषणा की, जिससे प्रदेश भर में खेल बुनियादी ढांचे को मजबूत करने और खेलों में सफलता को बढ़ावा देने के लिए पंजाब सरकार की प्रतिबद्धता को फिर से रेखांकित किया गया।

इस दौरान मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि लगभग 44 साल बाद राष्ट्रीय बैडमिंटन चैंपियनशिप ऐतिहासिक रायज़ादा हंसराज स्टेडियम में वापस आ रही है। उन्होंने कहा, ÷अंडर-13 श्रेणी की यह चैंपियनशिप पंजाब में बैडमिंटन को बड़ा बढ़ावा देगी और प्रदेश में खेल संस्कृति को और मजबूत करेगी। पंजाब सरकार नौजवानों की असीम ऊर्जा को सकारात्मक दिशा में लगाने के लिए खेलों को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है।÷

मुख्यमंत्री ने नए इनडोर बैडमिंटन हॉल के निर्माण के लिए डिप्टी कमिश्नर जालंधर वरजीत सिंह वालिया और पंजाब बैडमिंटन एसोसिएशन के सचिव रितिन खन्ना को 2.14 करोड़ रुपये का चेक सौंपा। उन्होंने उल्लेख किया, ÷लगभग छह दशकों में यह पहली बार है जब किसी मौजूदा मुख्यमंत्री ने इस ऐतिहासिक स्टेडियम का दौरा किया है, जिसने कई शानदार बैडमिंटन खिलाड़ी पैदा किए हैं।÷

मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने बताया, ÷लोक निर्माण विभाग (पी.डब्ल्यू.डी.) इस प्रोजेक्ट को पूरा करेगा और टेंडर प्रक्रिया जल्द ही शुरू हो जाएगी। निर्माण कार्य अगस्त में शुरू होने की उम्मीद है। मौजूदा चार आउटडोर मल्टीपर्पज कोर्टों को अंतरराष्ट्रीय स्तर के बुनियादी ढांचे से लैस विश्व स्तरीय इनडोर बैडमिंटन सुविधा में बदला जाएगा।÷

मुख्यमंत्री ने कहा कि पूरा होने के बाद रायज़ादा हंसराज स्टेडियम में कुल 10 इनडोर बैडमिंटन कोर्ट होंगे, जिससे यह पंजाब का एकमात्र ऐसा खेल मैदान बन जाएगा, जहां इतना बड़ा इनडोर बैडमिंटन कॉम्प्लेक्स होगा और यह उत्तर भारत के प्रमुख बैडमिंटन केंद्रों में से एक बन जाएगा।

उन्होंने कहा, ÷यह उन्नत बुनियादी ढांचा प्रतिष्ठित राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय बैडमिंटन टूर्नामेंटों की मेजबानी करने के लिए पंजाब की क्षमता को महत्वपूर्ण रूप से मजबूत करेगा। इस स्टेडियम को इस साल दिसंबर में सब-जूनियर राष्ट्रीय बैडमिंटन चैंपियनशिप की मेजबानी के लिए चुना गया है, जो लगभग चार दशकों में यहाँ होने वाली पहली राष्ट्रीय बैडमिंटन चैंपियनशिप होगी।

अपनी यात्रा के दौरान मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने खिलाड़ियों, कोचों और खेल अधिकारियों से बातचीत की और स्टेडियम में मौजूदा खेल बुनियादी ढांचे का जायजा लिया। उन्होंने बैडमिंटन जगत को भरोसा दिलाया कि पंजाब सरकार चैंपियनशिप के सफल आयोजन के लिए हर संभव सहयोग देगी और प्रदेश भर में खेल बुनियादी ढांचे के विकास में निवेश करना जारी रखेगी।

मेरी रसोई राशन किटों का वितरण 30 लाख से पार

3.44 लाख से अधिक राशन किटों के वितरण के साथ लुधियाना अग्रणी, पटियाला 2.24 लाख से अधिक के साथ दूसरे और अमृतसर 2.08 लाख किटों के वितरण के साथ तीसरे स्थान पर

चंडीगढ़, 19 जुलाई- पंजाब सरकार ने जरूरतमंद परिवारों के लिए पोषण सुरक्षा सुनिश्चित करने के मद्देनजर अपनी चल रही राशन किट वितरण मुहिम %मेरी रसोई% में और तेजी लाई है, जिसके तहत लगभग 30.48 लाख परिवार पहले ही लाभ ले रहे हैं। इस मुहिम का उद्देश्य हर तिमाही (3 महीनों) बाद पंजाब भर में कुल 40.48 लाख पात्र परिवारों को कवर करना है।

मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान की दूरदर्शी सोच और खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले मंत्री लाल चंद कटारूचक्क की निगरानी में इस प्रमुख पहल के तहत राशन का वितरण मिशन मोड पर किया जा रहा है।

उल्लेखनीय है कि प्रत्येक परिवार को एक राशन किट मिलेगी, जो एक घर की आवश्यक खाद्य वस्तुओं को ध्यान में रखकर तैयार की गई है। इसमें मासिक खपत के लिए दो किलो दाल, दो किलो चीनी, एक किलो नमक, 200 ग्राम हल्दी पाउडर, और एक लीटर सरसों का तेल शामिल है। ये राशन किटें राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम, 2013 के तहत पात्र लाभार्थियों को पहले से ही वितरित की जा रही गेहूं के अतिरिक्त प्रदान की जा रही हैं। राशन किटें मार्कफेड द्वारा एकत्रित की जाती हैं, जबकि खाद्य, नागरिक आपूर्ति और उपभोक्ता मामले विभाग द्वारा प्रदेश भर में वितरण नेटवर्क की निगरानी की जाती है।

दिल्ली के फतेहपुर बेरी में गोदाम में लगी आग, दमकल की 11 गाड़ियां बुझाने में जुटीं; कोई हताहत नहीं

नईदिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के फतेहपुर बेरी स्वरूप कॉलोनी स्थित गोदाम में रविवार सुबह आग लग गई। सूचना पर आनन-फानन में दमकल की 11 गाड़ियां मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाने में जुट गई हैं।

दमकल विभाग को सुबह 6.43 बजे आग लगने की सूचना मिली थी। प्राथमिक जानकारी के मुताबिक, इवेंट मैनेजमेंट के सामने वाले गोदाम में आग लगी है। आग किस वजह से लगी इसका पता अभी नहीं चल सका है। वहीं, आग से अभी तक किसी के हताहत होने की खबर नहीं है।

दिल्ली की विशेष लोक अदालत में हुआ 15036 चेक बाउंस मामलों का निपटारा, 131.40 करोड़ पर समझौता

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण (डीएसएलएसए) ने शनिवार को राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (नालसा) के तहत चेक बाउंस मामलों के निपटारे के लिए दिल्ली के सभी जिला अदालत परिसरों में विशेष लोक अदालत का आयोजन किया। इस दौरान कुल 15,036 मामलों का निपटारा किया गया और 131.40 करोड़ रुपये की राशि पर समझौता हुआ।

जल्द निपटारे में मदद कर रही लोक अदालत: डीएसएलएसए के अनुसार, चेक बाउंस के मामलों की बढ़ती संख्या और अदालतों में लंबित मुकदमों का बोझ कम करने के उद्देश्य से इस विशेष लोक अदालत का आयोजन किया गया। चूंकि, इस तरह के मामले मुख्य रूप से वित्तीय विवादों से जुड़े होते हैं और आपसी सहमति से उनका समाधान संभव होता है, इसलिए लोक अदालत इन्हें शीघ्र निपटाने का प्रभावी माध्यम साबित हो रही है। प्राधिकरण ने बताया कि विशेष लोक अदालत के सफल आयोजन के लिए सभी जिला अदालतों के सहयोग से पहले ही व्यापक तैयारियां की गई थीं। इसके तहत लंबित और प्री-लिटिगेशन मामलों की पहचान कर उनकी सूची तैयार की गई, सभी पक्षकारों को समय पर नोटिस भेजे गए, बैंकों के अधिकृत अधिकारियों की उपस्थिति सुनिश्चित की गई व पर्याप्त संख्या में लोक अदालत पीठों का गठन किया गया। पक्षकारों के बीच समझौता कराने के लिए प्रशिक्षित मध्यस्थों की भी तैनाती की गई। लोक अदालत से पहले विभिन्न अदालतों में प्री-लोक अदालत बैठकें भी आयोजित की गई, ताकि अधिक से अधिक मामलों में पहले ही सहमति बन सके और सुनवाई के दिन उनका निपटारा किया जा सके।

विशेष लोक अदालत की व्यवस्थाओं का निरीक्षण करने के लिए डीएसएलएसए के वरिष्ठ अधिकारियों ने विभिन्न अदालत परिसरों का दौरा किया।

पक्षकारों से बातचीत कर व्यवस्थाओं का लिया जायजा: सदस्य सचिव राजीव बंसल ने साकेत अदालत, विशेष सचिव तन्वी खुराना ने तीस हजारी अदालत, अतिरिक्त सचिव अभिनव पांडेय ने कड़कड़डूमा अदालत व सचिव (वाद) भारती गर्ग ने पटियाला हाउस अदालत परिसर का निरीक्षण किया। अधिकारियों ने न्यायिक अधिकारियों, कर्मचारियों, मध्यस्थों और पक्षकारों से बातचीत कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। वादकारियों की सुविधा के लिए सभी प्रमुख अदालत परिसरों में महिलाओं और वरिष्ठ नागरिकों के लिए विशेष सहायता काउंटर भी स्थापित किए गए। प्राधिकरण के अनुसार, न्यायिक अधिकारियों, अधिवक्ताओं, बैंक अधिकारियों, मध्यस्थों और पक्षकारों के सक्रिय सहयोग से बड़ी संख्या में मामलों का आपसी सहमति से निपटारा संभव हो सका।

सीजेपी के 'संसद मार्च' से पहले दिल्ली में हाई अलर्ट

जंतर-मंतर पर वामपंथी छात्रों ने डाला डेरा

नई दिल्ली, एजेंसी। रविवार छुट्टी का दिन होने के चलते कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के धरना प्रदर्शन में बड़ी संख्या में लोग जुटे। विपक्षी दलों ने सतर्कता बरतते हुए सीजेपी को समर्थन देने की रफ्तार बढ़ा दी है। खासकर वामपंथी छात्र संगठन इस आंदोलन में काफी सक्रिय नजर आ रहे हैं।

ढपली के साथ जंतर मंतर पर जेएनयू के वामपंथी छात्र संगठन से जुड़े छात्र सैकड़ों की संख्या में पहुंचकर डेरा जमा लिया है। इस बीच, सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक के इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती होने के बाद सीजेपी प्रमुख अभिजीत दीपके ने खुद मोर्चा संभाल लिया है। वह अनशन पर बैठ गए हैं।

चंद्रशेखर आजाद भी जंतर मंतर पहुंचे

शनिवार दोपहर बाद से ही वामपंथी छात्रों की भीड़ जंतर मंतर पर पहुंचने लग गई। देर रात्रि नगीना से सांसद चंद्रशेखर आजाद भी जंतर मंतर पहुंचे। कुछ देर पहले एक्स पोस्ट पर एक वीडियो संदेश जारी कर अभिजीत दीपके ने आज रविवार को लोगों से बड़ी संख्या में जंतर मंतर पहुंचने का आह्वान किया है। साथ ही रविवार रात्रि रुकने की भी अपील की है। उन्होंने अंदेशा जताते हुए कहा है कि रविवार रात पुलिस उन लोगों को हटाने की कोशिश कर सकती है।

दिल्ली पुलिस ने बढ़ाई निगरानी

विशेष है कि सोमवार से संसद का मानसून सत्र शुरू हो रहा है। जिसके मद्देनजर पुलिस और अर्धसैनिक बल भी सक्रिय है। दिल्ली पुलिस के शीर्ष अधिकारियों द्वारा मामले पर नजर रखी जा रही है। कल सोमवार को संसद मार्च के आह्वान के चलते आज आंदोलनकारियों की गतिविधियां पूरे दिन तेज रहने की संभावना है। अब देखना यह होगा कि पुलिस आज रात में ही प्रदर्शनकारियों को मनाकर हटाने की कोशिश करती है या सोमवार को संसद की ओर कूच का इंतजार करती है। वैसे, पुलिस प्रशासन पहले से ही सोमवार को प्रस्तावित संसद मार्च को लेकर पूरी तरह सतर्क है। सुरक्षा व्यवस्था को चाक-चौबंद रखा गया है। जबकि, आज विपक्षी दलों के समर्थन से आंदोलन की तीव्रता बढ़ने के आसार हैं।

दक्षिणी दिल्ली को जाम से मिलेगी राहत, कालकाजी और सावित्री सिनेमा फ्लाईओवर का काम जल्द होगा शुरू

दक्षिणी दिल्ली, एजेंसी। आउटर रिंग रोड पर कालकाजी और सावित्री सिनेमा फ्लाईओवर की दूसरी लेन बनाने में आ रही बाधा अब दूर हो गई है। दोनों ही साइट पर ठेकेदार कंपनी को निर्माण सामग्री रखने के लिए जगह नहीं मिल रही थी।

कालकाजी फुटओवर ब्रिज के पास पीडब्ल्यूडी की साइट पर जहां निर्माण सामग्री आनी शुरू हो गई है, वहीं अब सावित्री सिनेमा फ्लाईओवर के पास डीडीए ने इसके लिए दो एकड़ जमीन उपलब्ध करा दी है। पीडब्ल्यूडी मंत्री प्रवेश वर्मा ने शनिवार को डीडीए की ओर से जमीन की मांग को मंजूरी मिलने की जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि दिसंबर 2025 में इस प्रोजेक्ट को मंजूरी मिली थी। साथ ही मोदी मिल फ्लाईओवर को कालकाजी फ्लाईओवोर से जोड़ने का काम भी मंजूर किया था। प्रशासनिक मंजूरी मिलने के बावजूद खाली स्थान की कमी के कारण काम शुरू नहीं हो पाया था। दिल्ली सरकार ने सावित्री सिनेमा फ्लाईओवर के पास डीडीए से लगभग दो एकड़ ज़मीन मांगी थी ताकि ट्रैफ़िक की आवाजाही में ज्यादा रुकावट के बिना निर्माण कार्य किया जा सके। इस निर्माण से ग्रेटर कैलाश और नेहरू प्लेस, चित्तरंजन पार्क और चिराग दिल्ली इलाके के बीच बिना किसी परेशानी के आवाजाही हो सकेगी।

लगभग 412 करोड़ रुपये की यह परियोजना दक्षिणी दिल्ली में ट्रैफिक की समस्या को कम करने में कारगर साबित हो सकती है। गावर कंस्ट्रक्शन को इसका काम सौंपा गया है, जिसे अगले 24 से 30 महीनों में दोनों फ्लाईओवर का काम पूरा करना है।

मई में ही मिट्टी की जांच और भू-तकनीकी सर्वे किया गया पर निर्माण सामग्री रखने के लिए स्थान उपलब्ध न होने का काम आगे नहीं बढ़ पा रहा था।

अब कालकाजी फ्लाईओवर के पास निर्माण सामग्री आनी शुरू हो गई है और सावित्री सिनेमा के पास स्थान मिलने से अगले कुछ दिनों में दोनों जगहों पर दूसरी लेन के फ्लाईओवर निर्माण का काम शुरू कर दिया जाएगा। भाजपा सांसद रामवीर सिंह बिधूड़ी ने कहा दक्षिणी दिल्ली में जाम की समस्या बड़ी चुनौती है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता व पीडब्ल्यूडी मंत्री प्रवेश वर्मा से इसे लेकर आग्रह किया था। जाम की समस्या दूर करना दिल्ली सरकार की शीर्ष प्राथमिकता है।

पहले चरण में 79404 छात्रों ने स्वीकार की सीट, 10746 ने फीस जमा कर प्रवेश किया पक्का

नई दिल्ली, एजेंसी। डीयू में स्नातक (यूजी) दाखिले के पहले चरण में प्रवेश प्रक्रिया तेजी से आगे बढ़ रही है। शनिवार शाम छह बजे तक जारी आंकड़ों के अनुसार, 79,404 अभ्यर्थियों ने आवंटित सीट स्वीकार कर ली है।

इनमें से 26,061 आवेदनों का कालेजों द्वारा सत्यापन पूरा कर उन्हें फीस जमा करने की अनुमति दे दी गई, जबकि 10,746 विद्यार्थियों ने आनलाइन फीस जमा कर अपना प्रवेश सुनिश्चित कर लिया है। विश्वविद्यालय ने इस वर्ष पहले चरण में 71,624 उपलब्ध सीटों के मुकाबले 93,033 सीट आवंटन किए थे। यानी सीटों की वास्तविक संख्या से करीब 21 हजार अधिक आवंटन किए गए।

25 जुलाई को आएगी दूसरे चरण की सीट आवंटन सू: विश्वविद्यालय का कहना है कि यह रणनीति पिछले वर्षों के अनुभव के आधार पर अपनाई गई है, क्योंकि बड़ी संख्या में छात्र एक से अधिक संस्थानों में विकल्प मिलने पर सीट छोड़ देते हैं। इससे सभी सीटें समय पर भरने में मदद मिलती है। दूसरे चरण की सीट आंवटन सूची 25 जुलाई को आएगी।

डीयू के अनुसार, पहले चरण में सीट पाने वाले विद्यार्थियों के लिए 18 जुलाई रात 11:59 बजे तक सीट स्वीकार करने का अंतिम अवसर था। इसके बाद संबंधित कालेज दस्तावेजों का सत्यापन करेंगे और योग्य अभ्यर्थियों को फीस भुगतान के लिए मंजूरी देंगे। जिन छात्रों को भुगतान की अनुमति मिल चुकी है, उन्हें निर्धारित समयसीमा के भीतर फीस जमा करनी होगी, तभी उनका प्रवेश अंतिम रूप से माना जाएगा। इस वर्ष डीयू की प्रवेश प्रक्रिया में रिकार्ड रुचि देखने को मिली। 2,18,284 अभ्यर्थियों ने पंजीकरण प्रक्रिया सफलतापूर्वक पूरी की, जबकि 2,06,835 विद्यार्थियों ने कालेज और पाठ्यक्रम की प्राथमिकताएं भरी थीं। इन्हीं के आधार पर पहली आवंटन सूची जारी की गई।

संसद के मानसून सत्र के दौरान दिल्ली की इन सड़कों पर बढ़ेगा जाम

ट्रैफिक पुलिस ने जारी की एडवाइजरी

नई दिल्ली, एजेंसी। संसद का मानसून सत्र सोमवार 20 जुलाई से शुरू होने जा रहा है। सत्र के दौरान संसद भवन और नई दिल्ली क्षेत्र में वीवीआइपी आवाजाही बढ़ने और सुरक्षा व्यवस्था कड़ी रहने के कारण कई प्रमुख सड़कों और चौराहों पर यातायात प्रभावित रह सकता है। इसे देखते हुए दिल्ली ट्रैफिक पुलिस ने आम लोगों से यात्रा की बेहतर योजना बनाने और वैकल्पिक मार्गों का उपयोग करने की अपील की है।

इन मार्गों से बचने की सलाह: ट्रैफिक पुलिस के अनुसार, रफी मार्ग, मोतीलाल नेहरू मार्ग, मौलाना आजाद रोड, के. कामराज मार्ग, रायसीना रोड, राजेंद्र प्रसाद रोड, संसद मार्ग, अशोका रोड, तालकटोरा रोड, पंडित पंत मार्ग और रकाबगंज गुरुद्वारा रोड पर वाहनों का दबाव बढ़ सकता है। आवश्यकता न होने पर इन मार्गों से बचने की सलाह दी गई है। इसी तरह विजय चौक, पटेल चौक, बोट क्लब, बूटा सिंह मार्ग, रेल भवन, प्राइम चौक, सुनेहरी मस्जिद, जीआरजी और जलेबी चौक जैसे प्रमुख चौराहों पर भी यातायात प्रभावित रहने की संभावना है। ऐसे में वाहन चालकों को इन क्षेत्रों में अतिरिक्त समय लेकर निकलने की सलाह दी गई है।

इन वैकल्पिक मार्गों को इस्तेमाल करने का सुझाव

यातायात पुलिस ने जनपथ, मान सिंह रोड, अकबर रोड, तीन मूर्ति मार्ग, शांति पथ, मौलाना अब्दुल कलाम आजाद रोड, कमाल अतातुर्क मार्ग और पंचशील मार्ग को वैकल्पिक रास्तों के रूप में सुझाया है। इसके अलावा विनय मार्ग, आउटर सर्कल (कनाट प्लेस), बाबा खड़क सिंह मार्ग, मदर टेरेसा क्रिसेंट रोड और सरदार पटेल मार्ग का भी आवश्यकता अनुसार उपयोग किया जा सकता है। दिल्ली ट्रैफिक पुलिस ने वाहन चालकों से धैर्य बनाए रखने, यातायात नियमों का पालन करने और ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों के निर्देशों का पूरी तरह पालन करने की अपील की है। पुलिस का कहना है कि आम नागरिकों के सहयोग से संसद के मानसून सत्र के दौरान यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखा जा सकेगा।

दिल्ली में उमस भरी गर्म रात से हाल बेहाल

न्यूनतम तापमान 31 डिग्री दर्ज, येलो अलर्ट जारी

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली-एनसीआर वालों को उमस भरी गर्मी से राहत नहीं मिली। दिन के साथ ही रात में भी गर्मी अधिक हो रही है। दिल्ली में शुक्रवार को पिछले पांच वर्षों में सबसे अधिक न्यूनतम तापमान 31 डिग्री सेल्सियस रहा था। शनिवार को यह कम होकर 30.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ था। अब फिर से न्यूनतम तापमान 31 डिग्री सेल्सियस पहुंच गया। यह सामान्य से 3.8 डिग्री अधिक है। दोपहर तक मौसम में कुछ बदलाव होने की उम्मीद है।

तेज हवा के साथ बारिश के आसार

भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने रविवार के लिए येलो अलर्ट जारी किया है। दोपहर तक 20 से 40 किलोमीटर तक हवा चलने के साथ ही हल्की वर्षा होगी। लेकिन उमस भरी गर्मी बनी रहेगी। अधिकतम तापमान 36 डिग्री सेल्सियस तक रह सकता है। वहीं, रविवार को सफदरजंग में न्यूनतम तापमान 31 डिग्री सेल्सियस, लोधी रोड पर 29.2 डिग्री सेल्सियस, पालम में 29 डिग्री सेल्सियस, लोधी रोड पर 30 अयानगर में 29.4 डिग्री सेल्सियस और रिज स्टेशन पर27.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

रिकॉर्ड स्तर पर पहुंची बिजली की मांग

उमस भरी गर्मी के कारण बिजली की खपत भी बढ़ गई है। बिजली की अधिकतम मांग शुक्रवार को 84 सौ मेगावाट के ऊपर पहुंच गई थी। शनिवार को भी मांग आठ हजार मेगावाट से अधिक रही।

दिल्ली में भारत-इंग्लैंड मैच पर ऑनलाइन सट्टेबाजी का भंडाफोड़, चार्टर्ड अकाउंटेंट समेत 5 गिरफ्तार

नईदिल्ली, एजेंसी। भारत-इंग्लैंड क्रिकेट मैच पर आनलाइन सट्टेबाजी कराने वाले एक संगठित गिरोह का पता लगाते हुए पश्चिमी जिला पुलिस ने पांच आरोपितों को गिरफ्तार किया है।

जांच में सामने आया है कि गिरोह के संचालन में एक चार्टर्ड अकाउंटेंट की अहम भूमिका थी, जबकि कारोबार में घाटा झेल चुका उसका एक साथी भी नेटवर्क चलाने में सहयोग कर रहा था। पुलिस का कहना है कि इस रैकेट का मास्टरमाइंड क्षेत्र का एक बड़ा कारोबारी है, जो फिलहाल फरार है। उसकी तलाश की जा रही है और पूरे नेटवर्क की जांच जारी है। गिरफ्तार आरोपितों की पहचान जतिन टंडन (34), योगेश गोयल (30), अनमोल (33), शिखर अग्रवाल (38) और मोहित ढींगरा (41) के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, योगेश गोयल पेशे से चार्टर्ड अकाउंटेंट है और रैकेट के संचालन में उसकी महत्वपूर्ण भूमिका सामने आई है। वहीं, अनमोल पहले पारिवारिक गारमेंट्स कारोबार से जुड़ा था, लेकिन कारोबार में घाटा होने के बाद वह इस अवैध गतिविधि से जुड़ गया। शिखर अग्रवाल और मोहित ढींगरा भी नेटवर्क के संचालन में सक्रिय भूमिका निभा रहे थे।

आरोपियों ने डिजिटल साक्ष्य मिटाने की कोशिश की: उपायुक्त हरेश्वर वी स्वामी ने बताया कि 16 जुलाई को सूचना मिली थी कि कीर्ति नगर के एन-ब्लाक स्थित एक मकान से भारत-इंग्लैंड क्रिकेट मैच पर आनलाइन सट्टेबाजी कराई जा रही है। सूचना को गंभीरता से लेते हुए एसीपी पंजाबी बाग जय प्रकाश के निर्देशन और थाना प्रभारी इंस्पेक्टर महाबीर सिंह व इंस्पेक्टर मनीष कुमार के नेतृत्व में एक टीम ने मकान पर छापेमारी की। कार्रवाई के दौरान मकान के अंदर पांच लोग आनलाइन क्रिकेट सट्टेबाजी करते मिले। पुलिस टीम को देखकर आरोपितों ने लैपटाप और मोबाइल फोन बंद कर डिजिटल साक्ष्य मिटाने का प्रयास किया, लेकिन पुलिस ने तुरंत सभी को पकड़ लिया।

फरार मास्टरमाइंड की तलाश जारी: प्रारंभिक जांच में इलेक्ट्रानिक उपकरणों पर लाइव बेटिंग इंटरफेस संचालित मिला। मौके से 28 मोबाइल फोन, दो लैपटाप, दो आडियो रिकार्डर, एक हेडफोन, सट्टेबाजी के रिकार्ड और लेनदेन दर्ज तीन नोटबुक आदि सामान बरामद किए हैं। इस संबंध में कीर्ति नगर थाना पुलिस ने दिल्ली पब्लिक गैंबलिंग एक्ट, 1955 की धारा 3, 4 और 5 के तहत मामला दर्ज किया है।

दिल्ली में दो अगस्त को लगेगा देश का सबसे बड़ा रक्तदान शिविर, गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाने का लक्ष्य

नई दिल्ली, एजेंसी। गिनीज बुक आफ वर्ल्ड रिकार्ड्स में नाम दर्ज कराने के लक्ष्य के साथ दो अगस्त को दिल्ली मेगा रक्तदान शिविर का आयोजन किया जाएगा। लक्ष्मी तरु फाउंडेशन के तत्वावधान होने वाले इस रक्तदान शिविर को लेकर दावा किया गया है कि यह देश का सबसे बड़ा मेगा रक्तदान शिविर होगा। इसका लक्ष्य करीब 3,100 यूनिट रक्त एकत्र कर गिनीज बुक आफ वर्ल्ड रिकार्ड्स में नाम दर्ज कराना है। शनिवार को बताया गया कि दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगी, शिविर सुबह आठ बजे से शाम छह बजे तक चलेगा। शिविर भारतीय सशस्त्र बलों तथा थैलेसीमिया से पीड़ित बच्चों को समर्पित रहेगा। इसका संदेश ए ड्रॉप फार द आर्मी तथा एवरी ड्राप गिव्स समवन ए न्यू लाइफ है। एकत्रित रक्त आर्म्ड फोर्सेज ट्रांसफ्यूजन सेंटर (एएफटीसी), एम्स, सफदरजंग अस्पताल, लेडी हार्डिंग मेडिकल कालेज एवं अस्पताल, हिंदू राव अस्पताल, लायंस ब्लड सेंटर, रोटरी ब्लड सेंटर तथा अन्य अधिकृत एवं लाइसेंस प्राप्त ब्लड बैंकों और अस्पतालों को उपलब्ध कराया जाएगा।

केवल रिकॉर्ड बनाना लक्ष्य नहीं: फाउंडेशन के संस्थापक एवं अध्यक्ष विपिन गर्ग ने बताया कि हमारा उद्देश्य केवल रिकार्ड बनाना नहीं, बल्कि सशस्त्र बलों के जवानों, थैलेसीमिया पीड़ित बच्चों, दुर्घटना पीड़ितों तथा अन्य जरूरतमंद मरीजों के लिए सुरक्षित रक्त उपलब्ध कराना है। महासचिव अंकित गर्ग, आर्थोपेडिक विशेषज्ञ डा. महेश कुमार, बाइकर एवं हीलर सिंपल अरोड़ा तथा युग संस्कृति न्यास के संस्थापक एवं अध्यक्ष आचार्य धर्मवीर ने अभियान की जानकारी दी।

उत्तर मध्य रेलवे

जेम बिड सूचना 11/2026 — **ई-निविदा सूचना** — दिनांक: 17.07.2026

भारत के राष्ट्रपति की ओर से मंडल साम्रगी प्रबंधक/आगरा, उत्तर मध्य रेलवे के अधीन निम्नलिखित कार्य हेतु ई-निविदा आमंत्रित करते हैं।

जेम बिड संख्या: GEM/2026/B/7709849 dt. 16.07.2026	**ईएमडी (रू.):** 196180/-
विवरण: एक्सएलपीई केबल फॉर वर्किंग वोल्टेज	
मात्रा: 16450 MTR	**जेम बिड खुलने की तिथि:** 17.08.2026

नोट: 1. उपरोक्त सभी जेम बिड का पूरा विवरण GEM की वेबसाईट https://www.gem.gov.in पर उपलब्ध है। 2. उपरोक्त बिड हेतु जेम बिड के अतिरिक्त अन्य किसी भी प्रारूप में बिड स्वीकार नहीं की जायेगी। वेन्डरों को चाहिए कि वे अपने आपको GEM की वेबसाइट पर पंजीकृत करायें। 3. निविदा की दरें केवल डिजिटल हस्ताक्षरित फाइनेन्सियल रेट पेज पर ही विचारणीय हैं। दरें तथा अन्य वित्तीय प्रभार अन्य किसी भी फार्म/लेटरहेड पर यदि संलग्न है तो उस पर विचार नहीं किया जायेगा तथा सीधे तौर पर अमान्य कर दिया जायेगा। 4. संलग्न किये जाने वाले सभी प्रपत्र हस्ताक्षरित होने चाहिए। 5. ड्राइंग की कीमत के लिए विनिधान जेड 650- एवं बयाना राशि (ई.म.डी) जमा करने के लिए विनिधान विविध भंडार 00844517 है। किसी भी प्रकार की तकनीकी समस्या के समाधान के लिए GEM की वेबसाइट की हेल्प लाइन से सम्पर्क किया जा सकता है। **1656/26(K)**

North central railways | www.ncr.indianrailways.gov.in | @CPRONCR

उत्तर मध्य रेलवे

निविदा सूचना संख्या 15/2026/आर.एस./जे.एच.एस. — दिनांक: 16.07.2026

ई-निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति के लिए तथा उनकी ओर से वरि. मंडल विद्युत इंजीनियर (चल स्टॉक), उत्तर मध्य रेल, झाँसी द्वारा निम्नलिखित कार्यों के लिये ऑनलाईन (**ई-टेन्डरिंग**) के माध्यम से खुली निविदायें आमंत्रित की जाती हैं।

निविदा सं.: झाँसी-आर.एस.-डब्ल्यू.सी.-टी3-2026-27-आर.टी.1	
निविदा मूल्य: Rs. 1770888.00	
कार्य का विवरण: विद्युत लोको शेड, झाँसी के इलेक्ट्रिकल/मैकेनिकल, मेजरिंग तथा टेस्ट उपकरणों का वार्षिक कैलिब्रेशन करना तीन वर्ष की अवधि के लिए।	
बयाना राशि: Rs. 35400.00	**स्वीकृत पत्र जारी होने के समय से कार्य समापन अवधि:** 36 माह
निविदा सं.: झाँसी-आर.एस.-डब्ल्यू.सी.-टी1-2025-26-आर.टी.5	
निविदा मूल्य: Rs. 37878000.00	
कार्य का विवरण: हिटैची टैक्शन मोटर HS-15250 का इलेक्ट्रिकल रिपेयर करना।	
बयाना राशि: Rs. 757600.00	**स्वीकृत पत्र जारी होने के समय से कार्य समापन अवधि:** 24 माह

निविदा बंद होने की तिथि: 14.08.2026 प्रत्येक निविदा हेतु। निविदाकार निविदा दिनांक **14.08.2026** को **15:00 बजे** तक ऑनलाईन जमा कर सकेंगे। पूर्ण विवरण एवं निविदा को प्रस्तुति करने के लिए भारतीय रेल के वेबसाईट http://www.ireps.gov.in पर देखें। **1640/26(K)**

North central railways | www.ncr.indianrailways.gov.in | @CPRONCR

संपादकीय

सोनम वांगचुक, बिगड़ती सेहत- क्या सरकार की चुप्पी ही असली परीक्षा है?

सरकार को उनसे बातचीत करना और अनशन खत्म कराना जरूरी नहीं लग रहा है। सवाल है कि सरकार के ऐसे रुख को लोकतंत्र के आईने में किस नजरिए से देखा जाएगा। शनिवार को भी सोनम वांगचुक दवा लेने से इंकार कर दिया था। किसी भी लोकतंत्र में जनता की ओर से अगर सरकार के रुख या उसकी नीतियों पर सवाल उठाया जाता है, तो एक स्वस्थ लोकतांत्रिक व्यवस्था में यह स्वाभाविक स्थिति है। ऐसे में सरकार का दायित्व होता है कि वह उन सवालों पर विचार करे, हर संभव और संतुष्ट करने वाला उचित उत्तर दे। विडंबना यह है कि कई बार सरकार की ओर से जन-आंदोलनों को लेकर उदासीनता या फिर उपेक्षा का भाव दिखाया जाता है और इसी वजह से कोई समस्या सुलझने के बजाय और ज्यादा जटिल हो जाती है।नीट परीक्षा में गड़बड़ी के विरोध में जब युवाओं ने दिल्ली के जंतर मंतर पर आंदोलन शुरू किया, तभी सरकार को उनके साथ बातचीत करके कोई समाधान निकालने की कोशिश करनी चाहिए थी। मगर सरकार की अनदेखी के बाद भी जिस तरह लोगों ने इस मसले पर केंद्रीय शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग को उठाना जारी रखा है, उससे साफ है कि वे फिलहाल इसे एक प्रतीकात्मक हल की तरह देख रहे हैं। हैरानी की बात है कि सरकार को आंदोलनकारियों के साथ संवाद स्थापित करके कोई रास्ता निकालना जरूरी नहीं लग रहा।हालांकि सरकारी उदासीनता के बावजूद प्रश्नपत्र लीक होने और परीक्षा रद्द होने के मुद्दे पर शुरू हुआ आंदोलन अभी जारी है और अब कई नेता भी वहां अपनी उपस्थिति दर्ज कर रहे हैं। मगर इस बीच पर्यावरण कार्यकर्ता सोनम वांगचुक के आंदोलन के साथ जुड़ने और अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल पर बैठने के बाद जंतर मंतर पर युवाओं के आंदोलन को नई गति मिली है और वे अपनी मुख्य मांग पूरी करने पर जोर दे रहे हैं।मगर यह चिंता की बात है कि करीब तीन हफ्ते से लगातार अनशन पर रहने की वजह से जहां सोनम वांगचुक की सेहत में लगातार गिरावट आ रही है, वहीं सरकार को उनसे बातचीत करना और अनशन खत्म कराना जरूरी नहीं लग रहा है। सवाल है कि सरकार के ऐसे रुख को लोकतंत्र के आईने में किस नजरिए से देखा जाएगा। क्या यह सरकार के लिए एक शर्मिंदा करने वाली स्थिति नहीं होनी चाहिए कि दिल्ली उच्च न्यायालय को यह याद दिलाना पड़ रहा है कि अनशन पर बैठे एक आंदोलनकारी को लेकर सरकार का क्या दायित्व होना चाहिए?गौरतलब है कि गुरुवार को दिल्ली हाई कोर्ट ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे सोनम वांगचुक के स्वास्थ्य पर हर रोज नजर रखें और जरूरत पड़ने पर उन्हें चिकित्सीय मदद मुहैया कराएं। अदालत ने एक अहम टिप्पणी की कि जिंदगी अनमोल है और उसे बचाने के लिए अधिकारियों को सारे चिकित्सीय प्रयास करने चाहिए। साथ ही वांगचुक की स्वास्थ्य स्थिति की नियमित रूप से जांच करनी चाहिए। दिल्ली हाई कोर्ट के ये निर्देश निश्चित रूप से भूख हड़ताल पर बैठे सोनम वांगचुक के जीवन को बचाने के लिहाज से अहम हैं, लेकिन यह सरकार का भी दायित्व है कि वह बिना देर किए इस मसले पर वांगचुक सहित आंदोलनकारियों से संवाद स्थापित करे और कोई ठोस हल निकाले।

बारिश नहीं, कुप्रबंधन है असली गुनहगार- आखिर हर मानसून में क्यों डूब जाते हैं भारत के शहर?

(बलवंत राज मेहता)

जलवायु परिवर्तन ने कई चुनौतियों को और कठिन बना दिया है। अब वर्षा का स्वरूप बदल गया है। पहले जो पानी कई दिनों में गिरता था, वह अब कुछ घंटों में गिर जाता है। ऐसे में पचास-साठ वर्ष पुराने मानकों पर बनी सीवर व्यवस्था ध्वस्त हो जाती है।

काले बादलों के बीच भारी बारिश के बाद पानी में डूबी शहरी सड़क, जलमग्न वाहन, पैदल चलते लोग और अवरुद्ध नाला—भारतीय शहरों में मानसून के दौरान जलभराव की स्थिति को दर्शाता। वर्षा ऋतु को लेकर भारतीय मानस में अप्रतिम लगाव रहा है। यही वह समय है जब किसान आसमान की ओर टकटकी लगाए काले मेघों के घुमड़ने का इंतजार करते हैं। बरसात में देरी हो जाए, तो फसलों पर असर पड़ने की संभावना होती है। बारिश की बूंदें पड़ते ही तृषित धरती भी शीतल होने लगती है और चारों ओर फिर से हरियाली छाने लगती है।

भारतीय परंपरा में चौमासे का खास महत्त्व है। सावन का नाम लेते ही लोकगीत, झूले लहलहाती फसलों के साथ जीवन का उल्लास आंखों के सामने तैरने लगता है। मगर विडंबना देखिए कि यही बारिश आज शहरों में भय का पर्याय बनती जा रही है। बादल बरसते हैं, तो महानगरों से लेकर छोटे शहरों तक सड़कें नदियों में बदल जाती हैं। कहीं वाहन बह जाते हैं, कहीं अस्पतालों में पानी भर जाता है, तो कहीं हवाईअड्डे ठप पड़ जाते हैं। कई बार तो लोग अपने घरों में कैद होकर रह जाते हैं। यह दृश्य अब अपवाद नहीं, लगभग हर मानसून में यह विवशता दिखाई देती है।

सबसे बड़ा प्रश्न यह है कि क्या भारत में सचमुच बारिश अधिक हो रही है या हमारी शहरी व्यवस्था सिकुड़ गई है? उत्तर दूसरा अधिक सटीक प्रतीत होता है। प्रकृति ने अपना स्वभाव पूरी तरह नहीं बदला। दरअसल, हमने अपने शहरों का चरित्र बदल दिया है। जिन तालाबों में पानी रुकना चाहिए था, वहां बहुमंजिला इमारतें खड़ी कर दी गईं। जिन नालों से वर्षा का पानी निकलता था, वहां मकान बना दिए गए। जिन आर्द्रभूमियों को शहर का 'प्राकृतिक गुर्दा' कहा जाता है, उन्हें कंक्रीट से ढक दिया गया। अब पानी अपने पुराने रास्ते खोजता है, तो हम उसे 'आपदा' कह देते हैं।

हमारी नगर योजनाओं में वर्षों तक एक गंभीर भूल होती रही। शहरों को केवल आबादी बसाने की जगह समझा गया, जबकि पानी के प्रवाह का विज्ञान लगभग भुला दिया गया। सड़कें चौड़ी होती गईं, लेकिन नालियां संकरी होती चली गईं। तालाब और बावड़ियां लुप्त होती चली गईं। सीमेंट और डामर ने धरती की सांसें बंद कर दीं। पानी के जमीन में उतरने के रास्ते खत्म होते गए। परिणाम यह हुआ कि कुछ घंटों की बारिश पूरे शहर की गति रोक देती है।

यह भी सच है कि जलवायु परिवर्तन ने कई चुनौतियों को और कठिन बना दिया है। अब वर्षा का स्वरूप बदल गया है। पहले जो पानी कई दिनों में गिरता था, वह अब कुछ घंटों में गिर जाता है। ऐसे में पचास-साठ वर्ष पुराने मानकों पर बनी सीवर व्यवस्था ध्वस्त हो जाती है। नाले उफनने लगते हैं। सड़कें नदी बनने लगती हैं। ऐसे में व्यवस्था से अपेक्षा करना स्वयं को धोखा देना है।

इसी पृष्ठभूमि में केंद्र सरकार द्वारा अटल नवीकरण एवं शहरी परिवर्तन मिशन (अमृत 2.0), वर्षा जल संचयन, शहरी बाढ़ प्रबंधन और 'स्पंज सिटी' जैसी अवधारणाओं को आगे बढ़ाना एक सकारात्मक पहल है। यदि इन योजनाओं का ईमानदारी से क्रियान्वयन हुआ, तो भारतीय शहरों की तस्वीर बदल सकती है, लेकिन भारत का अनुभव यह भी कहता है कि किसी योजना की सफलता उसकी घोषणा में नहीं, उसके धरातल पर दिखाई देने वाले परिणामों में होती है।

'स्पंज सिटी' शब्द सुनने में आधुनिक लगता है, पर उसकी मूल अवधारणा भारतीय परंपरा से बहुत दूर नहीं है। हमारे गांवों में जोहड़ थे, बावड़ियां थीं, तालाब थे, खुले मैदान थे और खेतों की मेड़ें थीं। तब बरसात का पानी जमीन में समा जाता था। शहरों ने इन सबको विकास की राह में बाधा मान लिया। अब वही शहर करोड़ों रुपए खर्च करके कृत्रिम जलाशय और 'रेन गार्डन' बनाने की योजना बना रहे हैं। इसे विडंबना कहें या विकास की अधूरी समझ? समस्या केवल तकनीकी नहीं, प्रशासनिक भी है।

हर वर्ष मानसून आने से कुछ दिन पहले नालों की सफाई का अभियान शुरू होता है। कैमरों के सामने कचरा निकलता है, प्रेस विज्ञप्तियां जारी होती हैं। कुछ दिनों बाद पहली तेज बारिश सारी तैयारियों की पोल खोल देती है। यदि जल निकासी व्यवस्था बारह महीने की जिम्मेदारी न होकर केवल मानसून पूर्व औपचारिकता बनी रहेगी, तो स्थिति नहीं बदलेगी।

नगर निकायों की जवाबदेही तय किए बिना इस संकट का समाधान संभव नहीं है। किसी शहर में यदि हर वर्ष वही सड़कें डूबती हैं, वही अंडरपास जलमग्न होते हैं और वही इलाके जलभराव का शिकार होते हैं, तो इसे प्राकृतिक आपदा नहीं कहा जा सकता। यह प्रशासनिक विफलता है। दुर्भाग्य यह है कि हमारे यहां जिम्मेदारी तय करने की संस्कृति अभी भी कमजोर है। बारिश समाप्त होते ही फाइलें भी सूख जाती हैं और अगले मानसून तक सब कुछ भुला दिया जाता है।

समाज भी इस विफलता से पूरी तरह मुक्त नहीं है। नालियों में प्लास्टिक फेंकना, जल निकासी मार्गों पर अतिक्रमण करना, वर्षा जल संचयन की व्यवस्था न बनाना और सार्वजनिक स्थानों को कूड़ाघर में बदल देना भी जलभराव को आमंत्रित करता है। शहरों की देखरेख सरकार करती है, लेकिन नागरिकों की भी जिम्मेदारी बनती है। सबका अपना दायित्व है।

मुंबई, चेन्नई, बंगलुरु, कोलकाता और गुवाहाटी जैसे शहर वर्षों से इस मौसम में बाढ़ की मार झेल रहे हैं। राजस्थान जैसे अपेक्षाकृत कम वर्षा वाले प्रदेश में भी जयपुर, जोधपुर और कोटा में कुछ घंटों की बारिश के बाद सड़कों का डूब जाना बताता है कि समस्या केवल बारिश की मात्रा नहीं, बल्कि शहरी नियोजन की गुणवत्ता है। दूसरी ओर इंदौर, सूरत और कुछ अन्य शहरों ने यह संकेत भी दिया है कि यदि इच्छाशक्ति हो, तो सुधार असंभव नहीं है। यह कहना जल्दबाजी होगी कि 2030 तक भारत पूरी तरह जलभराव मुक्त हो जाएगा। इतना बड़ा दावा तभी विश्वसनीय होगा, जब शहरों के मास्टर प्लान में प्राकृतिक जल निकासी को प्राथमिकता मिले, अवैध अतिक्रमण हटें, प्रत्येक नए भवन में वर्षा जल संचय अनिवार्य रूप से लागू हो, नालों का वैज्ञानिक तरीके से पुनर्निर्माण हो और शहरी विकास का हर निर्णय जल विज्ञान को ध्यान में रख कर लिया जाए। केवल योजनाओं के नाम बदलने या नई समय-सीमा घोषित करने से शहर नहीं बदलते। दरअसल, जलभराव का संकट हमें

विकास की एक बड़ी भूल की याद दिलाता है। हमने शहरों को रहने योग्य बनाने के बजाय केवल फैलाने का प्रयास किया। भारत को यदि सचमुच विकसित राष्ट्र बनना है, तो उसे अपने शहरों को पानी से लड़ना नहीं, पानी के साथ जीना सिखाना होगा। यह प्रश्न केवल जलभराव का नहीं, शासन की प्राथमिकताओं और विकास की दिशा का है। जिस देश ने सदियों पहले तालाबों, बावड़ियों, जोहड़ों और जलमार्गों की ऐसी परंपरा विकसित की थी, वही आज बारिश की कुछ घंटों की मार से पंगु हो जाता है। यह विडंबना किसी प्राकृतिक अभिशाप की नहीं, बल्कि नियोजन की भूलों की कहानी है। शहरों को स्मार्ट बनाने की होड़ में उन्हें संवेदनशील बनाना हम भूल गए। विकास तब तक अधूरा रहेगा, जब तक वह प्रकृति के साथ संवाद करना नहीं सीखता। यदि अमृत 2.0, 'स्पंज सिटी' और वर्षा जल संचयन जैसी पहलें कागज से निकल कर ईमानदारी से जमीन पर उतरती हैं, तो आने वाले वर्षों में तस्वीर बदल सकती है, लेकिन यदि अतिक्रमण, लापरवाही और जवाबदेही का अभाव यों ही बना रहा, तो हर मानसून नई घोषणाएं करेगा और हर बरसात पुराने जख्म हरे करेगी।

संसद का मानसून सत्र : लोकतंत्र का महायुद्ध या राष्ट्रीय सहमति का महापर्व ?

विनोद कुमार सिंह
'तकियावाला', स्वतंत्र पत्रकार एवं स्तम्भकार

भारतीय लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्ति उसकी संसद है।संविधान निर्माताओं ने संसद को केवल कानून बनाने की संस्था नहीं, बल्कि राष्ट्रीय संवाद,जनाकांक्षाओं की अभिव्यक्ति और सरकार की जवाबदेही सुनिश्चित करने वाले सर्वोच्च लोकतांत्रिक मंच के रूप में स्थापित किया।संसद की गरिमा केवल सत्ता पक्ष के बहुमत से नहीं,बल्कि एक सशक्त,जागरूक और उत्तरदायी विपक्ष से भी निर्मित होती है।लोकतंत्र का सौंदर्य इसी संतुलन में निहित है।सरकार जनादेश का प्रतिनिधित्व करती है,जबकि विपक्ष जनमत की निगरानी करता है।दोनों की सक्रिय और रचनात्मक भूमिका ही संसदीय लोकतंत्र को जीवंत बनाती है।इसी लोकतांत्रिक परंपरा को सुदृढ़ बनाए रखने के उद्देश्य से प्रत्येक संसदीय सत्र से पूर्व केन्द्र सरकार सर्वदलीय बैठक आयोजित करती है।यद्यपि यह संविधान द्वारा अनिवार्य नहीं है, फिर भी दशकों से विकसित यह संसदीय परम्परा सरकार और विपक्ष के बीच संवाद का सबसे महत्त्वपूर्ण माध्यम रही है।इस बैठक में आगामी सत्र की कार्ययोजना,विधायी प्राथमिकताओं,जनहित से जुड़े मुद्दों तथा सदन को व्यवस्थित और सुचारु रूप से चलाने पर विचार-विमर्श किया जाता है। लोकतंत्र में संवाद की यह परम्परा ही राजनीतिक मतभेदों को संवैधानिक मर्यादाओं के भीतर बनाए रखने का आधार बनती है।20 जुलाई से प्रारम्भ हुए संसद के मानसून सत्र की शुरुआत इस बार सहमति के वातावरण में नहीं,बल्कि तीखे राजनीतिक मतभेदों के साथ हुई है।सत्र से पूर्व आयोजित सर्वदलीय बैठक में आम आदमी पार्टी,तृणमूल कांग्रेस तथा इंडिया गठबंधन के कई दलों ने उन सांसदों को आमंत्रित किए जाने पर आपत्ति जताई,जिन्होंने अपनी मूल राजनीतिक पार्टी से अलग होने की घोषणा की है अथवा जिनकी स्थिति दल-बदल विरोधी कानून के अंतर्गत अभी लोकसभा अध्यक्ष के समक्ष विचाराधीन है।विपक्ष ने इसे संसदीय मर्यादाओं के विपरीत बताते हुए बैठक का बहिष्कार किया। सरकार का पक्ष है कि निमंत्रण संसदीय अभिलेखों और उपलब्ध आधिकारिक स्थिति के आधार पर भेजे गए हैं तथा इसमें किसी प्रकार की प्रक्रिया का उल्लंघन नहीं हुआ है।यह विवाद केवल एक बैठक तक सीमित नहीं है।इसके पीछे भारतीय राजनीति में लगातार बढ़ता अविश्वास,दल -बदल की घटनाएँ, गठबंधनों का विघटन,राजनीतिक ध्रुवीकरण तथा लोकतांत्रिक संस्थाओं की निष्पक्षता को लेकर उठ रहे प्रश्न भी जुड़े हैं।विपक्ष का आरोप है कि सत्तारूढ़ दल विपक्ष को कमजोर करने की दीर्घकालिक राजनीतिक रणनीति पर कार्य कर रहा है।सरकार इन आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए कहती है कि लोकतंत्र में प्रत्येक निर्वाचित जनप्रतिनिधि को कानून के दायरे में राजनीतिक निर्णय लेने का अधिकार है तथा दल- बदल से जुड़े मामलों का अंतिम निर्णय संविधान की दसवीं अनुसूची के अनुसार संबंधित अध्यक्ष अथवा सभापति ही करते हैं।इस बार मानसून सत्र का महत्व इसलिए भी अधिक है क्योंकि सरकार अनेक महत्त्वपूर्ण विधेयकों को संसद में प्रस्तुत करने अथवा पारित कराने की तैयारी में है।संसद की उपलब्ध कार्यसूची और सरकारी संकेतों के अनुसार आयकर(संशोधन) विधेयक,सूक्ष्म,लघु एवं मध्यम उद्यम विकास(संशोधन)विधेयक, जन्म एवं मृत्यु पंजीकरण (संशोधन)विधेयक,सर्वोच्च न्यायालय में न्यायाधीशों की संख्या बढ़ाने संबंधी विधेयक,राष्ट्रीय सम्मान अपमान निवारण (संशोधन)विधेयक तथा विदेशी अंशदान (विनियमन)अधिनियम में संशोधन जैसे विषय सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल हैं। हालाँकि संसद की कार्यसूची गतिशील होती है और कार्यमंत्रणा समिति अथवा सरकार के निर्णय के अनुसार इसमें परिवर्तन,नए विधेयकों का समावेश अथवा प्राथमिकताओं का पुनर्निर्धारण भी संभव है।सरकार का दावा है कि इन विधेयकों का उद्देश्य प्रशासनिक सुधार,न्यायिक दक्षता,कर व्यवस्था का सरलीकरण,निवेश को प्रोत्साहन, सुशासन तथा पारदर्शिता को और अधिक सुदृढ़ करना है।सरकार का यह भी कहना है कि विकसित भारत की परिकल्पना को साकार करने के लिए विधायी सुधारों की गति बनाए रखना समय की आवश्यकता है।यही कारण है कि मानसून सत्र को सरकार अपने तीसरे कार्यकाल के सबसे महत्त्वपूर्ण विधायी सत्रों में से एक मान रही है।दूसरी ओर राजनीतिक विमर्श का सबसे संवेदनशील विषय संविधान संशोधन,परिसीमन तथा महिला आरक्षण का प्रभावी क्रियान्वयन बना हुआ है। नारी शक्ति वंदन अधिनियम संसद से पारित हो चुका है,किन्तु उसका वास्तविक क्रियान्वयन नई जनगणना और परिसीमन की प्रक्रिया पूर्ण होने के बाद ही संभव है।विपक्ष का आरोप है कि महिला आरक्षण को तत्काल लागू करने के बजाय भविष्य की प्रक्रिया से जोड़ दिया गया है। सरकार का कहना है कि संविधान के वर्तमान प्रावधानों के अंतर्गत परिसीमन के बिना आरक्षण लागू करना संभव नहीं है।स्पष्ट है कि यह विषय राजनीतिक बहस के साथ-साथ संवैधानिक व्याख्या का भी प्रश्न बन चुका है।परिसीमन आने वाले वर्षों की भारतीय राजनीति का सबसे महत्त्वपूर्ण संवैधानिक विषय बनता दिखाई दे रहा

घृणा, गरीबी और असमानता- क्या भारत का विकास हाशिये के आखिरी आदमी तक पहुंच पाया है

(संतोष पटेल)

मानव सभ्यता के इतिहास पर अगर हम निष्पक्ष दृष्टि डालें, तो यह स्पष्ट होता है कि प्राकृतिक आपदाओं, महामारियों या हिंसक वन्यजीवों ने मानवता को उतना नुकसान नहीं पहुंचाया है, जितना स्वयं मनुष्य ने मनुष्य को पहुंचाया है। पशु जगत में हिंसा का आधार प्रायः जैविक है - भूख या आत्मरक्षा।

मगर मनुष्य ही एकमात्र ऐसी प्रजाति है, जो बिना किसी स्पष्ट उकसावे के, विचारधारा, धर्म, जाति या वर्चस्व के नाम पर संगठित हिंसा को अंजाम देती है। घृणा और असहिष्णुता का यह विषाक्त वातावरण एक ऐसी पीढ़ी को जन्म देता है, जो विरासत में ही द्वेष की घुट्टी लेकर पैदा होती है।

जब हम घृणा, गरीबी और शोषण के अंतर्संबंधों पर बात करते हैं, तो प्रगतिशील कवि और गीतकार साहिर लुधियानवी की कालजयी पंक्तियां मानस पटल पर उभर आती हैं। उन्होंने अपनी नज्म 'चकलें' में उस कड़वे सच को उकेरा था, जो आज भी हमारे आधुनिक समाज के चेहरे पर एक तमाचा है—'संसार की हर एक बेशर्मी, गुरबत की गोद में पलती है/ चकले ही में आकर रुकती हैं, फाकों (भूख) में जो राहें निकलती हैं।'

'घृणा' एक ऐसा शक्तिशाली और विनाशकारी भाव है, जिसने मानव इतिहास के पृष्ठों को रक्त और राख से रंगा है। शेक्सपियर ने प्रेम और घृणा को व्यक्तित्व के दो ध्रुव बताया है। वास्तविकता यह है कि घृणा में जलने वाला व्यक्ति अपनी समस्त ऊर्जा उस व्यक्ति या व्यवस्था के प्रति समर्पित कर देता है, जिसे वह नापसंद करता है। यह एक ऐसी आत्मघाती प्रक्रिया है, जो पाने वाले का कम, लेकिन उसे पोषित करने वाले का सर्वस्व नष्ट कर देती है। तथागत बुद्ध ने 'धम्मपद' में इस शाश्वत सत्य को अत्यंत स्पष्टता से रेखांकित किया है—इस संसार में द्वेष कभी भी द्वेष से शांत नहीं होता, वह केवल अद्वेष, प्रेम और करुणा से ही शांत होता है।

> 'घृणा' एक ऐसा शक्तिशाली और विनाशकारी भाव है, जिसने मानव इतिहास के पृष्ठों को रक्त और राख से रंगा है। शेक्सपियर ने प्रेम और घृणा को व्यक्तित्व के दो ध्रुव बताया है। वास्तविकता यह है कि घृणा में जलने वाला व्यक्ति अपनी समस्त ऊर्जा उस व्यक्ति या व्यवस्था के प्रति समर्पित कर देता है, जिसे वह नापसंद करता है। यह एक ऐसी आत्मघाती प्रक्रिया है, जो पाने वाले का कम, लेकिन उसे पोषित करने वाले का सर्वस्व नष्ट कर देती है। तथागत बुद्ध ने 'धम्मपद' में इस शाश्वत सत्य को अत्यंत स्पष्टता से रेखांकित किया है—इस संसार में द्वेष कभी भी द्वेष से शांत नहीं होता, वह केवल अद्वेष, प्रेम और करुणा से ही शांत होता है।

दरअसल, अपराध और सामाजिक पतन का मूल कारण आमतौर पर व्यक्ति का जन्मजात चरित्र नहीं, बल्कि व्यवस्था द्वारा थोपी गई दरिद्रता, बेबसी और निरंतर अभाव होता है। जब एक समाज अपनी ही संतानों को भूख और हताशा के आगे घुटने टेकने पर मजबूर कर देता है, तो उस समाज में मानवीय मूल्यों का क्षरण होना स्वाभाविक है। साहिर का मार्मिक सवाल 'जिन्हें नाज है हिंद पर, वो कहां हैं' आज भी उन सत्ताधीशों, नीति-निर्माताओं और संभ्रांत वर्ग को झकझोरने के लिए पर्याप्त है, जो विकास की चकाचौंध और बड़े-बड़े आंकड़ों में तो चमकते हैं, लेकिन हाशिये पर खड़े उस अंतिम व्यक्ति की पीड़ा को देखने से कतराते हैं, जिसके श्रम से यह राष्ट्र खड़ा है।

अक्सर हम सामाजिक अपराधों और दंगों को केवल व्यक्तिगत नैतिक पतन या सांप्रदायिक कट्टरता के रूप में देखते हैं, जबकि इसका एक गहरा आर्थिक आधार भी है। शहरों में जिस प्रकार का विभाजन हुआ है, वह बढ़ती असमानता का जीवंत प्रमाण है। जब एक तरफ समृद्धि के उत्तुंग शिखर हों और दूसरी तरफ सुविधाओं से वंचित मलिन बस्तियां, तो वहां उपजे आक्रोश की पृष्ठभूमि को समझा जाना चाहिए। यह आक्रोश केवल गरीबी का परिणाम नहीं है, बल्कि संसाधनों के अनुचित वितरण, अवसर की असमानता और निरंतर शोषण का संचित परिणाम है।

गरीब वर्ग स्वभाव से कहीं अधिक सहिष्णु और कानून का पालन करने वाला होता है, लेकिन जब उसे यह अहसास होता है कि व्यवस्था, भ्रष्टाचार, अकर्मण्यता और पक्षपात के कारण उसके हकों को कुचला जा रहा है, तो उसके भीतर 'सापेक्षिक वंचना' का भाव जागृत होता है।

आज के भारत में एक साथ कई शताब्दियां जी रही हैं—कहीं बैलगाड़ी है, तो कहीं लेम्बोर्गिनी। उपभोक्तावादी संस्कृति ने अमीर और गरीब के बीच की गहरी खाई को और अधिक चौड़ा कर दिया है। अर्थव्यवस्था तेजी से बढ़ रही है, लेकिन यह विकास वंचित वर्गों के लिए समावेशी नहीं बन पाया है। जो लोग विकास की इस दौड़ में पीछे छूट गए हैं, उनका धैर्य अब जवाब दे रहा है।

यह नीति-निर्माताओं के लिए खतरे की घंटी है। यदि हम शहरी विकास के नाम पर केवल उन लोगों की सुविधा सुनिश्चित करेंगे, जो आर्थिक रूप से संपन्न हैं, तो हम उन लाखों-करोड़ों लोगों की उपेक्षा कर रहे हैं, जिनके श्रम और पसीने पर यह पूरी शहरी सभ्यता और उसके आराम का ढांचा टिका है।

आजादी के अमृतकाल में भी हम केवल 'मुफ्त की योजनाओं' और लोक-लुभावन वादों के सहारे समाज को सांत्वना दे रहे हैं। सच्चाई यह है कि ये कृत्रिम और तात्कालिक उपचार अब नाकाफी हैं। राष्ट्र की वास्तविक वृद्धि तब होगी, जब युवाओं को उनके परिश्रम का उचित प्रतिफल मिलेगा, तंत्र में संवेदनशीलता होगी और विकास की मुख्यधारा में हर हाथ को काम मिलेगा। यह न केवल सामाजिक न्याय का तकाजा है, बल्कि बढ़ते हुए मध्य वर्ग के लिए भी आत्म-संरक्षण का प्रश्न है। अगर मध्य वर्ग हाशिये के समाज को साथ लेकर नहीं चलता, तो सामाजिक विखंडन और अराजकता का खतरा बना रहेगा।

आज हमें ऐसे दूरदर्शी विचारकों और नेतृत्व की आवश्यकता है, जो एक ऐसे भारत की कल्पना कर सकें जो केवल सांख्यिकी में नहीं, बल्कि मानवीय गरिमा में उन्नत हो। घृणा का उन्मूलन केवल उपदेशों या कठोर कानूनों से नहीं, बल्कि समानता और न्यायपूर्ण वितरण से होगा। जब एक मजदूर का बेटा यह महसूस करेगा कि राष्ट्र उसके सपने का भी उतना ही सम्मान करता है, जितना कि किसी बड़े कॉरपोरेट जगत के नायक का, तभी 'भारत' का विचार पूर्ण होगा।

समय आ गया है कि हम 'दलों' और 'दस्तावेजों' की राजनीति से ऊपर उठकर एक ऐसे समावेशी भारत का निर्माण करें, जहां किसी भी नागरिक को घृणा, भूख या अभाव की गोद में न पलना पड़े। सच्चा राष्ट्रवाद वही है, जो अपने सबसे कमजोर व्यक्ति के चेहरे पर मुस्कान ला सके।

उत्तराखंड में उच्च शिक्षा का नया रोडमैप, शोध- नवाचार और गांवों से जुड़ेगा विश्वविद्यालयों का सफर

देहरादून, एजेंसी। उत्तराखंड में उच्च शिक्षा को केवल डिग्री तक सीमित रखने के बजाय उसे समाज, शोध और रोजगार से जोड़ने की दिशा में नई पहल शुरू होने जा रही है. राज्य के राजकीय और निजी विश्वविद्यालय अब आपसी समन्वय के साथ शोध एवं नवाचार के क्षेत्र में काम करेंगे. इसके साथ ही विकसित भारत-2047 के विजन को ध्यान में रखते हुए विभिन्न विषयों पर सेमिनार आयोजित किए जाएंगे, जबकि सामाजिक दायित्व निभाने के लिए प्रत्येक विश्वविद्यालय पांच-पांच गांवों को गोद लेकर उनके समग्र विकास में भागीदारी करेगा. इन निर्णयों को प्रदेश में उच्च शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ाने और विश्वविद्यालयों की सामाजिक भूमिका को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है. विधानसभा स्थित सभागार में आयोजित निजी विश्वविद्यालयों की बैठक में राज्य के उच्च शिक्षा तंत्र को अधिक प्रभावी और समन्वित बनाने पर विस्तार से चर्चा हुई. बैठक में इस बात पर सहमति बनी कि सरकारी और निजी विश्वविद्यालय अलग-अलग काम करने के बजाय शोध परियोजनाओं, नवाचार और अकादमिक गतिविधियों में एक-दूसरे के साथ सहयोग करेंगे. इससे संसाधनों का बेहतर उपयोग होगा और शोध कार्यों की गुणवत्ता में भी सुधार आने की उम्मीद है. साथ ही विद्यार्थियों और शोधार्थियों को भी व्यापक अवसर उपलब्ध हो सकेंगे.बैठक में विकसित भारत-2047 की थीम को भी विशेष महत्व दिया गया. तय किया गया कि सभी विश्वविद्यालय अलग-अलग विषयों का चयन कर वर्ष में दो-दो सेमिनार आयोजित करेंगे. इन कार्यक्रमों में केवल छात्र-छात्राएं ही नहीं बल्कि विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञ, पद्म सम्मान प्राप्त व्यक्तित्व, शिक्षाविद, नीति निर्धारक और अन्य प्रतिष्ठित लोग भी अपने विचार साझा करेंगे. इसका उद्देश्य युवाओं को देश के विकास के दीर्घकालिक लक्ष्यों से जोड़ना और उन्हें नीति, नवाचार तथा सामाजिक बदलाव के प्रति जागरूक बनाना है.खेल और संस्कृति को भी उच्च शिक्षा का महत्वपूर्ण हिस्सा बनाने पर जोर दिया गया. निजी विश्वविद्यालयों को खेल एवं सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं के आयोजन के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा, ताकि प्रदेश के युवाओं को अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिल सके. इसके साथ ही उत्तराखंड की लोक संस्कृति, परंपराओं और सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण को बढ़ावा देने का भी प्रयास होगा. माना जा रहा है कि इस तरह के आयोजन विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे.बैठक में सामाजिक उत्तरदायित्व को लेकर भी कई अहम निर्णय लिए गए. हर विश्वविद्यालय अपने आसपास के पांच गांवों को गोद लेकर उन्हें आदर्श गांव के रूप में विकसित करने में सहयोग करेगा. इन गांवों में स्वच्छता अभियान, नशा मुक्ति कार्यक्रम, जनजागरूकता, शिक्षा और अन्य सामाजिक गतिविधियों में विश्वविद्यालयों की सक्रिय भागीदारी रहेगी. इसके अलावा प्रत्येक विश्वविद्यालय एक आंगनबाड़ी केंद्र या राजकीय प्राथमिक विद्यालय को भी गोद लेगा और वहां मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने में सहयोग करेगा. इससे उच्च शिक्षा संस्थानों का समाज से सीधा जुड़ाव बढ़ेगा और विद्यार्थियों को भी सामाजिक सेवा का व्यावहारिक अनुभव मिलेगा.शिक्षा की गुणवत्ता और रोजगारपरकता पर भी विशेष फोकस रखा गया. विश्वविद्यालयों में ऐसे पाठ्यक्रमों को बढ़ावा देने पर सहमति बनी जो बदलती जरूरतों के अनुरूप युवाओं को रोजगार और स्वरोजगार के लिए तैयार कर सकें. साथ ही राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के प्रावधानों के अनुसार स्थानीय भाषा, संस्कृति, लोक परंपराओं और उत्तराखंड की समृद्ध धरोहर को पाठ्यक्रम का हिस्सा बनाने पर भी जोर दिया गया. इससे विद्यार्थियों का अपने क्षेत्र की सांस्कृतिक पहचान से जुड़ाव मजबूत होगा.बैठक में निजी विश्वविद्यालयों के सामने आने वाली प्रशासनिक समस्याओं के समाधान के लिए भी नई व्यवस्था बनाने का प्रस्ताव रखा गया. इसके तहत शासन स्तर पर एक ऑनलाइन पोर्टल विकसित किया जाएगा, जहां निजी विश्वविद्यालय अपनी समस्याएं, सुझाव और आवश्यक प्रस्ताव सीधे दर्ज कर सकेंगे. इससे छोटी-छोटी प्रशासनिक प्रक्रियाओं के लिए बार-बार सरकारी कार्यालयों के चक्कर लगाने की जरूरत कम होगी और समस्याओं के समाधान की प्रक्रिया अधिक पारदर्शी एवं तेज हो सकेगी.

कांग्रेस छात्रों के कंधों पर बंदूक रखकर उत्तराखंड में विधानसभा चुनावों पर निशाना लगाना चाहती: भट्ट

देहरादून, एजेंसी। भाजपा ने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के छात्रों से संवाद कार्यक्रम को पूर्व नियोजित स्क्रिप्ट और छात्रों का कीमती समय खराब करने वाला ड्रामा बताया है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट ने कहा कि राहुल गांधी ने ऐसा कुछ भी नया नहीं कहा, जिससे लगा वो बीस दिन के अपने विदेश दौरे में नया सीख कर आएं हों। उन्होंने छात्रों की गूंज कार्यक्रम को कांग्रेसी राजनीति का फ्लॉप शो करारा देते हुए कहा कि कांग्रेस छात्रों के कंधों पर बंदूक रखकर उत्तराखंड में विधानसभा चुनावों पर निशाना लगाना चाहती है। उन्होंने कहा कि आज का उनका कार्यक्रम, छात्रों से संवाद का नहीं, बल्कि राज्य में अपना जनाधार खो चुकी कांग्रेस और राहुल गांधी को स्थापित करने की एक हताश कोशिश भर है। पूर्वनियोजित सवाल और उन्हें पूछने वालों को जवाब भी पहले की तरह जवाब भी रटा रटाया मिल है। जिसमें नीट परीक्षा को लेकर वही झूठ, भ्रम और अफवाह फैलाने की कोशिश की, जिसे वो बार बार दोहराते रहते हैं। प्रदेश अध्यक्ष भट्ट ने कहा कि 21 जून को नीट परीक्षा पारदर्शी और व्यवस्थित तरीके से हुई और राहुल विदेश चले गए। जब लौटे तब तक परीक्षा का परिणाम भी आज आ गया और 11 लाख से अधिक छात्रों को सफलता हासिल हुई है। लेकिन लगता है छुट्टी के इन 20 दिनों में राहुल के हाथ कुछ भी महत्वपूर्ण और नकारात्मक जानकारी नहीं लगी। यही वजह है कि परीक्षा प्रणाली और भर्ती प्रक्रिया को लेकर देहरादून में पुनः झूठ और अफवाह फैलाने का काम किया। लेकिन देवभूमि के छात्र एवं युवा बहुत समझदार एवं जागरूक हैं। कहा कि राहुल गांधी उत्तराखंड में युवाओं के कल्याण के लिए नहीं, बल्कि चुनाव की आहट सुनकर यहां आए हैं।

राहुल गांधी के कार्यक्रम को स्क्रिप्टेड बताने पर कांग्रेस का पलटवार, कहा-भाजपा खो चुकी संवेदनाएं

देहरादून, एजेंसी। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के देहरादून दौरे पर राज्य में सियासत तेज है. राहुल गांधी के कार्यक्रम को स्क्रिप्टेड बताए जाने पर कांग्रेस पार्टी ने भाजपा पर तीखा प्रहार किया है. भाजपा प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट के बयान पर कांग्रेस प्रवक्ता गरिमा दसौनी ने मोर्चा संभाला और इस बयान की कड़ी निंदा की है. उन्होंने कहा कि यह बयान केवल राजनीतिक नहीं बल्कि असंवेदनशील भी है.

कांग्रेस प्रवक्ता गरिमा दसौनी का कहना है कि महेंद्र भट्ट कभी उस पिता की भावनाओं को नहीं समझ सकते जिसने अपनी होनहार बेटी को खो दिया है. उन्होंने कहा कि राहुल गांधी के मंच पर स्वर्गीय रिया कुमारी थापा के पिता राजेश मल भी मौजूद रहे. उन्होंने भारी मन से अपनी बेटी के सपनों उसकी मेहनत को मंच से बयां किया. उन्होंने राहुल गांधी से अपनी दिवंगत बेटी समेत उन तमाम छात्रों के लिए न्याय की गुहार लगाई, जिन्होंने कथित नीट पेपर लीक प्रकरण के बाद निराशा में अपनी जान गंवा दी. इस दौरान वह मंच से बहुत भावुक भी हुए, किंतु भाजपा नेताओं का दिल नहीं पसीजा. गरिमा दसौनी का कहना है कि जिस दल के नेता एक व्याकुल पिता के आंसुओं को भी स्क्रिप्टेड बता रहे हैं, उनसे संवेदनशीलता की कोई भी आशा नहीं की जा सकती है. भारतीय जनता पार्टी ने उन मासूम बच्चों को श्रद्धांजलि अर्पित करना तो दूर उनके दर्द का भी मजाक उड़ाने का काम किया है. कांग्रेस पार्टी ने आरोप लगाए कि भाजपा ने राहुल गांधी के कार्यक्रम को रोकने के लिए हर हथकंडे अपनाए, उसके बावजूद राहुल गांधी का कार्यक्रम सफल रहा.

गरिमा दसौनी का कहना है कि परेड ग्राउंड में सरकार ने कानून व्यवस्था का हवाला दिया, लेकिन इसी परेड ग्राउंड में पंजाबी गायिका का कार्यक्रम आयोजित कराया गया.

सीएम का बड़ा फैसला: देहरादून-ऋषिकेश फोरलेन के लिए पेड़ कटान पर रोक, कहा- सहमति बनने तक नहीं होगा काम

देहरादून, एजेंसी। सीएम ने देहरादून-ऋषिकेश हाईवे परियोजना को लेकर जनता, पर्यावरण प्रेमियों और स्थानीय लोगों की चिंताओं को गंभीरता से लिया है। सीएम ने निर्देश दिए हैं और स्पष्ट किया है कि जब तक सर्वसम्मति नहीं बनती, तब तक पेड़ों का कटान स्थगित रहेगा। देहरादून-ऋषिकेश फोर/सिक्स लेन परियोजना को लेकर पिछले कुछ दिनों से अनेक नागरिकों, पर्यावरण प्रेमियों एवं स्थानीय लोगों द्वारा व्यक्त की जा रही चिंताओं और सुझावों का मैंने गंभीरता से संज्ञान लिया है। यह परियोजना भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण की एक महत्वपूर्ण अवसंरचना परियोजना है, जिस पर माननीय उच्च न्यायालय के निर्देशों तथा सभी आवश्यक वैधानिक एवं पर्यावरणीय स्वीकृतियों एवं प्रक्रियाओं का पालन करते हुए कार्यवाही की जा रही थी। परियोजना में वन्यजीव संरक्षण को ध्यान में रखते हुए लगभग 3.5 किलोमीटर लंबे हाथी अंडरपास तथा छोटे वन्यजीवों के आवागमन के लिए विशेष कल्वर्ट जैसी व्यवस्थाओं का भी प्रावधान किया गया है, जिससे मानव-वन्यजीव संघर्ष एवं सड़क दुर्घटनाओं में वन्यजीवों की मृत्यु की घटनाओं में कमी लाने में सहायता मिलेगी, जो अक्सर इस रास्ते में देखा जाता है। विकास हमारे लिए आवश्यक है, लेकिन जनभावनाओं, पर्यावरण और स्थानीय हितों की अनदेखी कर कोई निर्णय नहीं लिया जाएगा। इसी उद्देश्य से प्रमुख सचिव एवं संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि सभी हितधारकों, स्थानीय नागरिकों, जनप्रतिनिधियों एवं विशेषज्ञों से पुनः विस्तृत संवाद स्थापित किया जाए। सीएम ने कहा उच्च न्यायालय के निर्देशों एवं निर्णय का पूर्ण सम्मान करते हुए आगे की कार्यवाही की जाएगी। साथ ही, जब तक सभी पक्षों के साथ संतोषजनक सहमति एवं विश्वास का वातावरण नहीं बन जाता, तब तक इस परियोजना के अंतर्गत आने वाले पेड़ों का कटान स्थगित रखा जाएगा।

डॉक्टरों ने किया किशोर के गलत गुर्दे का ऑपरेशन, मौत के बाद 5 चिकित्सकों और संचालक पर मुकदमा दर्ज

देहरादून, एजेंसी। सहारनपुर के किशोर का देहरादून में सड़क हादसे में घायल होने के बाद इलाज में डॉक्टरों की लापरवाही सामने आई है. हादसे में किशोर के दाहिने हाथ और गुर्दे में चोट लगी थी और डॉक्टरों ने बाए गुर्दे का ऑपरेशन कर दिया. इस लापरवाही के कारण किशोर की मौत हो गई. पीड़ित ने इसकी शिकायत पुलिस से की, लेकिन चार साल में कोई कार्रवाई नहीं हुई तो अब कोर्ट के आदेश पर थाना नेहरू कॉलोनी में पांच डॉक्टरों समेत अस्पताल संचालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया. जानकारी के अनुसार उत्तर प्रदेश के सहारनपुर निवासी मैनपाल ने अधिवक्ता शिवा वर्मा के माध्यम से कोर्ट में प्रार्थनापत्र दिया, जिसमें पीड़ित ने बताया है कि उनका 15 वर्षीय बेटा 3 जुलाई 2022 को सड़क हादसे में घायल हो गया था.किशोर के दायें हाथ और गुर्दे पर चोट आई. उसे रिस्पना पुल स्थित एक अस्पताल में भर्ती कराया गया. यहां डॉक्टरों ने उसे भर्ती कर लिया, लेकिन कई घंटों तक ऑपरेशन नहीं किया. डॉक्टरों से ऑपरेशन न करने की वजह जानी तो उसने कहा कि ऑपरेशन के लिए डॉक्टर बाहर से बुलाए गए हैं. 4 जुलाई की रात को डाक्टरों ने किशोर के दाएं हाथ का ऑपरेशन किया, जबकि अधिक खतरा गुर्दे की चोट से था. जिसके बाद 5 जुलाई को किशोर के दाएं गुर्दे की जगह बाएं का ऑपरेशन कर दिया. तबीयत खराब होने लगी तो उन्होंने डॉक्टर से डिस्चार्ज करने को कहा, लेकिन उसने डिस्चार्ज करने से इन्कार कर दिया.

दारोगा पर बुजुर्ग फल विक्रेता से मारपीट का आरोप, तिब्बती मार्केट का मामला, जांच में जुटी पुलिस

देहरादून, एजेंसी। तिब्बती मार्केट क्षेत्र में ट्रैफिक ड्यूटी पर तैनात एक दारोगा का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद मामला चर्चाओं में आ गया है. वायरल वीडियो में दारोगा को स्थानीय लोगों के विरोध का सामना करते हुए देखा जा सकता है. भीड़ का आरोप है कि दारोगा ने सड़क किनारे फल बेच रहे एक बुजुर्ग रेहड़ी संचालक को रेहड़ी हटाने के दौरान थप्पड़ मार दिया. जिसके बाद मौके पर मौजूद लोगों ने विरोध शुरू कर दिया. हालांकि वायरल वीडियो में कथित मारपीट की घटना दिखाई नहीं देती, लेकिन वीडियो में मौजूद लोग लगातार बुजुर्ग के साथ मारपीट का आरोप लगाते सुनाई दे रहे हैं.

तिब्बती मार्केट में ट्रैफिक कार्रवाई के दौरान हुआ विवाद: जानकारी के अनुसार घटना शनिवार शाम करीब छह बजे की बताई जा रही है. तिब्बती मार्केट के पास सड़क किनारे एक बुजुर्ग फल विक्रेता रेहड़ी लगाकर फल बेच रहा था. इसी दौरान ट्रैफिक व्यवस्था संभाल रहे दारोगा योगेंद्र वहां पहुंचे. उनका रेहड़ी हटाने को लेकर विवाद शुरू हो गया.

वीडियो में दारोगा और युवक के बीच तीखी बहस: वायरल वीडियो में एक युवक पूरी घटना अपने मोबाइल फोन से रिकॉर्ड करता दिखाई देता है. वीडियो में युवक दारोगा से कहता है कि यदि रेहड़ी अवैध रूप से खड़ी है तो नियमानुसार चालान किया जाए. मारपीट नहीं की जानी चाहिए. इसी दौरान दोनों के बीच तीखी बहस होने लगती है. वीडियो में युवक खुद को हाईकोर्ट का वकील बताते हुए दारोगा के खिलाफ अदालत जाने की बात भी कहता है. जिस पर बहस और बढ़ जाती है.

भीड़ ने लगाए वसूली और मारपीट के आरोप: वीडियो में युवक दारोगा से पैसे लेने का भी सवाल करता है. वीडियो में दारोगा कथित तौर पर पैसे लेने की बात स्वीकार करता हुआ सुनाई देता है. इसी बीच बड़ी संख्या में लोग मौके पर एकत्र हो जाते हैं. दारोगा का विरोध शुरू कर देते हैं. भीड़ लगातार बुजुर्ग के साथ मारपीट और जबरन वसूली के आरोप लगाती नजर आती है. वीडियो में दारोगा वायरलेस सेट पर अतिरिक्त पुलिस बल बुलाने और रेहड़ी हटाने की बात करते हुए भी दिखाई देता है.

मारपीट का दृश्य वीडियो में नहीं: हालांकि, वायरल वीडियो में कथित थप्पड़ मारने या मारपीट का कोई स्पष्ट दृश्य दिखाई नहीं देता. वीडियो में केवल मौके पर मौजूद लोगों द्वारा लगाए जा रहे आरोप और दारोगा और रिकॉर्डिंग कर रहे युवक के बीच की बहस दिखाई देती है. आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि फिलहाल नहीं हो सकी है. एसएसपी प्रमेन्द्र डोबाल ने कहा वायरल वीडियो उनके संज्ञान में आया है. मामले की जांच के आदेश दे दिए गए हैं. उन्होंने कहा जांच में यदि लगाए गए आरोप सही पाए जाते हैं तो संबंधित पुलिसकर्मी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी. मामले में सीओ ट्रैफिक जगदीश पंत ने बताया तिब्बती मार्केट के आस पास के क्षेत्र को नगर निगम देहरादून ने नो वेडिंग जोन घोषित किया है. जिसमें किसी भी प्रकार की रेहड़ी/ ठेली लगाना पूर्ण रूप से वर्जित है. पुलिस द्वारा समय-समय पर अभियान चलाकर उक्त स्थान से यातायात व्यवस्था को बाधित करने वाली रेहड़ी/ठेलियों को हटवाती है. कल पुलिस द्वारा चलाये गये अभियान के दौरान का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है. जिसमें कुछ लोगों द्वारा पुलिस कार्यवाही के दौरान ड्यूटी पर नियुक्त उप निरीक्षक से बहस की जा रही है. उक्त वायरल वीडियो का संज्ञान लेते हुए एसएसपी देहरादून के आदेशानुसार वायरल वीडियो/सम्पूर्ण प्रकरण की जांच की जा रही है.

संक्षिप्त समाचार

शिक्षकों ने अधिवेशन में लंबित मांगें उठाईं

देहरादून, एजेंसी। राजकीय शिक्षक संघ के प्रांतीय अधिवेशन में शिक्षकों ने लंबित मांगों को प्रमुखता से उठाया। अधिवेशन में घटती छात्र संख्या रोकने और शिक्षा उन्नयन को लेकर भी आवश्यक कदम उठाने पर जोर दिया गया। जीआईसी सौड़ा सरोली में आयोजित दो दिवसीय अधिवेशन का शुभारंभ माध्यमिक शिक्षा निदेशक विनोद प्रसाद सिमल्टी ने किया। अधिवेशन में शिक्षकों ने पदोन्नति किए जाने के साथ ही वेतन विसंगति को दूर करने की मांग की। निर्वमान प्रांतीय महामंत्री रमेश पैन्यूली ने कहा, विभाग में शिक्षकों की पदोन्नति पिछले कई वर्षों से लटकी है। यही वजह है कि कई शिक्षक विभाग में वर्षों की सेवा के बाद एक ही पद से सेवानिवृत्त हो रहे हैं। अधिवेशन में स्कूलों में घटती छात्र संख्या को रोकने के लिए शिक्षकों से सुझाव लिए गए। कुछ शिक्षकों ने कहा, उन्हें शिक्षण के अलावा अन्य कार्यों से दूर रखा जाए। स्थिति यह है कि शिक्षकों को बहुउद्देशीय कर्मी समझते हुए उन्हें कई कार्यों में लगाया जा रहा है। इससे शिक्षा की गुणवत्ता प्रभावित हो रही है। शिक्षा निदेशक ने शिक्षकों की समस्याओं के निपटारे का आश्वासन दिया। वहीं, मुख्य शिक्षा अधिकारी देहरादून गोविंद राम जयसवाल ने कहा, शिक्षकों के सभी लंबित प्रकरणों को प्राथमिकता से निपटाया जाएगा। उन्होंने आश्वासन दिया कि किसी भी शिक्षक को अपने प्रकरण के लिए कार्यालय आने की आवश्यकता नहीं होगी। राजकीय शिक्षक संघ के प्रांतीय अध्यक्ष राम सिंह चौहान ने प्रांतीय कार्यकारिणी को भंग करने की घोषणा की। अधिवेशन में का संचालन राजकीय शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष सुभाष झल्डियाल और जिला मंत्री अर्जुन पंवार ने किया। अधिवेशन में प्रधानाचार्य रामबाबू विमल, प्रदीप बहुगुणा, कुशलानन्द भट्ट, महेंद्र सिंह गुसाई आदि मौजूद रहे।

शिक्षा मंत्री ने अधूरे निर्माण पूरे करने के दिए निर्देश

देहरादून, एजेंसी। शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने समग्र शिक्षा परियोजना के तहत चल रहे निर्माण कार्यों में अनावश्यक देरी पर कड़ी चेतावनी दी है। उन्होंने कहा, समय पर कार्य पूरे न होने पर कार्यदायी संस्थाओं के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। मंत्री ने अधूरे 625 निर्माण कार्यों को शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिए। रावत ने शिक्षा महानिदेशालय में समग्र शिक्षा की बैठक में वित्त वर्ष 2018-19 से 2025-26 तक स्वीकृत सभी निर्माण कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने विभागीय अधिकारियों और कार्यदायी संस्थाओं को स्पष्ट निर्देश दिए कि समय पर कार्य पूर्ण न करने या गुणवत्ता में लापरवाही बरतने पर सख्त कार्रवाई होगी। ऐसे में कार्यदायी संस्थाओं से निर्माण कार्य वापस ले लिए जाएंगे। वित्त वर्ष 2024-25 और 2025-26 में प्राथमिक व माध्यमिक शिक्षा के लिए 1367 निर्माण कार्य स्वीकृत हुए थे। इनमें से 625 कार्य अभी भी अधूरे हैं। मंत्री ने इन कार्यों को जल्द पूरा कराने के लिए मुख्य शिक्षा अधिकारियों की जिम्मेदारी तय की। उन्होंने हर सप्ताह महानिदेशालय को रिपोर्ट उपलब्ध कराने के निर्देश भी दिए। रावत ने 120 निर्माण कार्यों के शुरू न होने पर नाराजगी जताई।

गुणवत्तापूर्ण अल्पसंख्यक शिक्षा के लिए संस्थानों से बनाएं समन्वय: राज्यपाल

देहरादून, एजेंसी। राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (सेनि) से शुक्रवार को लोक भवन में उत्तराखंड राज्य अल्पसंख्यक शिक्षा प्राधिकरण के अध्यक्ष डॉ. सुरजीत सिंह गांधी एवं प्राधिकरण के सदस्यों ने शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान डॉ. गांधी ने राज्य में अल्पसंख्यक शिक्षा के क्षेत्र में प्राधिकरण द्वारा संचालित विभिन्न गतिविधियों तथा किए जा रहे प्रयासों की जानकारी राज्यपाल को दी। उन्होंने शिक्षा के प्रसार, संस्थागत सुदृढ़ीकरण एवं विद्यार्थियों के विकास के लिए किए जा रहे प्रयासों के बारे में बताया। राज्यपाल ने प्राधिकरण के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि शिक्षा सामाजिक समावेशन और सशक्तीकरण का महत्वपूर्ण आधार है। उन्होंने गुणवत्तापूर्ण एवं सुलभ शिक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए सभी संबंधित संस्थाओं के समन्वित प्रयासों की आवश्यकता पर बल दिया। राज्यपाल ने आशा व्यक्त की कि उत्तराखंड राज्य अल्पसंख्यक शिक्षा प्राधिकरण राज्य में शिक्षा के क्षेत्र में सकारात्मक योगदान देता रहेगा। समाज के विभिन्न वर्गों तक शिक्षा के अवसरों को और अधिक सुलभ बनाने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। इस अवसर पर प्राधिकरण के सदस्य प्रो.(डॉ.) राकेश कुमार जैन, डॉ. सय्यद अली हमीद, प्रो. प्रेमा तेंजिन, प्रो. गुरमीत सिंह, डॉ. अल्बा मंड्रेले, चन्द्र शेखर भट्ट, राजेन्द्र बिष्ट एवं विशेष सचिव पराग मधुकर धकाते उपस्थित रहे।

127 इन्फैंट्री बटालियन और आईटीबीपी ने किया पौधरोपण

देहरादून, एजेंसी। हरेला पर 127 इन्फैंट्री बटालियन (टेरिटोरियल आर्मी) इकोलॉजिकल, गढ़वाल राइफल्स और आईटीबीपी ने संयुक्त पौधरोपण कार्यक्रम आयोजित किया। इस पहल में दोनों बलों के अधिकारियों, जवानों और उनके परिवारों ने भाग लिया। उन्होंने स्थानीय प्रजातियों के पौधे रोपे। सभी प्रतिभागियों ने अधिक पौधरोपण और प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण का संकल्प लिया। उन्होंने पर्यावरण संरक्षण को आने वाली पीढ़ियों की साझा जिम्मेदारी बताया। यह संयुक्त पहल सशस्त्र बलों और नागरिक समाज के बीच समन्वय दर्शाती है। 127 इन्फैंट्री बटालियन (टीए) इकोलॉजिकल, गढ़वाल राइफल्स इस अभियान का संचालन कर रही है।

झड़ीपानी में रेलवे के नोटिस पर लोगों ने किया हंगामा

देहरादून, एजेंसी। उत्तर रेलवे ने सार्वजनिक परिसर पर कथित अनाधिकृत कब्जे को लेकर कार्रवाई शुरू कर दी है। रेलवे के न्यायालय सम्पदा अधिकारी (प्रथम) उत्तर रेलवे मुरादाबाद की ओर से स्थानीय लोगों को सार्वजनिक परिसर (अनाधिकृत कब्जाधारियों की बेदखली) अधिनियम में कारण बताओ नोटिस जारी कर दिए हैं। उत्तर रेलवे के संपदा अधिकारी की ओर से जारी नोटिस में कहा गया कि कुछ लोग रेलवे के सार्वजनिक परिसर में अनाधिकृत रूप से रह रहे हैं या कब्जा किए हुए हैं। इस संबंध में सात दिन के भीतर लिखित जवाब प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं। सम्पदा अधिकारी कार्यालय की ओर से संबंधित व्यक्ति को सुनवाई और जवाब दाखिल करने के लिए संपर्क कैम्प कार्यालय, उत्तर रेलवे मुरादाबाद में उपस्थित होने को कहा गया है। वहीं रेलवे के अधिकारी जब नोटिस लेकर झड़ीपानी पहुंचे तो स्थानीय लोगों ने उनका विरोध शुरू कर दिया। उन्होंने रेलवे पर उत्पीड़न का आरोप लगाया। स्थानीय निवासी सतीश कुमार ने बताया कि रेलवे हर बार झड़ीपानी जमीन पर अपना दावा करता है। रेलवे के पास इस संबंध में कोई दस्तावेज नहीं हैं। रेलवे की इस कार्रवाई से लोग परेशान हैं। भूमिधरों के पक्षकार अजय गोयल ने कहा कि 16 जून को हाईकोर्ट के निर्देश पर भूमि का सीमांकन किया गया था। 8 जुलाई को संयुक्त कमेटी ने सीमांकन कर पिलर लगाए थे। गुरुवार को रेलवे के अधिकारियों ने पिलर हटाकर हस्तक्षेप किया है।

संक्षिप्त समाचार

ड्यूटी से लौट रही नर्स की सड़क हादसे में मौत

गोरखपुर, एजेंसी। बेलीपार थाना क्षेत्र के भौवापार निवासी 22 वर्षीय नर्स प्रेरणा गौड़ की बृहस्पतिवार रात सड़क हादसे में मौत हो गई। गोरखपुर के एक निजी अस्पताल से ड्यूटी कर घर लौटते समय अमरूद मंडी के पास अज्ञात वाहन ने उनकी स्कूटी में पीछे से टक्कर मार दी। घायलावस्था में उन्हें जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान मौत हो गई। पराग गौड़ की बेटी प्रेरणा बृहस्पतिवार रात करीब आठ बजे अस्पताल से ड्यूटी कर घर लौट रही थीं तभी यह घटना हुई। घटना के बाद चालक वाहन लेकर भाग गया। स्थानीय लोगों की मदद से घायल को जिला अस्पताल पहुंचाया गया लेकिन बचाया नहीं जा सका। प्रेरणा पांच भाई-बहनों में सबसे बड़ी थीं। उनके पिता पराग गौड़ बंगलूरू में पेंट-पॉलिश का काम करते हैं। वह इन दिनों घर आए हुए हैं। प्रेरणा पिछले तीन वर्षों से एक निजी अस्पताल में नर्स के रूप में कार्यरत थीं। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया है।

जयंती पर कैलाश प्रकाश को दी श्रद्धांजलि

मेरठ, एजेंसी। चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय के इतिहास विभाग में शुक्रवार को विश्वविद्यालय के संस्थापक स्वर्गीय कैलाश प्रकाश की जयंती मनाई गई। इसमें उन्हें श्रद्धांजलि दी गई। इस दौरान शिक्षा, समाज, चिकित्सा सहित अन्य क्षेत्रों में उनके योगदान को याद किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता इतिहास विभागाध्यक्ष प्रो. कृष्णकांत शर्मा ने की। उन्होंने कहा कि कैलाश प्रकाश ने अपना संपूर्ण जीवन समाज और शिक्षा के उत्थान के लिए समर्पित कर दिया। उन्होंने कहा कि चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय की स्थापना में भी स्व. कैलाश प्रकाश का योगदान अमूल्य है। उनके दूरदर्शी नेतृत्व और अथक प्रयासों के कारण मेरठ को उच्च शिक्षा का प्रमुख केंद्र बनने का गौरव प्राप्त हुआ। आराधना ने कैलाश प्रकाश के जीवन को युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत बताया। प्रो. एवी कौर ने कहा कि ऐसे महान व्यक्तित्वों के आदर्श समाज को नई दिशा प्रदान करते हैं। वहीं प्रो. विग्नेश कुमार ने कहा कि कैलाश प्रकाश ने शिक्षा, सामाजिक विकास और खेलों के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देकर मेरठ सहित पूरे पश्चिमी उत्तर प्रदेश को नई पहचान दिलाई। उनका जीवन त्याग, सेवा और समर्पण का उत्कृष्ट उदाहरण है।

मुस्तफिजुल के भागे साथी की तलाश में जुटी एसटीएफ

गोरखपुर, एजेंसी। एक लाख रुपये के इनामी बदमाश मुस्तफिजुल रहमान उर्फ बाबू के पुलिस मुठभेड़ में मारे जाने के बाद अब एसटीएफ की जांच उसके भागे साथी की तलाश पर केंद्रित हो गई है। रामनगर-कड़जहां फोरलेन पर हुई मुठभेड़ के दौरान अंधेरे का फायदा उठाकर भाग निकले बदमाश की पहचान और तलाश के लिए एसटीएफ तकनीकी साक्ष्यों का सहारा ले रही है। एसटीएफ की टीमें सीसीटीवी कैमरा फुटेज, सर्विलांस और मोबाइल नेटवर्क की मदद से भागे बदमाश तक पहुंचने की कोशिश कर रही हैं। जांच एजेंसियां यह भी पता लगाने में जुटी हैं कि मुस्तफिजुल अपने साथी के साथ गोरखपुर किस मकसद से आया था और उसके निशाने पर कौन था। एसटीएफ सूत्रों के मुताबिक, जांच में आजमगढ़ के एक नेता की हत्या की साजिश का एंगल भी सामने आया है। इसी इनपुट के आधार पर टीम ने बदमाशों की घेराबंदी की थी। मुठभेड़ में मुस्तफिजुल रहमान मारा गया जबकि उसका साथी मौका पाकर भाग गया। 13 जुलाई की रात करीब 11 बजे रामनगर-कड़जहां फोरलेन पर हुई मुठभेड़ के दौरान मुस्तफिजुल का साथी अंधेरे का फायदा उठाकर खेतों की ओर भाग निकला था।

नशा मुक्त युवा ही विकसित भारत की सशक्त नींव

गोरखपुर, एजेंसी। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर (एमजीयूजी) में भारत सरकार के युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय के निर्देशों के अंतर्गत राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वाधान में 'विकसित भारत यूथ कनेक्ट कार्यक्रम' का आयोजन किया गया। 'नशा मुक्त युवा-विकसित भारत' विषय पर आयोजित कार्यक्रम में मुख्य वक्ता एवं यूथ आइकन प्रियांशु भारद्वाज ने कहा कि नशा मुक्त युवा ही विकसित भारत की सशक्त नींव है। प्रियांशु भारद्वाज ने कहा कि विकसित भारत का सपना तभी साकार होगा, जब देश का युवा नशामुक्त, स्वस्थ, शिक्षित एवं जागरूक होगा। नशा युवाओं की प्रतिभा, आत्मविश्वास और भविष्य को कमजोर करता है। उन्होंने युवाओं से डिजिटल साक्षरता, सामाजिक सेवा, नवाचार तथा राष्ट्रहित के कार्यों में बढ़-चढ़कर भाग लेने का आह्वान किया। विश्वविद्यालय के नशामुक्ति अभियान के नोडल अधिकारी डॉ. दिलीप मिश्रा ने कहा कि कहा कि युवाओं को नशे से दूर रहना चाहिए। डॉ. अशोक कुमार वर्मा व इंजीनियर उदयभान यादव ने कहा कि प्रतिस्पर्धा और मानसिक दबाव के कारण अनेक युवा गलत आदतों की ओर आकर्षित हो जाते हैं। कार्यक्रम समन्वयक डॉ. धनंजय पांडेय, कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अमित उपाध्याय, अनिल कुमार पटेल, डॉ. रवि निषाद, साध्वी नंदन पांडेय, विकास कुमार सिंह आदि मौजूद रहे।

एसआईटी की विस्तृत जांच में सामने आई अनिल मिश्रा की मुख्य भूमिका

गणना इंचार्ज सुभाष श्रीवास्तव भी खेल में शामिल

लखनऊ, एजेंसी। राम मंदिर में चढ़ावा चोरी मामले में एसआईटी की विस्तृत जांच में ट्रस्ट के पूर्व सदस्य डॉ. अनिल मिश्रा और गणना इंचार्ज सुभाष श्रीवास्तव की मुख्य भूमिका बताई गई है। अनिल की संलिप्तता होने की ओर इशारा किया गया है। एसआईटी की रिपोर्ट सौंपे जाने के बाद अनिल पर भी कानूनी शिकंजा कसना लगभग तय है। सुभाष पहले से ही जेल में बंद है।

सूत्रों के मुताबिक, विस्तृत जांच में एसआईटी ने ट्रस्ट के पदाधिकारियों की भूमिका खंगाली। जिसमें अनिल मिश्रा की भूमिका संदिग्ध पाई गई है। उसके पुख्ता साक्ष्य हैं। वहीं, इस बात की भी पुष्टि हुई है

कि अनिल की सिफारिश से सबसे अधिक लोग मंदिर में नौकरी पर रखे गए थे। अनिल और सुभाष की भूमिका बेहद संगीन मानी गई है। मतलब चोरी आंखों के सामने हो रही थी, लेकिन इन दोनों ने नहीं रोका। इसलिए अनिल की मिलीभगत की आशंका जताई गई है। वहीं, अगर चंपत राय की भूमिका की बात करें तो उन पर कानूनी कार्रवाई की सिफारिश एसआईटी जांच में नहीं की गई है। आपराधिक घटना में उनकी संलिप्तता का जिक्र नहीं किया गया है।

एसआईटी रिपोर्ट को लेकर कई चर्चाएं : एसआईटी की विस्तृत जांच करने की तारीख 15 जुलाई थी, जो बीत चुकी है। इसके बाद अब रिपोर्ट शासन को सौंपी जानी है। पहले यह बताया जा रहा था कि इस हफ्ते रिपोर्ट सौंप दी जाएगी, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। वहीं, कुछ ऐसी भी खबरें आ रही हैं कि एसआईटी ने थोड़ा समय मांगा है। उसके बाद यह रिपोर्ट कोर्ट में सुनवाई के दौरान पेश की जाएगी। हालांकि, इसकी पुष्टि नहीं है। सीधे कोर्ट में रिपोर्ट सौंपने की बात सिर्फ चर्चा ही लग रही है। अब देखना होगा कि रिपोर्ट कब और किसे सौंपी जाएगी। एसआईटी से जुड़े अफसर इसको लेकर कुछ नहीं बोल रहे हैं।

गणना में बैंक के नियमित कर्मियों की ड्यूटी लगवाने की सिफारिश : गणना प्रक्रिया में पारदर्शिता लाने और किसी भी तरह की गड़बड़ी न हो इसको लेकर एसआईटी ने विस्तृत जांच में कई अहम सिफारिशें की हैं। अब गणना में जो बैंक कर्मी लगाए जाएंगे वह नियमित कर्मचारी होंगे। वहीं इनकी ड्यूटी बदलती रहेगी। हर पंद्रह दिनों में इन कर्मचारियों को बदला जाएगा। बैंक की तरफ से निगरानी के लिए एक अधिकारी भी तैनात होगा। एसआईटी ने इसके अलावा भी कई अहम सिफारिशें की हैं। जो जांच रिपोर्ट सौंपे जाने के बाद लागू की जाएंगी।

चढ़ावा चोरी की घटना में जो छह गणना कर्मी जेल गए हैं वह लिखापढ़ी में हाउसकीपिंग के कार्य के लिए भर्ती किए गए थे गणना की ड्यूटी उनसे ट्रस्ट के पदाधिकारी करवा रहे थे। एसआईटी ने इसको सबसे बड़ी लापरवाही में से एक माना है। लिहाजा इस व्यवस्था को दुरुस्त करने के लिए कई बिंदुओं पर सिफारिश की है। पहला बिंदु ये है कि नियमित बैंक कर्मी ही इसमें तैनात किए जाएंगे। जो कर्मी होंगे उनमें ट्रस्ट के पदाधिकारियों का किसी तरह का हस्तक्षेप नहीं होगा। दान पात्रों की चाबी ट्रस्ट के एक पदाधिकारी के पास होगी, जिसकी निगरानी में ही गणना होगी।

कई नाम एफआईआर में बढ़ेंगे

एसआईटी की प्रारंभिक रिपोर्ट के आधार पर एफआईआर दर्ज की गई थी। इसमें टिंकू यादव, सुभाष श्रीवास्तव, अनुकल्प, लवकुश, मनीष, अविनाश, करुणेश और रमाशंकर की भूमिका का जिक्र था। इसलिए ये सभी आरोपी बनाए गए थे। अनिल के नाम का भी जिक्र था, लेकिन एफआईआर में उनको शामिल नहीं किया गया था। अज्ञात आरोपी बनाए गए हैं। सूत्र बताते हैं कि अब एसआईटी की विस्तृत जांच के बाद अज्ञात में कई नाम खुल सकते हैं। इसमें अनिल मिश्रा से लेकर बैंक के अधिकारी व कर्मी शामिल हो सकते हैं। हालांकि पुलिस ने भी कइयों के खिलाफ पुख्ता सुबूत जुटाए हैं।

इस्तीफा ही चंपत पर अधिकतम कार्रवाई

चढ़ावा चोरी में चंपत राय का इस्तीफा हुआ। ट्रस्ट ने उसे स्वीकार कर लिया है। सूत्रों का कहना है कि चंपत पर यही अधिकतम कार्रवाई है। उनका ट्रस्ट से अलग होना ही सबसे बड़ी कार्रवाई है। कानूनी शिकंजा कसने की संभावना नहीं है। क्योंकि एसआईटी ने भी मामले में संलिप्तता या मिलीभगत का जिक्र न तो प्रारंभिक जांच में किया था और न ही विस्तृत जांच में। वह ट्रस्ट के जिम्मेदार थे, इसलिए उनकी जिम्मेदारी लापरवाही बरतने में तय की गई है। उसी का दोषी पाया गया।

काशी में बढ़ा गंगा का जलस्तर, गंगा आरती की निचली सीढ़ी तक पहुंचा पानी

वाराणसी, एजेंसी। गंगा के लगातार बढ़ते जलस्तर ने घाटों पर गतिविधियों को प्रभावित करना शुरू कर दिया है। शुक्रवार को गंगा का जलस्तर करीब पांच सेंटीमीटर बढ़ने के बाद दशाश्वमेध घाट पर होने वाली गंगा आरती की निचली सीढ़ी तक पानी पहुंच गया। केंद्रीय जल आयोग के अनुसार शुक्रवार को गंगा का जलस्तर 60.55 मीटर दर्ज किया गया, जबकि बृहस्पतिवार को यह 60.50 मीटर था। यदि जलस्तर इसी रफ्तार से बढ़ता रहा तो अगले तीन-चार दिनों में गंगा आरती के मूल मंच तक भी पानी पहुंच सकता है। ऐसे में आरती की व्यवस्था ऊपरी हिस्से में स्थानांतरित करनी पड़ सकती है।

पिछले कुछ दिनों से गंगा के जलस्तर में लगातार वृद्धि दर्ज की जा रही है। इसका मुख्य कारण गंगा के ऊपरी क्षेत्रों में लगातार हो रही बारिश और बैराजों से छोड़ा जा रहा अतिरिक्त पानी है। जलस्तर बढ़ने का असर सबसे पहले घाटों की निचली सीढ़ियों पर दिखाई देता है, जहां स्नान, नौका संचालन और धार्मिक अनुष्ठान होते हैं। दशाश्वमेध घाट पर प्रतिदिन हजारों श्रद्धालु और पर्यटक गंगा आरती देखने पहुंचते हैं। निचली सीढ़ियों तक पानी पहुंचने से श्रद्धालुओं के बैठने और आवाजाही की जगह कम हो गई है। जलस्तर बढ़ने का असर नौका संचालन पर भी पड़ने लगा है।

नाविकों को नाव बांधने के स्थान बार-बार बदलने पड़ रहे हैं और तेज धारा के कारण अतिरिक्त सावधानी बरतनी पड़ रही है। जल पुलिस और एनडीआरएफ की टीमों ने घाटों पर गश्त बढ़ा दी है। सभी संवेदनशील घाटों पर सतर्क रहने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि किसी भी आपात स्थिति में तत्काल कार्रवाई की जा सके।

प्रदेश में आने वाले पांच दिनों तक भारी बारिश की चेतावनी, जारी हुआ विशेष अलर्ट

लखनऊ, एजेंसी। प्रदेश वासियों को भीषण उमस और गर्मी से राहत मिलने वाली है। प्रदेश में मौसम ने एक बार फिर करवट ले ली है। मौसम विभाग ने प्रदेश में मानसूनी सक्रियता और बादलों की आवाजाही को देखते हुए अगले पांच दिनों तक झमाझम बारिश का पूर्वानुमान जारी किया है। इसी के तहत राज्य के कई हिस्सों में भारी से बहुत भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट भी जारी किया गया है।

मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार, उत्तर-पश्चिमी बंगाल की खाड़ी पर बना एक सुस्पष्ट निम्न दबाव का क्षेत्र पिछले 48 घंटों में उत्तर-पश्चिम दिशा में आगे बढ़ा है। शुक्रवार को यह पश्चिम बंगाल, उससे सटे झारखंड और उत्तरी ओडिशा के पास केंद्रित है। अगले 24 घंटों के दौरान इस सिस्टम के धीरे-धीरे कमजोर होकर उत्तर-पश्चिम दिशा में बढ़ने और मानसूनी ट्रफ के दक्षिण की ओर खिसकने की संभावना है। इसी मौसमी बदलाव के कारण प्रदेश में मानसून तेजी से सक्रिय हो रहा है।

18 से 23 जुलाई तक मानसूनी बारिश में बढ़ोतरी : प्रदेश में 18 से 23 जुलाई के बीच मानसूनी बारिश में व्यापक बढ़ोतरी दर्ज की जाएगी। भारी बारिश के चलते अगले तीन से चार दिनों में तापमान में चार से छह डिग्री सेल्सियस तक की गिरावट होने की संभावना है।मौसम विभाग ने भारी बारिश और ऑरेंज अलर्ट को देखते लोगों को सावधान रहने की सलाह दी है। विशेषकर आकाशीय बिजली चमकने के दौरान और जलभराव वाले क्षेत्रों में अतिरिक्त सतर्कता बरतने को कहा गया है।

गरज-चमक के साथ आज हो सकती है बारिश : राजधानी में शुक्रवार को मौसम ठंडा रहा। पूरे दिन बादलों की आवाजाही जारी रही। मौसम विभाग ने शनिवार को गरज के साथ बौछारें पड़ने उम्मीद जताई है। प्रादेशिक मौसम केंद्र की ओर से जारी रिपोर्ट के अनुसार, अधिकतम तापमान 35.5 और न्यूनतम तापमान 25.7 डिग्री सेल्सियस रहा, कि सामान्य तापमान से 0.4 डिग्री कम था। पूर्वानुमान के अनुसार, शनिवार दोपहर या शाम के समय बारिश या गरज के साथ बौछारें पड़ने की संभावना है।

छठवीं पास ने पढ़े-लिखे अमेरिकी नागरिकों को लगाया करोड़ों का चूना, लखनऊ में बैठकर विदेशियों को लूटते थे

लखनऊ, एजेंसी। क्राइम ब्रांच और साइबर सेल ने अमेरिकी नागरिकों से साइबर ठगी करने वाले एक और अंतरराष्ट्रीय फर्जी कॉल सेंटर का पर्दाफाश किया है। सुशांत गोल्फ सिटी स्थित ओमेक्स आर-2 रेजिडेंशियल अपार्टमेंट में संचालित इस कॉल सेंटर से सात आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। हैरानी की बात यह है कि गिरोह के सरगना पुनीत कुमार वर्मा महज छठवीं और उसका साथी दीपेन चंद्रकांत पटेल आठवीं तक पढ़े हैं, लेकिन दोनों मिलकर विदेशी नागरिकों को झांसे में लेकर लाखों-करोड़ों रुपये की साइबर ठगी कर रहे थे।

कोई भी 12वीं से ज्यादा नहीं पढ़ा : पकड़े गए गिरोह में कोई भी 12वीं से ज्यादा नहीं पढ़ा है। पूछताछ में पुनीत ने बताया कि गिरोह में कम पढ़े-लिखे लोगों को ही शामिल किया जाता था। इन्हें रहने-खाने की व्यवस्था के साथ 35 हजार रुपये वेतन मिलता था। गिरोह में शामिल करने के लिए ऐसे लोगों का चयन होता था, जो बीपीओ के क्षेत्र में काम कर चुके हों और फर्राटेदार अंग्रेजी बोलते हों। किसी को भी नियुक्ति पत्र या कोई दस्तावेज नहीं दिया जाता था। पूरा पैटर्न समिट बिल्डिंग में पकड़े गए फर्जी कॉल सेंटर की तरह था।

आरोपी ठगी की रकम सीधे बैंक खातों में नहीं लेते थे। सारा लेनदेन गिफ्ट कार्ड, डिजिटल वाउचर और क्रिप्टोकरेंसी के जरिये होता था। ऐसा करने का उद्देश्य धन के वास्तविक स्रोत एवं अंतिम लाभार्थी के साथ जांच एजेंसियों के लिए वित्तीय ट्रेल को छिपाना था।

हवाला से 70 फीसदी रकम भेजते थे अमेरिकी ठग : आरोपियों ने बताया कि अमेरिका में बैठे गिरोह के साथी 30 फीसद रकम अपने पास रखते थे। 70 प्रतिशत रकम हवाला के जरिये भारत भेजी जाती थी। हवाले की रकम ठिकाने लगाने और कर्मचारियों को बांटने का काम गुजरात में रहने वाला पुनीत का बड़ा भाई यश करता था। वहीं, अमेरिकी ठगों से संपर्क में रहता था। पुलिस यश का पता लगा रही है। आरोपियों के पास से इंटरनेट आधारित कॉलिंग सॉफ्टवेयर, आईबीम डायलर, कॉलिंग स्क्रिप्ट, विदेशी नागरिकों का डाटा, ई-मेल टेम्पलेट, फर्जी सरकारी दस्तावेज, नकली कोर्ट ऑर्डर, आठ लैपटॉप, नौ मोबाइल फोन व अन्य डिजिटल सामग्री मिली है। बरामद सामग्री को फोरेंसिक जांच के लिए भेजा जाएगा। डीसीपी क्राइम ने गिरोह को पकड़ने वाली टीम को 25 हजार रुपये इनाम देने की घोषणा की है।

गन्ने का रस बेचने वाला दुकानदार बोला- लो कर लो सांसद के पीआरओ से बात

अलीगढ़, एजेंसी। नगर निगम के प्रवर्तन दस्ते ने शुक्रवार को अस्थायी अतिक्रमण हटाने का अभियान चलाया। इस दौरान अभियान चला रहे अधिकारी एएमयू सर्किल के पास गन्ने का रस बेच रहे दिव्यांग दुकानदार आदिल की बात सुनकर भौचक रह गए।

आदिल ने कार्रवाई रोकने के लिए अधिकारियों को फोन देकर सांसद के पीआरओ से बात कर लेने दबाव बनाया। फोन कॉल पर उनके पीआरओ थे या कोई और इसका तो पता नहीं चला लेकिन न उसकी अपील सुनी गई और सिफारिश। निगम के दस्ते ने उसका सामान जब्त कर लिया।

दोपहर करीब ढाई बजे नगर निगम का अतिक्रमण विरोधी अभियान सारसौल से शुरू हुआ। अभियान के दौरान सारसौल, नौरंगाबाद, मीनाक्षी पुल, एएमयू सर्किल, हैबिटेट सेंटर के पास सड़क किनारे किए गए अस्थायी अतिक्रमण हटाए गए। इस दौरान कई दुकानदारों को पहले चेतावनी देकर स्वयं सामान हटाने का मौका दिया गया जबकि निर्देशों की अनदेखी करने वालों का सामान जब्त कर निगम की गाड़ियों में रखा गया। प्रवर्तन दल जैसे ही इन स्थानों पर पहुंचा तो फुटपाथ और सड़क पर सामान फैलाकर बैठे दुकानदारों में खलबली मच गई। कई दुकानदार जल्दबाजी में अपना सामान समेटने लगे। कोई फोन मिलाने लगा तो कोई पहचान का रौब दिखाने लगा तो कोई हाथ जोड़कर मोहलत मांगता नजर आया। हालांकि प्रवर्तन टीम का जवाब साफ था सिफारिश बाद में कर लीजिए, पहले सड़क खाली कराइए। कार्रवाई के दौरान सड़क पर रखा फर्नीचर, ठेले, टेबल, स्टैंड, बोर्ड और अन्य सामान जब्त कर निगम की गाड़ियों में लादा गया।

कई दुकानदारों को मौके पर ही अंतिम चेतावनी देते हुए कहा गया कि यदि दोबारा अतिक्रमण किया गया तो जुर्माने के साथ कठोर कार्रवाई की जाएगी।

कोरियर बन गया नकली दवाओं का सबसे बड़ा हथियार, लखनऊ में बढ़ता जानलेवा खतरा

लखनऊ, एजेंसी। खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन (एफएसडीए) विभाग राजधानी में नकली दवाओं के नेटवर्क को तोड़ नहीं पा रहा। इसकी बड़ी वजह ये है कि राजधानी में नकली दवाओं की ज्यादातर आपूर्ति कूरियर के जरिये पहुंच रही है। जिले के अंदर और आसपास के जिलों में माल को एक स्थान से दूसरे स्थान पर ले जाने के लिए ही वाहनों का इस्तेमाल किया जाता है।

अधिकारी भी मानते हैं कि दवा की दुकानों तक पहुंचने के बाद नकली-असली की पहचान करना काफी मुश्किल हो जाता है। नकली दवाओं को पकड़ने के लिए गोपनीय सूचनाओं पर आश्रित रहना पड़ता है। बृहस्पतिवार रात विभिन्न ब्रांड की नकली दवाओं की बरामदगी ने फिर से सवाल खड़े किए हैं कि आखिर इन दवाओं के निर्माण और सप्लाई का नेटवर्क कहां से संचालित हो रहा है।

पिछले तीन वर्ष में कई बार कार्रवाई के बाद भी नकली दवाओं के धंधे पर पूरी तरह से रोक नहीं लग सकी है। पुलिस और एफएसडीए के अधिकारी भी मानते हैं कि जब तक नकली दवाओं के उत्पादन और आपूर्ति पर नकेल नहीं कसेगी, तब तक इस धंधे को रोक पाना मुश्किल है।

दूसरे राज्यों से आ रहीं नकली दवाएं

एफएसडीए के सहायक मंडल आयुक्त ब्रजेश ने बताया कि पकड़ी गईं नकली दवाओं की आपूर्ति दूसरे राज्यों से हो रही है। विभाग एक-एक कड़ी जोड़कर उन फर्मों पर नकेल कसने की तैयारी में है, जो नकली दवाओं के कारोबार में लिप्त हैं। ब्रजेश के अनुसार, नकली दवाओं की खेप कूरियर के जरिये लखनऊ पहुंच रही है जिसे आसपास के जिलों में खपाया जा रहा है।

ज्यादा प्रचलित दवाओं की करते हैं नकल

अब तक की जांच में सामने आया है कि नकली दवा के सौदागर उन दवाओं नकल ज्यादा करते हैं जो बेहद प्रचलित हैं। जिनका सामान्य स्वास्थ्य समस्याओं जैसे दर्द, सूजन, सर्दी-जुकाम, बुखार के उपचार में इस्तेमाल होता है। इसके अलावा एंटीबायोटिक, एंटीएलर्जिक और विटामिन सप्लीमेंट वाली नकली दवाएं भी खूब बनाई जाती हैं। बाजार में ऐसी दवाओं की मांग ज्यादा होती है तो इनकी बिक्री बेहद आसानी से हो जाती है।

जान भी ले सकती हैं नकली दवाएं

डॉक्टरों का कहना है नकली दवाओं में उपचार के लिए आवश्यक सक्रिय तत्व नहीं होते या उसकी मात्रा मानक से बेहद कम या ज्यादा होती है। इससे बीमारी नियंत्रित होने के बजाय बढ़ सकती है। एंटीबायोटिक के मामलों में दवा के प्रतिरोध का खतरा बढ़ जाता है, जबकि गंभीर मरीजों में नकली दवा जान भी ले सकती है।

गहन जांच करने की जरूरत

लखनऊ केमिस्ट वेलफेयर एसोसिएशन के प्रवक्ता मयंक रस्तोगी ने बताया कि नकली दवाओं के खिलाफ एफएसडीए की टीम अच्छा काम कर रही है। लखनऊ के मेडिसिन मार्केट में टीम ने 28 दुकानों का सर्वे किया था। जांच टीम में प्रदेश भर से बुलाए गए 17-18 ड्रग इंस्पेक्टर भी शामिल थे। किसी भी दुकान से नकली दवाएं बरामद नहीं हुईं। नकली दवाओं के मामले में काफी समय से आगरा का नाम आता रहा है। वहां पर गहन जांच करने की जरूरत है।

राजधानी में नकली दवाओं की बरामदगी के मामले

अगस्त 2023 : अमीनाबाद और बस स्टेशन क्षेत्र में पुलिस व ड्रग विभाग ने छापा मारकर दो करोड़ रुपये कीमत की 65 हजार से अधिक नकली गोलियां बरामद की थीं। रोडवेज बसों के जरिये इनकी सप्लाई दूसरे जिलों में की जा रही थी।

नवंबर-दिसंबर 2023 : अमीनाबाद स्थित वीडीएस फार्मा पर छापे में नामी कंपनियों की नकली दर्द निवारक और एंटीबायोटिक दवाएं मिलीं। जांच के दौरान आगरा, चेन्नई और पुडुचेरी तक नेटवर्क फैला मिला।

जून 2025 : काकोरी में किराना स्टोर की आड़ में चल रही अवैध फैक्टरी से करीब 1.2 करोड़ रुपये की नकली ऑक्सीटोसिन दवाएं पकड़ी गईं।

31 अगस्त-1 सितंबर 2025 : पारा क्षेत्र में एसटीएफ और औषधि विभाग ने नकली ऑक्सीटोसिन इंजेक्शन बनाने वाली फैक्टरी पकड़ी। दो करोड़ का माल बरामद।

14 फरवरी 2026 : कोडिन कफ सिरप सिंडिकेट मामले में एसटीएफ ने गिरोह के एक प्रमुख आरोपी को गिरफ्तार किया।

57 ग्राम पंचायतों में 2500 छात्र, अधिकारियों ने श्रमदान कर दिया स्वच्छता का संदेश

- 4504 परिवारों द्वारा स्वच्छता शपथ पत्र भर कर प्लास्टिक कूड़ा अलग करने को भरा संकल्पपत्र
- अब तक इन ग्राम पंचायतों में 12 कुंतल प्लास्टिक कूड़ा एकत्रित हुआ
- एकत्रित प्लास्टिक को ग्राम पंचायतें पाँच रुपये प्रति किलो के दर से खरीदेंगी

मथुरा। प्लास्टिक मुक्त ब्रज की रज अभियान के प्रति ग्रामीण क्षेत्रों में छात्र, पंचायतों के प्रतिनिधि, व्यापारी व कर्मचारी भी जुड़ने में रूचि दिखा रहे हैं। सप्ताह में एक दिन चलने वाले इस अभियान का असर अब ग्रामीण क्षेत्रों में दिखाई देने लगा है। इस अभियान में मथुरा ब्लाक की ग्राम पंचायत छटीकरा, व राया की शिवली सहित सभी चयनित 57 ग्राम पंचायतों में स्वच्छता का वॉर का आयोजन किया गया। अब तक विभिन्न विद्यालय के लगभग 2500 छात्र, नोडल अधिकारी, सचिव, प्रशासक एवं व्यवसायियों ने जुड़कर श्रमदान करके लोगों को स्वच्छता का संदेश दिया। वहीं ग्रामीण क्षेत्र के 4504 परिवारों द्वारा स्वच्छता शपथ पत्र भर कर प्लास्टिक कूड़ा अलग करने , ग्राम को स्वच्छ रखने की सहमति पत्र पर हस्ताक्षर किए। ग्राम पंचायत शिवली विकासखंड राया में शनिवार स्वच्छता का वार कार्यक्रम के दौरान चौधरी हाकिम सिंह उच्चतर माध्यमिक विद्यालय शिवली के छात्र-छात्राओं के साथ सफाई कार्य करा कर ग्राम पंचायत की जनता को प्रोत्साहित किया। इस दौरान विद्यालय के छात्रों ने हम सब ने यह ठाना है, ब्रज को स्वच्छ बनाना है के नारे लगाए।

व्यापारियों से आह्वान किया कि प्लास्टिक व पालीथिन को सड़क पर नहीं फेंके। दुकानों पर एकत्रित करके रखें। बाद में जब पंचायत का सफाई कर्मी प्लास्टिक लेने आए तो उसको बेच दें। जिला पंचायत राज अधिकारी धनंजय जायसवाल ने बताया कि अब तक इन ग्राम पंचायतों में 12 कुंतल प्लास्टिक कूड़ा एकत्रित हुआ। इस प्लास्टिक के कूड़े को संबंधित ग्राम पंचायतें ग्रामीणों से पाँच रुपये प्रति किलो के दर से खरीदेंगी।

उसके बाद इस एकत्रित प्लास्टिक को रीसाइक्लिंग करने को प्लास्टिक संशोधन प्लांटों को बेचेंगी। जिससे प्लास्टिक प्रबंधन के साथ ग्राम पंचायतें स्वच्छ बनेंगी। वहीं ग्रामीण व पंचायतों की आय भी होगी। क्योंकि इस प्लास्टिक को अभी तक ग्रामीण व्यर्थ में सड़क पर फेंक देती हैं। उन्होंने कहा कि कोई भी अभियान बिना जन सहभागिता से पूरा नहीं हो सकता है।

जनभागीदारी से सुरक्षित रहेगा ब्रज का प्राकृतिक और आध्यात्मिक वैभवः शैलजाकांत मिश्र

मथुरा। स्वच्छता अभियान से पूर्व वृंदावन स्थित गीता शोध संस्थान के ओपन एयर थिएटर में हार्टफुलनेस फाउंडेशन के तत्वावधान में ध्यान शिविर एवं आध्यात्मिक परिचर्चा का आयोजन किया गया। शिविर में ध्यान, हृदय से जुड़ाव, प्रेम और आध्यात्मिक जीवन के महत्व पर चर्चा की गई। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद के उपाध्यक्ष शैलजाकांत मिश्र ने कहा कि ब्रज की स्वच्छता का यह अभियान केवल सफाई तक सीमित नहीं, बल्कि जनभागीदारी का व्यापक आंदोलन है। जब संत समाज, प्रशासन, सामाजिक संस्थाएं और आम नागरिक एक साथ जुड़ेंगे, तभी ब्रज का प्राकृतिक और आध्यात्मिक वैभव सुरक्षित रह सकेगा। उन्होंने कहा कि अभियान का उद्देश्य लोगों में यह भावना विकसित करना है कि ब्रज की स्वच्छता ही ब्रज सेवा और ठाकुरजी की सच्ची सेवा है। उन्होंने अभियान में सहभागिता के लिए विभिन्न शहरों से आए बड़ी संख्या में स्वयंसेवकों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि जनसहयोग से ही स्वच्छ, सुंदर और पवित्र ब्रज का संकल्प साकार होगा।

वृंदावन परिक्रमा मार्ग में कमिश्नर ने लगाई झाड़ू, डीआईजी ने उठाया कूड़ा

11 किलोमीटर के परिक्रमा मार्ग को 11 सेक्टर में बांट कर चला वृंदावन स्वच्छता महाअभियान

वृंदावन। ब्रज को स्वच्छ, सुंदर और प्लास्टिक मुक्त बनाने के संकल्प के साथ रविवार को वृंदावन के 11 किलोमीटर लंबे परिक्रमा मार्ग पर अभूतपूर्व स्वच्छता महाअभियान चलाया गया। हम सबने यह ठाना है, ब्रज को स्वच्छ बनाना है अभियान के तहत पूरे परिक्रमा मार्ग को 11 सेक्टरों में विभाजित कर प्रत्येक सेक्टर की जिम्मेदारी वरिष्ठ प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारियों ने संभाली। सुबह 8 से 11 बजे तक चले अभियान में अधिकारियों ने स्वयं झाड़ू लगाकर, कूड़ा उठाकर और श्रमदान कर स्वच्छता का संदेश दिया। दुकानदार और श्रद्धालुओं से ब्रज भूमि को गंदा न करने का आग्रह भी किया। अभियान में उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद के उपाध्यक्ष शैलजाकांत मिश्र, आगरा मंडलायुक्त नगेंद्र प्रताप, पुलिस उपमहानिरीक्षक शैलेश कुमार पांडेय, जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्लोक कुमार, नगर आयुक्त ओजस्वी राज, अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) डॉ. पंकज कुमार वर्मा, एडीएम (प्रशासन) डॉ. अमरेश कुमार मौर्य, एसपी सिटी राजीव कुमार सिंह, परिषद के एसीइओ राजीव पाण्डेय, सीओ सदर वरुण मिश्रा, अपर नगर मजिस्ट्रेट राजकुमार चौधरी सहित जीएलए विवि के कुलाधिपति नारायण दास अग्रवाल, कुलपति डा अनूप गुप्ता, रजिस्ट्रार एके सिंह, केडी मेडिकल कालेज के एमडी मनोज अग्रवाल, उमा मोटर्स के निदेशक पवन चतुर्वेदी, के संस के डायरेक्टर सुरेश कौशिक, राम अग्रवाल, उज्ज्वल ब्रज के सचिव अनंत शर्मा आदि ने विभिन्न सेक्टरों में श्रमदान किया। जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह ने परिक्रमा मार्ग स्थित दुकानदारों, होटल, रेस्टोरेंट एवं ढाबा संचालकों से स्वच्छता बनाए रखने, कूड़े का उचित निस्तारण करने तथा सिंगल यूज प्लास्टिक का प्रयोग नहीं करने की अपील की। उन्होंने स्थानीय लोगों से अपने घरों और प्रतिष्ठानों के आसपास नियमित साफ-सफाई रखने का आह्वान किया। महाअभियान में हार्टफुलनेस फाउंडेशन, उज्ज्वल ब्रज, नगर निगम के सफाईकर्मियों, संत समाज, सामाजिक संगठनों और बड़ी संख्या में स्वयंसेवकों ने भाग लिया। विभिन्न शहरों से कई सैकड़ा हार्टफुलनेस के स्वयंसेवकों ने परिक्रमार्थियों, दुकानदारों और स्थानीय नागरिकों को स्वच्छता संबंधी पत्रक वितरित कर गीले एवं सूखे कचरे के पृथक निस्तारण, प्लास्टिक मुक्त वातावरण और स्वच्छ जीवनशैली के प्रति जागरूक किया। संतों ने स्वयं सफाई कर श्रद्धालुओं और अनुयायियों को स्वच्छता अपनाने का संदेश दिया।

पुलिस ने किया बिजली के ट्रांसफार्मर और वाहन चुराने वाले गिरोह का खुलासा

- पुलिस ने गिरोह के सात सदस्यों को गिरफ्तार किया है, भारी मात्रा में सामान बरामद

मथुरा। मथुरा पुलिस ने बडी कामयाबी हासिल करते हुए वाहन और बिजली के ट्रांसफार्मर चोरी करने वाले गिरोह का खुलासा किया है। पुलिस ने गिरोह के सात सदस्यों को गिरफ्तार किया है। इनके कब्जे से भारी मात्रा में चोरी किया गया समाान बरामद किया गया है। 17 जुलाई को चोरी हुई स्विफ्ट डिजायर कार की जांच के दौरान पुलिस इस गिरोह तक पहुंची। पुलिस के मुताबिक यह गिरोह बडा है, गिरोह के अन्य सदस्यों की जानकारी जुटाई जा रही है। गिरोह के सदस्यों के गिरफ्तारी होने के बाद पुलिस ने चोरी की कई घटनाओं का भी खुलासा कर दिया है। पुलिस के मुताबिक, गिरोह बलदेव, राया, महावन और जमुनापार समेत कई थाना क्षेत्रों में लगातार चोरी की वारदातों को अंजाम दे रहा था। पुलिस अब गिरोह के अन्य सदस्यों की गिरफ्तारी के प्रयास में जुटी है। पुलिस ने इनके कब्जे से चोरी की स्विफ्ट डिजायर कार, तीन मोटरसाइकिलें, इन्वर्टर, बैटरी, बिजली के केबल और अन्य सामान बरामद किया है। पुलिस के मुताबिक, गिरोह सुनसान स्थानों पर खड़े वाहनों, ट्रांसफार्मरों और बिजली उपकरणों को निशाना बनाता था। गिरफ्तार अधिकांश आरोपियों का आपराधिक इतिहास भी है। उनके खिलाफ चोरी, आर्म्स एक्ट समेत विभिन्न धाराओं में पहले से मुकदमे दर्ज हैं। पुलिस अब गिरोह के फरार सदस्यों की तलाश कर रही है। साथ ही चोरी के अन्य सामान की बरामदगी और गिरोह से जुड़ी अन्य वारदातों की भी जांच की जा रही है। पूछताछ में कई और मामलों के खुलासे की संभावना जताई जा रही है। सीओ महावन संजीव कुमार राय ने बताया कि 17 जुलाई को सुरेंद्र बंसल की स्विफ्ट डिजायर कार चोरी होने के मामले में बलदेव थाने में मुकदमा दर्ज किया गया था। घटना के खुलासे के लिए पुलिस की कई टीमें बनाई गई थीं। जांच, तकनीकी साक्ष्यों और मुखबिर की सूचना के आधार पर 19 जुलाई की देर रात पुलिस ने कार्रवाई कर गिरोह का भंडाफोड़ कर दिया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान संजू उर्फ सूरज, दीपक, सोनू, दीपक उर्फ गूंगा, नरेश, मौसिम और आशीष के रूप में हुई है। पूछताछ में आरोपियों ने कई चोरी की वारदातों में शामिल होने की बात स्वीकार की है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी की स्विफ्ट डिजायर कार (यूपी 85 सीएम 9288), तीन मोटरसाइकिलें, एक्साइड बैटरी, सोलर हाइब्रिड यूपीएस इन्वर्टर, बिजली के केबल और अन्य चोरी का सामान बरामद किया है।

11 यूपी बटालियन एनसीसी के कंबाइंड एनुअल ट्रेनिंग कैंप में जुटे एलुमनाई

मथुरा। मथुरा के ओडी कॉम्प्लेक्स में कंबाइंड एनुअल ट्रेनिंग कैंप-44 के दौरान एक खास कार्यक्रम में, 11 यूपी बटालियन एनसीसी ने कर्नल विक्रांत त्यागी, एसएम की देखरेख में अपनी पहली एलुमनाई मीट आयोजित की। इसमें अलग अलग पीढ़ियों के कैडेट्स एक साथ आए और बातचीत की, अधिकारियों ने इसे पुरानी यादों को ताज़ा करने वाला और भविष्य की ओर देखने वाला अनुभव बताया। कार्यक्रम सुबह 11 बजे शुरू हुआ और इसमें 43 पूर्व कैडेट्स (एलुमनाई) व्यक्तिगत रूप से शामिल हुए, जबकि 136 अन्य ने भाग लेने की इच्छा जताई थी लेकिन आ नहीं सके। यह बटालियन और उसके पूर्व कैडेट्स के बीच बनी अच्छी भावना और जुड़ाव का एक मजबूत संकेत है। खास बात यह है कि इस जमावड़े में 1994 में पास आउट हुए कैडेट्स भी शामिल थे, जो दशकों से एनसीसी अनुभव के कारण बने मजबूत बंधन को दर्शाता है। इस इंटरैक्टिव सेशन ने पूर्व कैडेट्स को अपने अनुभव साझा करने और चल रहे ट्रेनिंग शेड्यूल और तरीकों पर बहुमूल्य सुझाव देने का मंच प्रदान किया। चर्चा के दौरान कैडेट ट्रेनिंग को मजबूत करने के उद्देश्य से कई सुझाव दर्ज किए गए, जिन्हें बाद में संकलित करके साझा किया जाएगा। इस कार्यक्रम में एडमिन ऑफिसर कर्नल अजय शामिल हुए और बटालियन के सभी सिविल स्टाफ और परमानेंट इंस्ट्रक्शनल स्टाफ ने भी इसमें हिस्सा लिया, जो इस पहल के पीछे सामूहिक संस्थागत प्रयास को दर्शाता है। मीट का समापन चाय और स्नैक्स के साथ हुआ, जिससे पूर्व कैडेट्स को यूनिट और एक-दूसरे के साथ फिर से जुड़ने का अनौपचारिक समय मिला। 11 यूपी एनसीसी बटालियन के लिए अपनी तरह के इस पहले कार्यक्रम के तौर पर, एलुमनाई मीट की उपस्थित लोगों ने खूब सराहना की। उम्मीद है कि यह बटालियन के कैलेंडर का एक नियमित हिस्सा बन जाएगा, जिससे मौजूदा कैडेट्स और पूर्व कैडेट्स के बीच संस्थागत यादें और मेंटरशिप का संबंध मजबूत होगा। इस अवसर पर डिप्टी कैंप कमांडेंट अजय कुमार, कैंप एडजेंटेंट कैप्टन नूतन कुमार, सूबेदार मेजर राजविंदर सिंह एवं समस्त पी आई स्टाफ उपस्थित रहे।

पुलिस से भी भिड़ गये हत्यारोपी बदमाश, दो को लगी गोली

- लूट के बाद हत्या कर शव को फेंक देने की घटना में पुलिस को थी तलाश

चौमुहां। थाना जैंत पुलिस और सर्विलांस टीम ने शनिवार देर रात एक बड़ी सफलता हासिल की है। नगला कीकी रोड के पास हुई एक दुस्साहसिक पुलिस मुठभेड़ के दौरान पुलिस ने लूट और हत्या के सनसनीखेज मामले में वांछित चल रहे तीन शातिर बदमाशों को गिरफ्तार कर लिया है। आत्मरक्षा में पुलिस द्वारा की गई जवाबी फायरिंग में दो बदमाश पैर में गोली लगने से घायल हो गए, जिन्हें इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बदमाशों के कब्जे से अवैध हथियार, लूटी गई नकदी, मोबाइल और एटीएम कार्ड बरामद हुआ है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत जैंत पुलिस और सर्विलांस टीम को शनिवार रात करीब 10.35 बजे मुखबिर से सटीक सूचना मिली। मुखबिर ने बताया कि थाना जैंत में दर्ज हत्या और लूट के मुकदमे धारा-103(1) बीएनएस) से जुड़े आरोपी सुनरख से नगला कीकी रोड की तरफ किसी नई बड़ी लूट की वारदात को अंजाम देने की फिराक में घूम रहे हैं। सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने बिना वक्त गंवाए नगला कीकी के पास जंगलों और रास्तों की घेराबंदी शुरू कर दी। पुलिस टीम को सामने देखकर बदमाशों ने खुद को घिरता पाया। आत्मसमर्पण करने के बजाय बदमाशों ने पुलिस टीम पर जान से मारने की नीयत से अपने अवैध तमंचों से अंधाधुंध फायरिंग शुरू कर दी। गोलीबारी में पुलिसकर्मी बाल बाल बचे। जवाबी कार्रवाई में सियाराम निवासी ग्राम कमई थाना बरसाना और रवि निवासी ग्राम कमई, थाना बरसाना के पैर में गोली लगी, जबकि सचिन निवासी ग्राम कमई थाना बरसाना को मौके से गिरफ्तार कर लिया गया। सीओ वरुण मिश्रा ने बताया कि तीनों आरोपितों ने जबलपुर निवासी सुनील कुमार त्रिपाठी से लूटपाट करने के बाद उसकी हत्या कर दी थी और पहचान छिपाने के उद्देश्य से शव को झाड़ियों में फेंक दिया था। इसी मामले में सीसीटीवी फुटेज मिलने पर पुलिस उनकी तलाश कर रही थी सीओ ने बताया कि गिरफ्तार आरोपितों के कब्जे से दो तमंचे, दो कारतूस, लूटा हुआ एटीएम कार्ड, लूटा हुआ मोबाइल फोन, लूटे गए 30 हजार रुपये नकद, और घटना में प्रयुक्त बुलेट मोटरसाइकिल बरामद की गई है। तीनों आरोपितों के विरुद्ध पहले से भी विभिन्न थानों में मारपीट, रंगदारी, धोखाधड़ी, आईटी एक्ट, आर्म्स एक्ट के कई मुकदमे दर्ज हैं। पुलिस पकड़े गए बदमाशों के आपराधिक इतिहास और उनके अन्य साथियों के बारे में गहनता से पूछताछ कर रही है।

श्याम लाल सिंह सिकरवार का मनाया 17 वां स्मृति महोत्सव

ब्रजमण्डल क्षत्रिय राजपूत सभा अन्य संगठनों के लोगों ने अर्पित की श्रद्धांजलि

मथुरा। महाराणा प्रताप भवन देवीपुरा में ब्रजमंडल क्षत्रिय राजपूत सभा के प्रदेश अध्यक्ष ठाकुर मुकेश सिंह सिकरवार के पिता एवं सभा के संरक्षक ठा. श्यामलाल सिंह सिकरवार के 17 वें महासभा के पदाधिकारियों ने उनको याद करके उनके आदर्शों पर चलने का संकल्प लिया। स्मृति महोत्सव में सर्व प्रथम श्यामलाल जी के चित्रपट पर अतिथियों ने माल्यार्पण करते हुए उनके जीवन चरित्र पर प्रकाश डाला। वक्ताओं ने बताया श्याम लाल सच्चे समाजसेवी एवं गरीबों, पीड़ितों की मदद करने वाले व संस्कारी क्षत्रिय थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता रामनिवास स्वामी एवं संचालन महासभा के प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ. जगदीश सिंह गौर ने किया । समाजवादी पार्टी के प्रदेश सचिव व गोवर्धन विधान सभा से प्रत्याशी ठा. किशोर सिंह ने कहा कि नयी पीढ़ी को अपने बुजुर्गों का सम्मान करना चाहिए । ठाकुर श्यामलाल सिकरवार किसानों के बहुत बड़े हितैषी थे। अब उनके अधूरे सपनों को उनके बेटे पूरा करते हुए समाज की सेवा कर रहे हैं। कान्हा प्रधान मुखराई और प्रमुख राजवीर सिंह ने कहा की युवा पीढ़ी को अपने बुजुर्गों की सेवा करनी चाहिए और उनके स्मृति महोत्सव मनाने चाहिए । कार्यक्रम में सभी समाज के हजारों लोगों ने भाग लिया। जिनमें नेत्रपाल प्रधान , अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा फिरोजाबाद के जिलाध्यक्ष ठाकुर आदित्य सिंह , विवेक चौधरी, ब्रजमंडल क्षत्रिय महासभा अध्यक्ष ठाकुर अटल सिसोदिया, राजेंद्र आचार्य , शंकर सिंह जानू , कप्तान सिंह जैंत, साबो प्रधान अरहरा, मोहन सिंह प्रधान , एड. अशोक राज सिंह , जीतपाल प्रधान बेरी , रवि ठाकुर बसौंती, राजवीर चौधरी , ओमप्रकाश दरोगा , मनीष ठाकुर, ठाकुर एम पी सिंह , नरेंद्र सिंह राघव आदि उपस्थित रहे ।

संस्कार भारती पदाधिकारियों ने रापे पौधे, किया गायों का पूजन

गोविंद गौशाला में आयोजित हुआ पौधा रोपण व गौ पूजन समारोह

मथुरा। संस्कार भारती मथुरा महानगर द्वारा रविवार को पौधा रोपण व गौ पूजन समारोह नगर की गोविंद गौशाला में आयोजित किया गया। गौशाला के प्रांगण में संस्कार भारती के पदाधिकारी और कार्यकर्ताओं ने सुबह-सुबह पहुंचकर और सबने मिलकर बड़े उत्साह के साथ पौधा रोपण किया। वृक्षारोपण के बाद गौमाता पूजन और आरती की गई। संस्कार भारती की ओर 160 किलो दलिया तैयार करा कर गायों को खिलाया गया। इस कार्यक्रम में महेश अग्रवाल प्रेस वाले, त्रिलोकीनाथ चौधरी और आनंद साड़ी वाले का विशेष सहयोग रहा। इस अवसर पर संस्कार भारती के अध्यक्ष अनूप माहेश्वरी ने पर्यावरण रक्षा और गौ सेवा के महत्व पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम के अंत में गोविंद गौशाला के प्रबंधक बलदेव प्रकाश शर्मा का उत्तरीय पहना कर सम्मान किया गया। कार्यक्रम में संस्था के उपाध्यक्ष सुभाय अग्रवाल एडवोकेट, उमेश गोयल, मनीष शोरावाला, हृदयेश शर्मा, उमा शर्मा, महामंत्री भारत भूषण सिंघल, सह महामंत्री चारु सिंघल सहित डॉ. मधुबाला गर्ग, डॉ. विनीता गुप्ता, पूजा माहेश्वरी, कृष्ण गोपाल सिंघल, नरेश बर्मन और करण सिंह आदि उपस्थित रहे।

प्रथम पहल फाउंडेशन बाटी में लगाया निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर

स्वास्थ्य शिविर में एक सैकड़ा से अधिक ग्रामीणों ने उठाया लाभ

मथुरा। प्रथम पहल फाउंडेशन मथुरा द्वारा स्वास्थ्य सेवाओं को शहरों से निकालकर ग्रामीण क्षेत्रों तक पहुँचाने के संकल्प के अंतर्गत अब गाँव-गाँव स्वास्थ्य शिविर अभियान का शुभारंभ किया गया। अभियान के प्रथम चरण में रविवार, 19 जुलाई 2026 को यादव मैरिज होम, बाटी, मथुरा में निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का सफल आयोजन किया गया। शिविर में जनरल फिजिशियन डॉ. शिवम गुप्ता ने लगभग 110 मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण कर निःशुल्क चिकित्सकीय परामर्श प्रदान किया तथा आवश्यक दवाइयाँ भी निःशुल्क वितरित की गईं। ग्रामीणों ने रक्तचाप, शुगर एवं सामान्य स्वास्थ्य संबंधी जाँच का लाभ उठाया तथा विशेषज्ञ चिकित्सकीय सलाह प्राप्त की। प्रथम पहल फाउंडेशन द्वारा हाल ही में प्रारंभ की गई एडवांस लाइफ सपोर्ट एम्बुलेंस सेवा के माध्यम से भी ग्रामीण क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवाओं की पहुँच सुनिश्चित की गई। संस्था का उद्देश्य गांव गांव तक गुणवत्तापूर्ण एवं सुलभ स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचाकर प्रत्येक जरूरतमंद व्यक्ति को समय पर चिकित्सा उपलब्ध कराना है। इस अवसर पर भानु प्रताप सिंह, काजल ठाकुर, कृष्णा, संतोष शर्मा, हाकिम सिंह सहित संस्था के अनेक सहयोगियों एवं स्वयंसेवकों ने शिविर के सफल संचालन में महत्वपूर्ण योगदान दिया। ग्रामीणों ने प्रथम पहल फाउंडेशन की इस पहल की मुक्त कंठ से सराहना करते हुए कहा कि गाँव में विशेषज्ञ चिकित्सक, निःशुल्क परामर्श एवं दवाइयों की सुविधा उपलब्ध होना अत्यंत लाभदायक एवं सराहनीय है। उन्होंने संस्था द्वारा स्वास्थ्य सेवाओं को गाँव-गाँव तक पहुँचाने के इस प्रयास को जनहित में एक प्रेरणादायी कदम बताया।

गोरखनाथ बाबा जन्मोत्सव पर आयोजित हुई भव्य कथा, श्रद्धालुओं ने लिया धर्म लाभ

बाजना। गोरखनाथ बाबा के पावन जन्मोत्सव के अवसर पर बाजना स्थित जाहरवीर बाबा एवं राम दरबार मंदिर दुर्गा प्रसाद फन्ने खां बताशे वाले मंदिर में भव्य धार्मिक आयोजन एवं कथा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में क्षेत्र के बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने उपस्थित होकर कथा श्रवण किया तथा गोरखनाथ बाबा के जयकारों से पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया। कार्यक्रम में परम पूज्य कथा वाचक श्री रविनाथ जी महाराज ने श्रद्धालुओं को गोरखनाथ बाबा के जीवन, तपस्या एवं सनातन धर्म की महिमा का विस्तार से वर्णन किया। उन्होंने कहा कि संतों के आदर्शों पर चलकर समाज में प्रेम, सेवा और सद्भाव की भावना को मजबूत किया जा सकता है। इस अवसर पर मुन्ना लाल वार्ष्णेय, ज्ञान प्रकाश वार्ष्णेय, मुकेश वार्ष्णेय, महेश वार्ष्णेय, शुभे कुमार, धनीराम सेठ जी, हरीश वार्ष्णेय (पप्पू), विष्णु सेठ जी, ईशान वार्ष्णेय (ईशु), हीरा लाल, प्रशांत मास्टर, बंटी हलवाई, भगवान वार्ष्णेय, मूला ठाकुर, चेतन मिस्त्री, देवी राम भगत जी, गोपाल वार्ष्णेय, मंशूका वार्ष्णेय, शिवकुमार वार्ष्णेय, देशराज भगत जी सहित अनेक प्रेमी भक्तों ने आयोजन को सफल बनाने में महत्वपूर्ण सहयोग दिया। धार्मिक आयोजन के दौरान श्रद्धालुओं ने पूजा-अर्चना कर क्षेत्र की सुख-समृद्धि एवं शांति की कामना की। अंत में सभी श्रद्धालुओं के लिए प्रसाद वितरण किया गया। पूरे आयोजन में श्रद्धा, आस्था और भक्ति का अनुपम संगम देखने को मिला।

राज्यपाल ने जेयूआईटी के 7वें दीक्षांत समारोह में मेधावियों को स्वर्ण पदक प्रदान किए

प्रौद्योगिकी का उपयोग जनहित में करने तथा रोजगार प्रदाता के रूप में पहचान बनाने का किया आहवान

शिमला। राज्यपाल कविन्द्र गुप्ता ने आज जेपी यूनिवर्सिटी ऑफ इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी (जेयूआईटी), वाकनाघाट के 7वें दीक्षांत समारोह में बतौर मुख्यातिथि भाग लिया। उन्होंने इस अवसर पर मेधावियों को उत्कृष्ट शैक्षणिक उपलब्धियों के लिए कुलाधिपति स्वर्ण पदक, कुलपति स्वर्ण पदक तथा अन्य शैक्षणिक पुरस्कार प्रदान किए गए। दीक्षांत समारोह में 1,966 बी.टेक., 3 इंटीग्रेटिड एम.टेक., 69 एम.टेक., 116 एम.एससी. तथा 90 पीएच.डी. की 2,244 डिग्रियां प्रदान की गईं। राज्यपाल ने विश्वविद्यालय के शैक्षणिक उत्कृष्टता के 25 वर्ष पूर्ण होने पर शुभकामनाएं दी। उन्होंने रजत जयंती को एक महत्त्वपूर्ण उपलब्धि बताते हुए कहा कि यह उपलब्धि हजारों विद्यार्थियों के सपनों, शिक्षकों के समर्पण तथा हिमाचल प्रदेश में उच्च शिक्षा के क्षेत्र में विश्वविद्यालय के उल्लेखनीय योगदान का प्रतीक है। इस अवसर पर विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए श्री गुप्ता ने उन्हें चुनौतियों का दृढ़ता से सामना करने तथा सफलता को मंजिल नहीं, बल्कि एक नई यात्रा की शुरुआत मानने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि सूचना प्रौद्योगिकी, एआई, डिजिटल इंडिया और इंडस्ट्री 4.0 के इस युग में प्रौद्योगिकी का उद्देश्य मानवता की सेवा

होना चाहिए। उन्होंने जेयूआईटी के विद्यार्थियों द्वारा विकसित एआई आधारित मानसिक स्वास्थ्य सहायता चैटबॉट का उल्लेख करते हुए कहा कि यह इस बात का प्रेरणादायक उदाहरण है कि नवाचार के माध्यम से समाज की वास्तविक आवश्यकताओं का समाधान किया जा सकता है। राज्यपाल ने अनुसंधानकर्ताओं और युवा नवोन्मेषकों का आहवान किया कि वे पहाड़ी राज्यों की विशिष्ट चुनौतियों, जैसे आपदा प्रबंधन, सतत कृषि तथा स्वास्थ्य सेवाओं के लिए प्रौद्योगिकी आधारित समाधान विकसित करें।

उन्होंने विद्यार्थियों से हिमाचल प्रदेश की समृद्ध औषधीय गुणवत्ता से युक्त जड़ी-बूटियों और वनस्पतियों पर वैज्ञानिक अनुसंधान करने का भी आहवान किया। उन्होंने कहा कि ऐसे नवाचार स्थानीय किसानों के लिए लाभकारी होने के साथ-साथ उद्यमिता के नए अवसर भी सृजित कर सकते हैं। सतत विकास पर बल देते हुए श्री गुप्ता ने कहा कि विश्वविद्यालय से शिक्षा ग्रहण करने वाले प्रत्येक इंजिनियर और पेशेवर को अपने कार्यों में पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपने दायित्वों को सर्वोच्च प्राथमिकता प्रदान करनी चाहिए। उन्होंने हरित प्रौद्योगिकियों को बढ़ावा देने, जल संसाधनों के संरक्षण तथा प्रकृति के साथ समन्वय स्थापित करते हुए विकास सुनिश्चित करने का आहवान किया। डिग्री एवं पुरस्कार प्राप्त करने वाली छात्राओं को बधाई देते हुए राज्यपाल ने कहा कि महिलाएं इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी सहित विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रही हैं।

उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि विश्वविद्यालय की छात्राएं विज्ञान, प्रौद्योगिकी और उद्यमिता के क्षेत्र में हिमाचल प्रदेश और देश का नाम रोशन करती रहेंगी। राज्यपाल ने कहा कि जेयूआईटी ने देश और दुनिया के लिए कुशल और निपुण पेशेवर तैयार किए हैं। उन्होंने स्नातकों से रोजगार तलाशने वाले नहीं, बल्कि रोजगार प्रदाता के रूप में स्थापित होने का आहवान किया। उन्होंने कहा कि युवाओं में उद्यमिता की भावना हिमाचल प्रदेश और देश की आर्थिक प्रगति को नई गति प्रदान करेगी। इससे पूर्व, कुलपति प्रो. आर.के. शर्मा ने राज्यपाल का स्वागत किया तथा विश्वविद्यालय की वार्षिक प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की। उन्होंने शैक्षणिक उपलब्धियों, अनुसंधान, नवाचार, उद्यमिता, अंतरराष्ट्रीय सहयोग, प्लेसमेंट, पेटेंट, शोध प्रकाशनों, स्टार्टअप इकोसिस्टम तथा राष्ट्रीय एवं वैश्विक रैंकिंग में विश्वविद्यालय की उपलब्धियों की जानकारी दी। उन्होंने धन्यवाद प्रस्ताव भी प्रस्तुत किया। इस अवसर पर उपायुक्त सोलन मनमोहन शर्मा, पुलिस अधीक्षक साई दत्तात्रेय, विश्वविद्यालय की गवर्निंग काउंसिल एवं अकादमिक काउंसिल के विशिष्ट सदस्य, शिक्षकगण, पूर्व छात्र, स्नातक विद्यार्थी अभिभावक तथा अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

स्वास्थ्य संस्थानों को अत्याधुनिक चिकित्सा तकनीक से सुसज्जित करना प्रदेश सरकार की प्राथमिकता - डॉ. शांडिल

शिमला। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता तथा सैनिक कल्याण मंत्री कर्नल डॉ. धनीराम शांडिल ने कहा कि सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों को अत्याधुनिक चिकित्सा तकनीक से सुसज्जित करना वर्तमान सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। डॉ. शांडिल आज सोलन विधानसभा की ग्राम पंचायत घाट कुम्हाला में आयोजित एक कार्यक्रम में उपस्थित लोगों को संबोधित कर रहे थे। डॉ. शांडिल ने कहा कि ज़िला अस्पताल लोगों को समय पर बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इन संस्थानों के सुदृढ़ीकरण के दृष्टिगत क्षेत्रीय अस्पताल सोलन, बिलासपुर, कुल्लू, ऊना, ज़िला अस्पताल किन्नौर, डॉ. वाई.एस. परमार राजकीय चिकित्सा महाविद्यालय एवं नाहन अस्पताल, क्षेत्रीय अस्पताल धर्मशाला तथा पालमपुर में 1.5 टेस्ला एम.आर.आई. मशीनें चरणबद्ध तरीके से स्थापित की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश के सभी सरकारी चिकित्सा महाविद्यालयों में अत्याधुनिक 03 टेस्ला एम.आर.आई. मशीनें भी लगाई जा रही हैं, जिससे विशेषज्ञ जांच और उपचार की सुविधाएं और अधिक बेहतर होंगी। उन्होंने कहा कि नैदानिक स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने के लिए ज़िला अस्पताल नाहन और हमीरपुर, क्षेत्रीय अस्पताल बिलासपुर, सोलन तथा धर्मशाला में डिजिटल मैमोग्राफी मशीनें भी लगाई जाएंगी।

उन्होंने कहा कि 42 हैंडहेल्ड एक्स-रे मशीनों की खरीद प्रक्रिया जारी है, जिनमें से 14 मशीनें प्राप्त हो चुकी हैं। दुर्गम क्षेत्रों में रहने वाले लोगों की जांच के लिए इन मशीनों का उपयोग किया जाएगा। इनका उपयोग छाती की जांच और टीबी की जल्द पहचान के लिए किया जाएगा, जिससे समय पर उपचार सुनिश्चित हो सकेगा। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि स्वास्थ्य और शिक्षा राज्य सरकार की सर्वोच्च

प्राथमिकताएं हैं तथा इन दोनों महत्त्वपूर्ण क्षेत्रों को सशक्त बनाने के लिए प्रदेश सरकार द्वारा धन की कमी को आड़े नहीं आने दिया जाएगा। डॉ. शांडिल ने कहा कि मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू के कुशल नेतृत्व में ग्रामीण क्षेत्र की आर्थिकी को मज़बूत करने के लिए विभिन्न सकारात्मक कदम उठाए गए है। उन्होंने कहा कि प्राकृतिक खेती से उगाई जाने वाली हल्दी के न्यूनतम समर्थन मूल्य को 90 रुपए प्रति किलो से बढ़ाकर 150 रुपए प्रति किलो किया गया है। उन्होंने कहा कि हिमाचल प्रदेश पूरे देश में न्यूनतम समर्थन मूल्य में इतनी बढ़ौतरी करने वाला पहला राज्य है। उन्होंने इस निर्णय के लिए मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि पशुपालकों की आय में बढ़ौतरी के लिए गाय व भैंस के न्यूनतम समर्थन मूल्य में वृद्धि की गई है। इसके अतिरिक्त पंजीकृत दुग्ध सहकारी संस्थाओं से जुड़े पशुपालकों के लिए दूध की खरीद पर प्रोत्साहन राशि 3 रुपए से बढ़ाकर 6 रुपए प्रति लीटर की गई है। उन्होंने कहा कि इन सभी निर्णयों से किसानों व पशुपालकों की आर्थिकी में आशातीत वृद्धि हो रही है। स्वास्थ्य मंत्री ने इस अवसर पर जन समस्याएं सुनी तथा अधिकारियों को इनके शीघ्र निपटाने के निर्देश दिए। ग्राम पंचायत घाट कुम्हाला की प्रधान हेमा तंवर ने मुख्यातिथि का स्वागत किया तथा क्षेत्र की समस्याओं से अवगत करवाया। इस अवसर पर प्रदेश कांग्रेस पूर्व सैनिक प्रकोष्ठ के उपाध्यक्ष कर्नल संजय शांडिल, पूनम शांडिल, खंड कांग्रेस समिति सोलन के अध्यक्ष मनीष ठाकुर, ग्राम पंचायत ममलीग के प्रधान भूमिनन्द, ग्राम पंचायत सायरी के प्रधान वीरेंद्र जसवाल, ग्राम पंचायत काहला के प्रधान राजेश ठाकुर, ग्राम पंचायत बशील की प्रधान किरण देवी, ग्राम पंचायत घाट कुम्हाला के उप प्रधान रणजीत कुमार, ग्राम पंचायत ममलीग के उप प्रधान हरि दत्त शर्मा, ग्राम पंचायत बशील के उप प्रधान राकेश शर्मा, बीडीसी सदस्य भगत राम और भागेश कुमार, पूर्व प्रधान द्रौपदी राठौर, खंड विकास अधिकारी कंडाघाट ओ.पी. शर्मा, उप तहसील ममलीग के तहसीलदार सुरेंद्र चंदेल सहित कई गणमान्य व्यक्ति तथा स्थानीय ग्रामीण उपस्थित थे।

डेंटल कॉलेज शिमला का नाम राजीव गांधी डेंटल कॉलेज, शिमला होगाः मुख्यमंत्री

हमीरपुर में 300 करोड़ रूपये की लागत से डेंटल हेल्थ रिसर्च सेंटर होगा स्थापित

शिमला। मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविन्द्र सिंह सुक्खू ने आज शिमला में एसोसिएशन ऑफ ओरल एंड मैक्सिलोफेशियल सर्जन्स ऑफ इंडिया (एओएमएसआई) के हिमाचल प्रदेश स्टेट चैप्टर के चौथे वार्षिक सम्मेलन की अध्यक्षता करते हुए घोषणा की कि शिमला स्थित डेंटल कॉलेज का नाम राजीव गांधी डेंटल कॉलेज, शिमला किया जाएगा। उन्होंने हमीरपुर में 300 करोड़ रुपये की लागत से डेंटल हेल्थ रिसर्च सेंटर स्थापित करने की भी घोषणा की। उन्होंने कहा कि इस सेंटर से रोजगार के अवसर सृजित होंगे तथा लोगों को बेहतर और आधुनिक उपचार सुविधाएं उपलब्ध होंगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि ओरल एंड मैक्सिलोफेशियल सर्जन्स का कार्य अत्यंत महत्वपूर्ण है। वे न केवल रोगियों का उपचार करते हैं, बल्कि उन्हें आत्मविश्वास और बेहतर जीवन गुणवत्ता प्रदान करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा कि यह सम्मेलन लोगों की सेवा की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगा। श्री सुक्खू ने कहा कि राज्य सरकार स्वास्थ्य क्षेत्र में व्यापक बदलाव ला रही है, जिसके सकारात्मक परिणाम सामने आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि कुछ वर्ष पहले तक यह कल्पना करना भी कठिन था कि हिमाचल प्रदेश के सरकारी अस्पतालों में रोबोटिक सर्जरी जैसी आधुनिक सुविधाएं और 3 टेस्ला एमआरआई जैसी उन्नत तकनीक उपलब्ध हो सकती है। राज्य सरकार सभी मेडिकल कॉलेजों के साथ-साथ जिला अस्पतालों में भी उन्नत तकनीक और आधुनिक चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध करवाने के प्रयास कर रही है, ताकि लोगों को अपने घर के नजदीक ही बेहतर और किफायती उपचार की सुविधा मिल सके तथा इलाज के लिए बाहरी राज्यों का रुख न करना पड़े। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने प्रदेश के चिकित्सकों के साथ संवाद स्थापित कर स्वास्थ्य क्षेत्र को मजबूत बनाने की दिशा में कई महत्वपूर्ण पहल की हैं। इसी तरह का एक कार्यक्रम डेंटल डॉक्टरों के साथ भी आयोजित किया जाएगा, ताकि डेंटल कॉलेजों में लोगों को आधुनिक और उच्च स्तरीय स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध करवाई जा सकें। मुख्यमंत्री ने कहा कि शिमला से शिक्षा प्राप्त कर निकले डॉक्टर आज देश-विदेश में हिमाचल प्रदेश का नाम रोशन कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि हिमाचल प्रदेश के डॉक्टर अत्यंत प्रतिभाशाली और सक्षम हैं तथा आधुनिक तकनीक के माध्यम से प्रदेश के लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। इस अवसर पर विधायक सुरेश कुमार, कांग्रेस नेता पवन ठाकुर, कैलाश फैडरेशन के चेयरमैन बलदेव ठाकुर, डेंटल कॉलेज शिमला के प्रिंसिपल डॉ. योगेश भारद्वाज, एओएमएसआई के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. आशीष गुप्ता, हिमाचल प्रदेश स्टेट चैप्टर के अध्यक्ष डॉ. रंगीला राम सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

धरातल पर उतरा 'व्यवस्था परिवर्तन'

सात दशक बाद रैत विकास खंड को मिला नया घर

शाहपुर। गांवों के विकास की कहानी अक्सर विकास खंड कार्यालयों से शुरू होती है। यहीं से सड़कें निकलती हैं, आवास योजनाएं गांवों तक पहुंचती हैं, मनरेगा के काम गति पकड़ते हैं और विकास की अनेक योजनाएं धरातल पर उतरती हैं। विडंबना यह रही कि शाहपुर विधानसभा क्षेत्र के रैत विकास खंड कार्यालय ने जहां सात दशकों तक हजारों परिवारों के जीवन में बदलाव लाने का काम किया, उसके पास अपना भवन तो था लेकिन ज़मीन नहीं। भवन था लेकिन दशकों पुराना। वर्ष 1958 में स्थापित रैत विकास खंड ग्रामीण विकास की महत्वपूर्ण इकाई रहा है। प्रधानमंत्री आवास योजना, मनरेगा, ग्रामीण सड़क निर्माण, सामुदायिक भवनों, सिंचाई कूल्हों तथा अन्य अनेक विकास योजनाओं का संचालन इसी कार्यालय से होता रहा। लेकिन इतने महत्वपूर्ण कार्यालय की भूमि तक विभाग के नाम दर्ज नहीं थी। प्रशासनिक प्रक्रिया की यह कमी वर्षों तक बनी रही और समय के साथ सामान्य बात मान ली गई। परिवर्तन की शुरुआत तब हुई, जब प्रदेश में मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंद्र सिंह सुक्खू के नेतृत्व में नई सरकार ने 'व्यवस्था परिवर्तन' को अपनी कार्यशैली का आधार बनाया। शाहपुर के विधायक एवं उपमुख्य सचेतक केवल सिंह पठानिया ने अपने विधानसभा क्षेत्र में वर्षों से लंबित मामलों को प्राथमिकता देते हुए सबसे पहले इस कार्यालय की भूमि संबंधी जटिलताओं को दूर करने का निर्णय लिया। लंबी प्रशासनिक प्रक्रिया पूरी होने के बाद विकास खंड कार्यालय की भूमि विधिवत ग्रामीण विकास विभाग के नाम दर्ज हुई। देखने में यह एक साधारण राजस्व प्रक्रिया प्रतीत हो सकती है, लेकिन वास्तव में इसी निर्णय ने वर्षों से अटके उस विकास का मार्ग खोल दिया, जिसकी प्रतीक्षा क्षेत्र लंबे समय से कर रहा था। भूमि हस्तांतरण के बाद अगला क़दम और भी महत्वपूर्ण था। आधुनिक आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए नए भवन का प्रारूप तैयार किया गया और मुख्यमंत्री से 5.36 करोड़ रुपये की स्वीकृति प्राप्त होने के बाद निर्माण कार्य आरंभ हुआ। मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने नए भवन का शिलान्यास किया और आज इसका निर्माण तेज़ी से आगे बढ़ रहा है। भूतल, प्रथम तथा द्वितीय तल वाले इस भवन को आधुनिक प्रशासनिक जरूरतों के अनुरूप विकसित किया जा रहा है। भवन तैयार होने के बाद कर्मचारियों को बेहतर कार्य वातावरण मिलेगा, जबकि दूर-दराज़ के गांवों से आने वाले लोगों को एक ही परिसर में अधिक व्यवस्थित और सुविधाजनक ढंग से सरकारी सेवाएं उपलब्ध हो सकेंगी। दरअसल, किसी भी सरकारी कार्यालय का महत्व केवल उसकी इमारत से नहीं आंका जाता, बल्कि उससे मिलने वाली सेवाओं से तय होता है। फिर भी एक सुव्यवस्थित भवन प्रशासनिक दक्षता को बढ़ाता है, सेवाओं को अधिक सुगम बनाता है और लोगों का विश्वास भी मजबूत करता है।

धमतरी के पैक्स आधारित ड्रोन कृषि मॉडल की दिल्ली-कोलकाता तक गूंज

रायपुर । छत्तीसगढ़ के कृषि क्षेत्र में हो रहे आधुनिक नवाचारों को एक बार फिर राष्ट्रीय पटल पर बड़ी पहचान मिली है। धमतरी जिले में कलेक्टर के मार्गदर्शन में विकसित किए गए देश के पहले प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति आधारित ड्रोन कृषि सेवा मॉडल को राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित किया गया है।

कोलकाता में आयोजित कॉमन सर्विस सेंटर ई-गवर्नेंस सर्विसेज इंडिया लिमिटेड के 17वें स्थापना दिवस समारोह में इस मॉडल को ग्रामीण भारत में कृषि आधुनिकीकरण का एक अनुकरणीय उदाहरण माना गया।

देश के सामने गूंजी छत्तीसगढ़ के नवाचार की सफलता–समारोह के दौरान ÷बेहतर कृषि सेवाओं की उपलब्धता के लिए पैक्स का सशक्तिकरण÷ विषय पर एक उच्च स्तरीय पैनल चर्चा आयोजित की गई। इसमें धमतरी जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी ने बतौर मुख्य वक्ता जिले के इस सफल मॉडल और भविष्य के रोडमैप को देश के कृषि व सहकारिता विशेषज्ञों के सामने विस्तार से प्रस्तुत किया।

इस चर्चा में पश्चिम बंगाल सरकार के सहकारिता विभाग के विशेष रजिस्ट्रार पार्थ बसु, वॉव गो ग्रीन-ड्रोन के एमडी डॉ. शंकर गोयनका और इफको एमसी एग्रोकेमिकल्स के सीईओ मनोज वार्ष्णेय सहित देश के कई दिग्गज नीति निर्धारकों ने हिस्सा लिया और धमतरी के इस मॉडल को सराहा।

धमतरी बना देश का पहला ऐसा जिला, इन 10 समितियों से शुरुआत–उल्लेखनीय है कि धमतरी देश का पहला ऐसा जिला है, जिसने सहकारी समितियों के माध्यम से किसानों को सीधे ड्रोन सेवाएं उपलब्ध कराई हैं। पिछले माह लोहरसी समिति में आयोजित एक भव्य कार्यक्रम में इसका सफल प्रदर्शन किया गया था। वर्तमान में जिले की 10 प्रमुख पैक्स समितियों में प्रशिक्षित स्थानीय युवाओं (ड्रोन पायलटों) द्वारा तरल उर्वरकों और कीटनाशकों का वैज्ञानिक छिड़काव किया जा रहा है। ड्रोन

सेवा से जुड़ी समितियां बोड़रा, लोहरसी, दोनर, अछोटा, खरेंगा,भोथीडीह, कुंदेल, गड़ाडीह, जुगदेही और करेली है।

किसानों को क्या होगा सीधा फायदा?–पैनल चर्चा में विशेषज्ञों ने माना कि ड्रोन तकनीक केवल एक मशीन नहीं, बल्कि टिकाऊ और लाभकारी खेती का भविष्य है। इससे किसानों को उर्वरकों और कीटनाशकों का सटीक और समान छिड़काव होने से बर्बादी रुकती है। घंटों का काम अब मिनटों में सुरक्षित तरीके से पूरा हो जाता है। पानी, खाद और श्रम की भारी बचत होती है, जिससे किसानों की आय बढ़ेगी।

अगला कदम÷ वन-स्टॉप शॉप बनेंगे पैक्स–प्रशासन इस मॉडल को और व्यापक बनाने की तैयारी में है। आगामी चरण में इन समितियों के माध्यम से कृषि यंत्रीकरण, फसल सर्वेक्षण, किसान पंजीयन, बैंकिंग व वित्तीय सुविधाएं तथा कृषि परामर्श जैसी तमाम सेवाओं को एकीकृत किया जाएगा, ताकि किसानों को किसी भी काम के लिए गांव से बाहर न जाना पड़े। राज्य सरकार का मानना है कि तकनीक से लैस यह सहकारिता आंदोलन ही विकसित छत्तीसगढ़ की असली आधारशिला बनेगा।

बंजी में विकास कार्यों का कलेक्टर ने किया औचक निरीक्षण

रायपुर। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी सुश्री संतन देवी जांगड़े ने आज ग्राम पंचायत बंजी का औचक निरीक्षण कर विभिन्न विकास कार्यों एवं शासकीय योजनाओं की जमीनी स्थिति का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने आंगनबाड़ी केंद्र, खाद-बीज वितरण व्यवस्था तथा सड़क निर्माण कार्यों का निरीक्षण करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान एसडीएम लिंगराज सिदार, तहसीलदार सुश्री श्रुति धुर्वे, मोती राम सिंह कार्यपालन अभियंता (प्रभारी) प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना , एन.सी. सिंह कार्यपालन अभियंता जल संसाधन विभाग एवं आदित्य शर्मा डीपीओ महिला एवं बाल विकास विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे।

कलेक्टर ने सर्वप्रथम बंजी स्थित आंगनबाड़ी केंद्र का निरीक्षण कर बच्चों को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं एवं पोषण व्यवस्था की जानकारी ली। इसके पश्चात उन्होंने आदिम जाति सेवा सहकारी समिति मर्यादित बंजी पहुंचकर किसान शिवरतन, शिवबचन एवं उमेंद्र सिंह से खाद एवं बीज वितरण की जानकारी प्राप्त की तथा किसानों को समय पर गुणवत्तायुक्त खाद-बीज उपलब्ध कराने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए।

इसके बाद कलेक्टर ने बंजी से मेंड्रा तक प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के अंतर्गत बने सड़क का निरीक्षण किया। उन्होंने निर्माण कार्य की गुणवत्ता का अवलोकन करते हुए अधिकारियों एवं निर्माण एजेंसी को निर्देश दिए कि सड़क का निर्माण निर्धारित तकनीकी मानकों के अनुरूप अधिक मजबूत एवं टिकाऊ गुणवत्ता के साथ किया जाए।

निरीक्षण के दौरान बैगापारा में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना (दक्क्लस्ड्ड) के तहत निर्मित सड़क का भी निरीक्षण किया गया। सड़क के कुछ हिस्सों के क्षतिग्रस्त पाए जाने पर कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को सड़क की मरम्मत बेहतर गुणवत्ता के साथ कराने के निर्देश दिए। उन्होंने विशेष रूप से कहा कि सड़क के दोनों किनारों (शोल्डर) को भी मजबूत एवं सुव्यवस्थित बनाया जाए, ताकि वर्षा का पानी सड़क पर जमा न हो और उसका उचित निकास हो सके। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि जल निकासी की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करते हुए सड़क को इस प्रकार तैयार किया जाए कि भविष्य में सड़क क्षतिग्रस्त न हो और लंबे समय तक सुरक्षित बनी रहे।

इसके साथ ही कलेक्टर ने ग्राम बंजी में पूर्ण हो चुके सीसी रोड का भी निरीक्षण किया तथा निर्माण कार्य की गुणवत्ता का अवलोकन करते हुए अधिकारियों को निर्देश दिए कि जिले में भविष्य में होने वाले सभी निर्माण कार्य निर्धारित मानकों एवं उच्च गुणवत्ता के अनुरूप ही कराए जाएं।

निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने अधिकारियों को विकास कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग करने, निर्माण कार्यों में गुणवत्ता बनाए रखने तथा शासन की योजनाओं का लाभ समय पर पात्र हितग्राहियों तक पहुंचाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि विकास कार्यों में गुणवत्ता से किसी भी प्रकार का समझौता स्वीकार नहीं किया जाएगा तथा सभी निर्माण कार्य टिकाऊ एवं जनहित को ध्यान में रखकर किए जाएं।

किसानों ने अपनाया लाभकारी फसलों का विकल्प

रायपुर । राज्य के किसान लाभकारी फसलों की तरफ बढ़ रहे है जिससे उनकी आमदनी में इजाफा हो रहा है, महासमुंद जिले में खरीफ मौसम के दौरान धान के स्थान पर वैकल्पिक फसलों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से कृषि विभाग द्वारा लगातार किसानों को प्रोत्साहित किया जा रहा है।

इसी प्रयास के तहत जिले में लगभग 1,000 हेक्टेयर क्षेत्र में मूंगफली की खेती की जा रही है। यह पहल किसानों की आय बढ़ाने, जल संरक्षण तथा फसल विविधीकरण को बढ़ावा देने की दिशा में महत्वपूर्ण साबित हो रही है। कृषि उपसंचालक श्री एफ आर कश्यप ने बताया कि सरायपाली विकासखंड के ग्राम बोंदानवापाली के किसान श्री फागू लाल कैवर्त और श्री नंदकुमार कैवर्त

इस बदलाव के साक्षी हैं। दोनों किसानों ने राष्ट्रीय खाद्य तेल मिशन के अंतर्गत धान के स्थान पर 0.40-0.40 हेक्टेयर क्षेत्र में 1 जुलाई 2026 को मूंगफली की बुवाई की।

इन किसानों का कहना है कि मूंगफली की खेती में धान की तुलना में कम पानी की आवश्यकता होती है। साथ ही इसकी लागत अपेक्षाकृत कम होने के कारण लाभ की संभावना अधिक रहती है। कृषि विभाग के मार्गदर्शन और तकनीकी सहयोग से उन्होंने समय पर बुवाई कर वैज्ञानिक विधियों को अपनाया है, जिससे अच्छी उपज की उम्मीद है।

कृषि विभाग के अधिकारियों के अनुसार, जिले में धान के स्थान पर दलहन, तिलहन एवं अन्य लाभकारी फसलों का रकबा लगातार बढ़ रहा है। मूंगफली जैसी तिलहनी फसलें किसानों की आय बढ़ाने के साथ-साथ मिट्टी की गुणवत्ता सुधारने और जल संसाधनों के संरक्षण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

किसान फागू लाल और नंदकुमार द्वारा की जा रही मूंगफली की खेती क्षेत्र के अन्य किसानों के लिए उदाहरण बन रहा है। यदि अधिक किसान धान के साथ-साथ वैकल्पिक फसलों को अपनाते हैं, तो इससे खेती अधिक लाभकारी, टिकाऊ और जलवायु अनुकूल बन सकेगी।

लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग ने किया हैंडपंपों का क्लोरीनेशन

रायपुर। । जिले में स्वच्छ एवं सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराने तथा जलजनित बीमारियों की रोकथाम सुनिश्चित करने के उद्देश्य से लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग द्वारा विकासखंड भरतपुर अंतर्गत ग्राम पंचायत तोजा के ग्राम तोजा में विशेष क्लोरीनेशन अभियान चलाया गया। अभियान के तहत गांव के सभी प्रमुख सार्वजनिक हैंडपंपों का निर्धारित मानकों के अनुरूप क्लोरीनेशन कर पेयजल की गुणवत्ता सुनिश्चित की गई। विभाग की इस पहल से ग्रामीणों को स्वच्छ, सुरक्षित एवं गुणवत्तापूर्ण पेयजल उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के कार्यपालन अभियंता आकाश पोद्दार के निर्देशन एवं सहायक अभियंता जयंत कुमार चंदेल के मार्गदर्शन में विभाग की तकनीकी टीम तथा हैंडपंप टेक्निशियनों ने अभियान को सफलतापूर्वक संचालित किया। इस दौरान प्रत्येक सार्वजनिक हैंडपंप में निर्धारित मानक के अनुसार 30 एमएल क्लोरीन का उपयोग कर क्लोरीनेशन किया गया, जिससे पेयजल में मौजूद हानिकारक जीवाणुओं, बैक्टीरिया एवं संक्रमण फैलाने वाले सूक्ष्मजीवों का प्रभावी नियंत्रण सुनिश्चित किया जा सके। अभियान के दौरान विभागीय अधिकारियों ने ग्रामीणों को स्वच्छ पेयजल के महत्व, जल स्त्रोतों की नियमित साफ-सफाई, जल संरक्षण तथा सुरक्षित पेयजल के उपयोग के संबंध में भी विस्तार से जानकारी दी।

कांग्रेस बोली-2014 से अब तक 152 पेपर लीक,7.5 करोड़ प्रभावित

रायपुर। छात्रों की गूंज अभियान के तहत कांग्रेस ने आज देशभर में एक साथ प्रेस कॉन्फ्रेंस की। रायपुर में नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत ने कहा कि साल 2014 के बाद देश में 150 से अधिक पेपर लीक हुए हैं, जिससे करीब 7.5 करोड़ छात्रों का भविष्य प्रभावित हुआ है। उन्होंने आरोप लगाया कि पेपर लीक का संकट अब राष्ट्रीय महामारी का रूप ले चुका है। डॉ. महंत ने बताया कि लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने देशभर में छात्रों की गूंज अभियान की शुरुआत की है। अभियान की शुरुआत कोटा से हुई, जिसके बाद देहरादून में

आयोजित महारैली के माध्यम से पेपर लीक के खिलाफ आवाज बुलंद की गई। उन्होंने कहा कि एनएसयूआई, युवा कांग्रेस और कांग्रेस की प्रदेश इकाइयां इस मुद्दे को सड़क से लेकर संसद तक लगातार उठा रही हैं और छात्रों के हित में सरकार से ठोस कार्रवाई की मांग कर रही हैं।

सालेम इंग्लिश स्कूल में वार्षिक सम्मान समारोह, सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने बांधा समां

रायपुर । सालेम इंग्लिश स्कूल में 18 जुलाई को वार्षिक सम्मान समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत मुख्य अतिथि प्रोफेट नवीन मसीह की प्रार्थना से हुई।

इसके बाद छत्तीसगढ़ डायोसिस के पदाधिकारियों ने दीप प्रज्ज्वलित कर समारोह का शुभारंभ किया।

कार्यक्रम में स्कूल के छात्र-छात्राओं ने स्वागत गीत और

वेलकम डांस की आकर्षक प्रस्तुति देकर उपस्थित अतिथियों का स्वागत किया। छत्तीसगढ़ डायोसिस के पदाधिकारियों का पौधा भेंटकर सम्मान किया गया।

समारोह में राइट रेव्ह. श्रीमती सुषमा कुमार (बिशप, डायोसिस ऑफ छत्तीसगढ़ एवं चेयरमैन, सीडीबीई), रेव्ह. सुबोध कुमार, नितिन लॉरेंस (वाइस चेयरमैन, सीडीबीई एवं सचिव, डायोसिस ऑफ छत्तीसगढ़), जयदीप रॉबिन्सन (सचिव, सीडीबीई), रूचि धर्मराज (सेक्रेटरी, सेंट पॉल्स कैथेड्रल, रायपुर), वरिष्ठ पत्रकार जॉन राजेश पॉल तथा सीजी बोर्ड की प्राचार्य के.के. सिंह विशेष रूप से उपस्थित रहे।

राजमेरगढ़ बनेगा छत्तीसगढ़ का नया पर्यटन आकर्षण

रायपुर। गौरेला-पेंड्रा-मरवाही जिले को छत्तीसगढ़ के प्रमुख पर्यटन मानचित्र पर स्थापित करने की दिशा में जिला प्रशासन ने ठोस पहल तेज कर दी है। कलेक्टर विजय दयाराम के. स्वयं मैदान में उतरकर जिले के प्रमुख पर्यटन स्थलों का लगातार निरीक्षण कर रहे हैं। इसी क्रम में उन्होंने राजमेरगढ़ का विस्तृत भ्रमण कर निर्माणाधीन बैगा कुटीर सहित विभिन्न पर्यटन स्थलों का निरीक्षण किया तथा पर्यटन अधोसंरचना को अधिक आकर्षक, सुविधायुक्त और स्थानीय संस्कृति के अनुरूप विकसित करने के लिए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

कलेक्टर विजय दयाराम के. ने राजमेरगढ़ पहाड़ की चोटी पर निर्माणाधीन बैगा कुटीर का अवलोकन करते हुए कहा कि इसका निर्माण प्राकृतिक परिवेश के अनुरूप आकर्षक, पारंपरिक और हवादार स्वरूप में किया जाए, ताकि यह बैगा जनजातीय संस्कृति और स्थानीय पहचान का सशक्त प्रतीक बन सके। उन्होंने कहा कि यहां आने वाले पर्यटकों को बैगा समाज की समृद्ध परंपराओं, संस्कृति और जीवन शैली से परिचित कराने का यह महत्वपूर्ण केंद्र बनेगा। आगामी सावन माह में ज्वालेश्वर धाम में श्रद्धालुओं और पर्यटकों की संभावित बढ़ती संख्या को देखते हुए उन्होंने निर्माण एजेंसी को गुणवत्ता के साथ कार्य शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने ज्वालेश्वर धाम, माई का मड़वा, दुर्गाधारा तथा ठाड़ पथरा जैसे प्रमुख पर्यटन स्थलों का भी अवलोकन किया। उन्होंने वहां विकसित पर्यटन अधोसंरचना, मूलभूत सुविधाओं और पर्यटकों के लिए उपलब्ध व्यवस्थाओं की समीक्षा करते हुए आवश्यक सुधार एवं सुदृढ़ीकरण के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जिले के सभी पर्यटन स्थलों पर स्वच्छ, सुरक्षित और सुविधाजनक वातावरण उपलब्ध कराना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है, जिससे अधिक से अधिक पर्यटक यहां आएं और जिले की पर्यटन पहचान सशक्त हो।

कलेक्टर ने पर्यटन प्रबंधन समितियों के सदस्यों से संवाद कर उनकी आय-व्यय व्यवस्था, पर्यटन गतिविधियों तथा स्थानीय रोजगार और आजीविका से जुड़े विभिन्न पहलुओं की जानकारी ली। उन्होंने समितियों को स्थानीय हस्तशिल्प, वनोपज, पारंपरिक खाद्य उत्पादों और जनजातीय संस्कृति को पर्यटन से जोड़ते हुए पर्यटकों तक पहुंचाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि इससे स्थानीय उत्पादों को व्यापक बाजार मिलेगा, ग्रामीणों की आय में वृद्धि होगी तथा क्षेत्र के समग्र आर्थिक विकास को नई गति मिलेगी।

उन्होंने संबंधित विभागों को पर्यटन प्रबंधन समितियों को आवश्यक तकनीकी मार्गदर्शन, प्रशिक्षण और हरसंभव सहयोग उपलब्ध कराने के निर्देश दिए, ताकि पर्यटन गतिविधियों का विस्तार हो और स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार एवं स्वरोजगार के नए अवसर सृजित किए जा सकें।

साय सरकार के सुशासन में अवैध खनिज कारोबार पर सख्त प्रहार

रायपुर । प्रदेश सरकार प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण, पारदर्शी खनिज प्रबंधन तथा अवैध उत्खनन एवं परिवहन पर प्रभावी नियंत्रण के लिए लगातार सख्त कदम उठा रही है। इसी नीति के अनुरूप कलेक्टर विजय दयाराम के. के निर्देशानुसार गौरेला-पेंड्रा-मरवाही जिले में खनिजों के अवैध उत्खनन एवं परिवहन के विरुद्ध जिला प्रशासन द्वारा लगातार प्रभावी कार्रवाई की जा रही है। जिला खनिज उड़नदस्ता दल की सतत निगरानी और सघन जांच अभियान के तहत अवैध खनिज परिवहन में संलिप्त 1 टिप्पर एवं 3 ट्रैक्टर जब्त किए गए हैं।

जिला खनिज उड़नदस्ता दल द्वारा जिले के विभिन्न क्षेत्रों में की गई जांच के दौरान सिलपहरी क्षेत्र से खनिज रेत का अवैध परिवहन करते हुए 2 ट्रैक्टर, सधवानी क्षेत्र से खनिज गिट्टी का अवैध परिवहन करते हुए 1 ट्रैक्टर तथा भदौरा क्षेत्र से खनिज मिट्टी-मुरूम का अवैध परिवहन करते हुए 1 टिप्पर जब्त किया गया। सभी वाहनों को नियमानुसार जब्त कर संबंधित वाहन स्वामियों के विरुद्ध खान एवं खनिज (विकास एवं विनियमन) अधिनियम के प्रावधानों के तहत वैधानिक कार्रवाई

प्रारंभ कर दी गई है।

जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि निर्धारित अर्थदंड एवं समझौता राशि संबंधित खनिज मद में जमा किए जाने के बाद ही नियमानुसार जब्त वाहनों को मुक्त किया जाएगा। प्रशासन ने यह भी संकेत दिया है कि जिले में अवैध खनिज उत्खनन एवं परिवहन के विरुद्ध अभियान निरंतर जारी रहेगा तथा नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाएगी। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार खनिज संपदा के संरक्षण, पर्यावरण संतुलन बनाए रखने तथा शासकीय राजस्व की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है।

इसी उद्देश्य से जिलों में नियमित निगरानी, सघन जांच एवं त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जा रही है, जिससे अवैध गतिविधियों पर प्रभावी अंकुश लगाया जा सके। जिले में जिला खनिज उड़नदस्ता दल द्वारा की जा रही लगातार कार्रवाई से अवैध खनिज कारोबार में संलिप्त लोगों पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित हो रहा है। प्रशासन की इस सक्रियता से न केवल प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण सुनिश्चित हो रहा है, बल्कि वैध खनिज कारोबार को भी प्रोत्साहन मिल रहा है। जिला प्रशासन ने नागरिकों से भी अपील की है कि वे अवैध खनिज उत्खनन एवं परिवहन की किसी भी जानकारी की सूचना तत्काल प्रशासन को दें, ताकि प्राकृतिक संपदा की सुरक्षा और कानून व्यवस्था बनाए रखने में जनसहभागिता सुनिश्चित हो सके।

महंगी बिजली और स्मार्ट मीटर के विरोध में कांग्रेस का जनसंपर्क अभियान, सरकार को आंदोलन की चेतावनी

रायपुर । छत्तीसगढ़ में बढ़ते बिजली बिलों और स्मार्ट मीटर लगाए जाने के विरोध में कांग्रेस ने रविवार को राजधानी रायपुर के डंगनिया, डीडी नगर और अनुपम गार्डन सहित आसपास के क्षेत्रों में व्यापक जनसंपर्क अभियान चलाया। पूर्व विधायक विकास उपाध्याय के नेतृत्व में कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं ने घर-घर जाकर लोगों से संवाद किया तथा स्मार्ट मीटर हटाने और बदलने के लिए आवेदन पत्र भी वितरित किए। अभियान के दौरान कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया कि स्मार्ट मीटर लगाए जाने के बाद बड़ी संख्या में उपभोक्ताओं के बिजली बिलों में अप्रत्याशित बढ़ोतरी हुई है, जिससे आम जनता पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ रहा है। उनका कहना था कि महंगी बिजली और स्मार्ट मीटर व्यवस्था से उपभोक्ता परेशान हैं। पूर्व विधायक विकास उपाध्याय ने कहा कि राज्य सरकार जनता पर महंगी बिजली और स्मार्ट मीटर का बोझ डाल रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि उत्तर प्रदेश जैसे भाजपा शासित राज्यों में भी स्मार्ट मीटर को लेकर सतर्कता बरती गई, लेकिन छत्तीसगढ़ में लोगों की आपत्तियों की अनदेखी की जा रही है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस हमेशा जनता के हितों के लिए संघर्ष करती रही है और यदि सरकार ने बिजली दरों तथा स्मार्ट मीटर से जुड़ी समस्याओं का शीघ्र समाधान नहीं किया तो पार्टी इस मुद्दे पर प्रदेशभर में व्यापक जनआंदोलन छेड़ेगी। इस अभियान में देव साहू, संदीप शर्मा, कुलदीप, शिवश्याम शुक्ला, मन्नू वाजपेयी, योगेश दीक्षित, भीम यादव, ईश्वरी, संदीप सिरमौर, अमन गिल, विजय गीधवानी, श्रीनाथ भोगल, वेदप्रकाश कुशवाहा, अजित और किशन गोस्वामी सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे।

लंदन में एकसाथ खिलखिलाते दिखे रोहित-विराट और गंभीर

लंदन, एजेंसी। इंग्लैंड दौरे पर मौजूद भारतीय टीम ने लंदन स्थित भारतीय उच्चायोग का दौरा किया। इस दौरान खिलाड़ियों और सपोर्ट स्टाफ का ब्रिटेन में भारत के उच्चायुक्त कुमारन पेरियासामी और वहां मौजूद भारतीय प्रवासी समुदाय ने गर्मजोशी से स्वागत किया। यह मुलाकात खिलाड़ियों और सभी उपस्थित लोगों के लिए यादगार रही।

टीम इंडिया के खिलाड़ियों और सपोर्ट स्टाफ का ब्रिटेन में भारत के उच्चायुक्त कुमारन पेरियासामी ने भारतीय उच्चायोग में स्वागत किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में मौजूद भारतीय प्रवासी भी खिलाड़ियों से मिले और उनका उत्साह बढ़ाया।

कार्यक्रम के दौरान बीसीसीआई के उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने भी मौजूद लोगों को संबोधित किया। उन्होंने भारतीय क्रिकेट टीम के सुनहरे दौर और कई यादगार टीमों से जुड़ी पुरानी यादों को साझा किया।

रोहित शर्मा के संन्यास को लेकर अटकलों के बीच लंदन स्थित भारतीय उच्चायोग से सामने आई यह तस्वीर सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बन गई है। तस्वीर में रोहित शर्मा, विराट कोहली और मुख्य कोच गौतम गंभीर एक साथ ठहाके लगाते और हल्के-फुल्के अंदाज में नजर आ रहे हैं। मैदान के बाहर दिखी यह सहज मुस्कान ऐसे समय सामने आई है, जब रोहित के भविष्य और टीम में उनकी भूमिका को लेकर लगातार सवाल उठ रहे हैं।इससे पहले, लॉर्ड्स में अभ्यास सत्र से पहले भारतीय टीम के खिलाड़ी और सपोर्ट स्टाफ बालकनी में मौजूद थे। इसी दौरान मुख्य कोच गौतम गंभीर ने कुछ मजाकिया इशारे किए, जिन्हें देखकर रोहित शर्मा अपनी हंसी नहीं रोक पाए। उनके साथ मौजूद सपोर्ट स्टाफ के सदस्य भी ठहाके लगाते नजर आए। यह वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है और फैंस इसे काफी पसंद कर रहे हैं।

दूसरे वनडे के दौरान सोशल मीडिया पर ऐसी खबरें सामने आई थीं कि लॉर्ड्स में खेला जाने वाला तीसरा वनडे रोहित शर्मा के करियर का आखिरी वनडे हो सकता है। हालांकि, इन अटकलों पर भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के सचिव देवजीत सैकिया ने विराम लगा दिया। सैकिया ने स्पष्ट किया कि रोहित शर्मा के संन्यास को लेकर चल रही खबरों में कोई सच्चाई नहीं है। उन्होंने कहा कि जब तक चयनकर्ताओं की योजनाओं में रोहित शामिल हैं, तब तक वह भारतीय टीम के लिए खेलते रहेंगे।

30 की हुई स्मृति

बल्ले से लिख रही हैं भारतीय महिला क्रिकेट की नई कहानी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की स्टार सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना आज 30 साल की हो गई हैं। अपनी आक्रामक बल्लेबाजी, शानदार रिकॉर्ड और लगातार बेहतरीन प्रदर्शन के दम पर उन्होंने भारतीय महिला क्रिकेट को नई पहचान दिलाने में अहम भूमिका निभाई है।भारतीय महिला क्रिकेट की लोकप्रियता पिछले कुछ वर्षों में तेजी से बढ़ी है। आज महिला टीम के मुकाबलों में स्टेडियम दर्शकों से भरने लगे हैं और टीवी व डिजिटल प्लेटफॉर्म पर भी बड़ी संख्या में लोग मैच देखते हैं। इस बदलाव के पीछे जिन खिलाड़ियों का सबसे बड़ा योगदान माना जाता है, उनमें भारतीय महिला क्रिकेट टीम की उपकप्तान और स्टार सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना का नाम सबसे आगे आता है। अपनी आक्रामक बल्लेबाजी, शानदार तकनीक और निरंतर प्रदर्शन के दम पर स्मृति मंधाना ने न केवल भारतीय टीम को कई यादगार जीत दिलाई हैं, बल्कि महिला क्रिकेट को नई पहचान भी दिलाई है। लोकप्रियता के मामले में वह देश के कई पुरुष क्रिकेटरों को भी कड़ी टक्कर देती हैं। मैदान पर अक्सर फैंस के बीच 'मंधाना... मंधाना...' के नारे उनकी बढ़ती लोकप्रियता की गवाही देते हैं।

बचपन से ही क्रिकेट से जुड़ाव

स्मृति मंधाना का जन्म 18 जुलाई 1996 को मुंबई में हुआ था। उनका परिवार पहले से ही क्रिकेट से जुड़ा रहा है। उनके पिता और भाई दोनों क्रिकेट खेल चुके हैं। इसी माहौल ने स्मृति को भी क्रिकेट की ओर प्रेरित किया। एक इंटरव्यू में उन्होंने बताया था कि उनके पिता को बाएं हाथ के बल्लेबाज बेहद पसंद थे, इसलिए उन्होंने भी बाएं हाथ से बल्लेबाजी करना शुरू किया। महज नौ साल की उम्र में उन्हें महाराष्ट्र की अंडर-15 टीम में जगह मिल गई थी, जबकि 11 साल की उम्र में वह राज्य की अंडर-19 टीम का हिस्सा बन गईं।घरेलू क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन के बाद स्मृति मंधाना ने 5 अप्रैल 2013 को बांग्लादेश के खिलाफ टी20 मुकाबले से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में डेब्यू किया। इसके बाद उन्होंने पीछे मुड़कर नहीं देखा और जल्द ही भारतीय महिला टीम की सबसे भरोसेमंद बल्लेबाजों में शामिल हो गईं।

केर ने माइल दौड़ का 27 साल पुराना विश्व रिकॉर्ड तोड़ा

लंदन। ब्रिटेन के स्टार धावक जोश केर ने शनिवार को लंदन डायमंड लीग में पुरुषों की माइल (एक मील) दौड़ का 27 साल पुराना विश्व रिकॉर्ड तोड़कर इतिहास रच दिया। केर ने 3 मिनट 42.66 सेकेंड का समय निकालते हुए मोरक्को के महान धावक हिचाम एल गुएरूज का रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया। इससे पहले माइल दौड़ का विश्व रिकॉर्ड हिचाम एल गुएरूज के नाम था। उन्होंने 1999 में रोम में 3 मिनट 43.13 सेकेंड का समय दर्ज किया था। यह रिकॉर्ड पिछले 27 वर्षों से अटूट बना हुआ था, जिसे अब जोश केर ने तोड़ दिया। केर ने न केवल विश्व रिकॉर्ड बनाया, बल्कि रेस में भी पूरी तरह दबदबा कायम रखा। उन्होंने दूसरे स्थान पर रहे अमेरिका के यारेड नुगुसे को तीन सेकेंड से अधिक के अंतर से पीछे छोड़ा।

फीफा फुटबाल वर्ल्डकप-2026

ओलीसे ने पेले का 56 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ा, बेलिंगहम ने की माराडोना की बराबरी

न्यूयॉर्क, एजेंसी। फीफा विश्व कप 2026 के तीसरे स्थान के मुकाबले में भले ही फ्रांस को इंग्लैंड के हाथों 6-4 से हार का सामना करना पड़ा, लेकिन इस मैच में दो ऐसे रिकॉर्ड बने, जिन्होंने फुटबॉल इतिहास में नई इबारत लिख दी। फ्रांस के विंगर माइकल ओलीसे ने 1970 से कायम पेले के सबसे ज्यादा असिस्ट के रिकॉर्ड को तोड़ दिया, जबकि कप्तान किलियन एम्बाप्पे विश्व कप इतिहास के सर्वाधिक गोल करने वाले खिलाड़ी बन गए। हालांकि, ये दोनों उपलब्धियां फ्रांस को जीत नहीं दिला सकीं और टीम चौथे स्थान पर रही। वहीं, इंग्लैंड के जूड बेलिंगहम ने भी अर्जेंटीना के महान फुटबॉलर माराडोना की बराबरी की है।

बायर्न म्यूनिख के स्टार विंगर माइकल ओलीसे ने इंग्लैंड के खिलाफ मुकाबले में एम्बाप्पे के दोनों गोल में असिस्ट किया। इसके साथ ही उनके नाम इस विश्व कप में कुल सात असिस्ट हो गए। इससे पहले एक विश्व कप के एक संस्करण में सबसे ज्यादा छह असिस्ट का रिकॉर्ड ब्राजील के महान खिलाड़ी पेले के नाम था, जिन्होंने 1970 विश्व कप में यह उपलब्धि हासिल की थी। यह रिकॉर्ड 56 वर्षों तक कायम रहा। ओलीसे ने टूर्नामेंट की शुरुआत से ही शानदार प्रदर्शन किया था। उन्होंने सेनेगल के खिलाफ पहले मैच में एक, इराक और स्वीडन के खिलाफ दो-दो तथा इंग्लैंड के खिलाफ दो असिस्ट देकर नया विश्व रिकॉर्ड बना दिया। हालांकि एक संस्करण में सबसे ज्यादा असिस्ट का रिकॉर्ड अब ओलीसे के नाम हो गया है, लेकिन विश्व कप इतिहास में कुल असिस्ट के मामले में अर्जेंटीना के कप्तान लियोनल मेसी अब भी शीर्ष पर हैं।

रिकॉर्डों के बीच इंग्लैंड ने जीता कांस्य पदक

मैच आधुनिक विश्व कप इतिहास का सबसे ज्यादा गोल वाला तीसरे स्थान का मुकाबला बन गया। इंग्लैंड ने पहले हाफ में 4-0 की बढ़त बना ली थी। डेक्लन राइस ने तीसरे मिनट में खाता खोला, इसके बाद एजरी कोंसा ने बढ़त दोगुनी की। बुकायो साका ने दो और गोल दागकर हाफ टाइम तक स्कोर 4-0 कर दिया। दूसरे हाफ में फ्रांस ने शानदार वापसी की। एम्बाप्पे ने दो और ब्रैडली बारकोला ने एक गोल कर स्कोर 4-3 कर दिया। हालांकि, 87वें मिनट में साका ने पेनाल्टी पर हैट्रिक पूरी कर इंग्लैंड को राहत दिलाई। इंजरी टाइम में उस्मान डेम्बेले ने एक गोल जरूर किया, लेकिन 90+8वें मिनट में जूड बेलिंगहम ने गोल कर इंग्लैंड की 6-4 की ऐतिहासिक जीत पक्की कर दी। इस हार के साथ फ्रांस के मुख्य कोच डिडिएर डेशां का 14 वर्षों का कार्यकाल भी समाप्त हो गया। दूसरी ओर, इंग्लैंड ने 1966 के बाद विदेशी धरती पर विश्व कप में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए कांस्य पदक अपने नाम किया।

एमबाप्पे बने विश्व कप के सबसे ज्यादा गोल करने वाले खिलाड़ी

इंग्लैंड के खिलाफ दो गोल दागकर किलियन एम्बाप्पे ने भी इतिहास रच दिया। उनके विश्व कप करियर में अब 22 गोल हो गए हैं और उन्होंने अर्जेंटीना के कप्तान लियोनल मेसी (21) को पीछे छोड़ दिया।इंग्लैंड के जूड बेलिंगहम ने मैच के अंतिम क्षणों में गोल दागा और विश्व कप में किसी मिडफील्डर द्वारा सबसे ज्यादा गोल करने के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली।

सात साल का इंतजार खत्म! सिंधू ने जापान ओपन जीतकर रचा इतिहास

टोक्यो। भारत की स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधू ने आखिरकार अपने लंबे खिताबी इंतजार को खत्म करते हुए जापान ओपन 2026 का महिला एकल खिताब जीत लिया। टोक्यो में खेले गए बीडब्ल्यूएफ सुपर-750 टूर्नामेंट के फाइनल में सिंधु ने मेजबान जापान की विश्व नंबर-तीन अकाने यामागुची को सीधे गेमों में 21-17, 21-17 से हराकर इतिहास रच दिया। करीब 50 मिनट तक चले मुकाबले में सिंधू ने शुरुआत से अंत तक आक्रामक खेल दिखाया और यामागुची को वापसी का मौका नहीं दिया। इस जीत के साथ वह जापान ओपन का खिताब जीतने वाली पहली भारतीय खिलाड़ी बन गईं।

सात साल बाद जीता सुपर-750 स्तर का खिताब

सिंधू के लिए यह जीत कई मायनों में खास रही। उन्होंने दिसंबर 2024 में सैयद मोदी इंटरनेशनल जीतने के बाद पहली बार कोई बीडब्ल्यूएफ टूर खिताब अपने नाम किया। वहीं, अगर सुपर-750 या उससे बड़े स्तर के टूर्नामेंट की बात करें तो सिंधू ने करीब सात साल बाद कोई बड़ा खिताब जीता है। उनका पिछला बड़ा खिताब 2019 विश्व चैंपियनशिप था, जिसमें उन्होंने स्वर्ण पदक जीतकर इतिहास रचा था।

17-17 के बाद लगातार चार अंक

फाइनल का पहला गेम काफी रोमांचक रहा। एक समय स्कोर 17-17 से बराबर था, लेकिन इसके बाद सिंधु ने शानदार आक्रामक खेल दिखाते हुए लगातार चार अंक जीते और गेम 21-17 से अपने नाम कर लिया। निर्णायक क्षणों में उन्होंने यामागुची को कोई मौका नहीं दिया।

नहीं दिया वापसी का मौका

दूसरे गेम में सिंधू ने शुरुआत से बढ़त बना ली। उन्होंने 8-3, फिर 14-7 और बाद में 16-12 की बढ़त हासिल कर मुकाबले पर पूरी पकड़ बनाए रखी। उनकी तेज रफ्तार, सटीक स्मैश और डिफेंस से अटैक में शानदार बदलाव के सामने यामागुची लगातार संघर्ष करती नजर आईं। आखिर में सिंधू ने दूसरा गेम भी 21-17 से जीतकर सीधे गेमों में मुकाबला समाप्त कर दिया।

पूरे टूर्नामेंट में दिखी पुरानी सिंधू

इस पूरे टूर्नामेंट में सिंधू ने शानदार लय दिखाई। उन्होंने सभी मुकाबले सीधे गेमों में जीते और विश्व की शीर्ष खिलाड़ियों को हराते हुए फाइनल तक का सफर तय किया। फाइनल में भी उन्होंने अपनी पुरानी रणनीति और धैर्य के साथ खेलते हुए खिताब अपने नाम कर लिया।

यामागुची पर बढ़ाई बढ़त

सिंधू और अकाने यामागुची के बीच यह 30वीं भिड़ंत थी। इस जीत के बाद भारतीय स्टार ने हेड-टू-हेड रिकॉर्ड में अपनी बढ़त और मजबूत कर ली। दोनों खिलाड़ियों के बीच पिछले कुछ वर्षों में कई यादगार मुकाबले हुए हैं, लेकिन इस बार सिंधू ने शानदार प्रदर्शन करते हुए जापानी स्टार को उनके घरेलू दर्शकों के सामने मात दी।

चैम्पियन बनने के बाद कर दी आलोचकों की बोलती बंद

पीवी सिंधु ने आंसुओं के साथ बयां किया 19 महीने का दर्द!

दो बार की ओलंपिक पदक विजेता और पूर्व वर्ल्ड चैम्पियन पीवी सिंधु का जापान ओपन सुपर 750 का खिताब जीतना बेहद खास है। इस दमदार जीत के बाद उनकी आंखें नम हो गईं। इस टूर्नामेंट से पहले पीवी सिंधु को काफी आलोचनाओं का सामना करना पड़ा था। जिस पर अब उन्होंने अपनी चुप्पी तोड़ दी है। टोक्यो में खेले गए खिताबी मुकाबले में सिंधु ने दुनिया की तीसरे नंबर की खिलाड़ी अकाने यामागुची को सीधे गेमों में घुटने टेकने पर मजबूर कर दिया। इस धमाकेदार जीत के साथ ही सिंधु ने अपने करियर का पहला सुपर 750 खिताब जीतकर एक बार फिर शान से भारत का तिरंगा लहराया है।

जापान ओपन के फाइनल में पीवी सिंधु ने घरेलू स्टार अकाने यामागूची को सीधे गेमों में 21-17, 21-17 से शिकस्त दी। जैसे ही यामागूची का आखिरी शॉट कोर्ट से बाहर गिरा, सिंधु कोर्ट पर घुटनों के बल बैठ गईं। इसके साथ ही वहीं चेहरे को हाथों से ढककर फूट-फूटकर रोने लगीं। पीवी सिंधु की आंखों से निकलने वाले आंसू यह बताने के लिए काफी है कि यह जीत उनके लिए कितना मायने रखता है।

लोग पूछ रहे थे-सब खत्म हो गया

जीत के बाद पीवी सिंधु ने बीडब्ल्यूएफ से बात करते हुए कहा कि मेरी आंखों में आंसू थे क्योंकि यह जीत मेरे लिए बेहद जरूरी थी। मैं खुद पर बहुत कड़ी मेहनत कर रही थी। बहुत से लोग पूछ रहे थे- क्या हो रहा है? क्या करियर खत्म हो गया? लेकिन मुझे खुद पर अपने परिवार और कोचों पर पूरा भरोसा था। इस जीत का श्रेय उन्होंने अपने कोच, माता-पिता और पति को दिया।

2019 के बाद हुआ ये करिश्मा

लंबे समय से पीवी सिंधु की झोली में कोई बड़ी ट्रॉफी नहीं आई थी। साल 2019 के बाद पहली बार उन्होंने कोई सुपर 750 स्तर का टूर्नामेंट जीता है। उन्होंने कहा कि फाइनल खेलना एक बात है, लेकिन पोडियम पर खड़े होकर गोल्ड जीतना बिल्कुल अलग अहसास है। इससे मेरा आत्मविश्वास सातवें आसमान पर पहुंच गया है। इस जीत के साथ ही सिंधु अब दुनिया की नंबर 7 खिलाड़ी बनने के बेहद करीब पहुंच गई हैं। अगले महीने दिल्ली में वर्ल्ड चैम्पियनशिप होनी है। ऐसे में सिंधु अपनी इस फॉर्म को आगे भी बरकरार रखना चाहेगी।

बच्चों को किस दिशा में सुलाना चाहिए? वास्तु का यह नियम बढ़ाएगा एकाग्रता, करियर में मिलेगी सफलता

वास्तु शास्त्र में सोने की दिशा का बहुत महत्व माना जाता है। खासकर बच्चों के लिए सही दिशा में सुलाना उनके शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक विकास के लिए बेहद जरूरी है। अगर बच्चा गलत दिशा में सिर करके सोता है, तो उसकी पढ़ाई, व्यवहार और स्वास्थ्य पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है।

सोने की सही दिशा

बच्चों को सही दिशा में सुलाने से का मन शांत रहता है, एकाग्रता बढ़ती है और करियर में अच्छी सफलता मिलती है। वास्तु शास्त्र कहता है कि सोते समय सिर की दिशा सही होनी चाहिए। गलत दिशा में सोने से पृथ्वी की चुंबकीय ऊर्जा और शरीर की ऊर्जा में टकराव होता है। इससे बच्चे का मन अशांत रहता है और नींद पूरी नहीं होती। आइए वास्तु के अनुसार जानते हैं कि बच्चों को किस दिशा में सिर करके सोना फायदेमंद होता है।

बच्चों के लिए पूर्व दिशा सबसे शुभ

बच्चों को पूर्व दिशा में सिर करके सुलाना सबसे अच्छा माना जाता है। पूर्व दिशा सूर्योदय की दिशा है, जो नई ऊर्जा और सकारात्मकता का प्रतीक है। इस दिशा में सोने से बच्चे की बुद्धि तेज होती है, सीखने की क्षमता बढ़ती है और एकाग्रता अच्छी रहती है। सुबह सूर्य की पहली किरणें बच्चे को ऊर्जा देती हैं। इससे उनका दिन तरोताजा शुरू होता है।

दक्षिण दिशा भी देती है लाभ

दक्षिण दिशा में सिर करके सोना बच्चों के लिए दूसरा अच्छा विकल्प है। इस दिशा में सोने से तनाव कम होता है, नींद गहरी आती है और स्वास्थ्य अच्छा रहता है। वास्तु के अनुसार, दक्षिण दिशा सुख-समृद्धि का प्रतीक है। इससे बच्चे का स्वभाव शांत रहता है और मानसिक थकान जल्दी दूर होती है। अगर पूर्व दिशा में जगह नहीं है, तो दक्षिण दिशा चुन सकते हैं।

उत्तर दिशा सबसे हानिकारक

उत्तर दिशा में सिर करके सोना बच्चों के लिए सबसे अशुभ माना गया है। वास्तु शास्त्र में इसे स्वास्थ्य के लिए हानिकारक बताया गया है। इस दिशा में सोने से बच्चे चिड़चिड़े, बेचैन और कमजोर महसूस करते हैं। उनकी एकाग्रता कम होती है और पढ़ाई में मन नहीं लगता है। लंबे समय तक उत्तर दिशा में सोने से स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं भी बढ़ सकती हैं।

अन्य दिशाओं में सोने का प्रभाव

पश्चिम दिशा में सिर करके सोना औसत माना जाता है। इससे आराम तो मिलता है, लेकिन एकाग्रता और सफलता पर ज्यादा असर नहीं पड़ता है। ईशान या आग्नेय कोण में सोना भी बच्चों के लिए ठीक नहीं होता है। इन दिशाओं में सोने से बच्चे की ऊर्जा बिखर सकती है। हमेशा पूर्व या दक्षिण दिशा को प्राथमिकता दें।

बच्चों के कमरे का वास्तु

बच्चों का कमरा साफ, हल्का और हवादार होना चाहिए। बिस्तर को दीवार से सटाकर रखें, लेकिन सिर की दिशा सही हो। कमरे में ज्यादा भारी फर्नीचर ना रखें। रोशनी और हवा का अच्छा प्रवाह रखें। सोने से पहले कमरे में अगरबत्ती या कपूर जलाकर वातावरण शुद्ध करें। इससे बच्चे को अच्छी नींद आएगी और सुबह तरोताजा उठेंगे।

सही दिशा से मिलने वाले फायदे

सही दिशा में सोने से बच्चे की पढ़ाई बेहतर होती है, स्मरण शक्ति बढ़ती है और स्वभाव शांत रहता है। करियर में सफलता आसान होती है। स्वास्थ्य अच्छा रहता है और परिवार में सुख-शांति बनी रहती है। वास्तु नियमों का पालन करने से बच्चे का भविष्य उज्ज्वल बनता है।

इन बातों का रखें ध्यान

अगर बच्चा पहले से गलत दिशा में सो रहा है, तो धीरे-धीरे सही दिशा में बदलें। वास्तु विशेषज्ञ की सलाह लेकर कमरे की व्यवस्था करें। सही दिशा में सोना सिर्फ स्वास्थ्य नहीं, बल्कि बच्चे के पूरे भविष्य को बेहतर बनाने का तरीका है। डिस्क्लेमरः इस आलेख में दी गई जानकारियों के पूर्णतया सत्य एवं सटीक होने का हम दावा नहीं करते हैं। विस्तृत और अधिक जानकारी के लिए संबंधित क्षेत्र के विशेषज्ञ की सलाह जरूर लें।

घर की छत पर मनी प्लांट लगाना चाहिए या नहीं? जानें नुकसान और सही नियम

लोग डेकॉर के लिए मनी प्लांट को घर की छत पर भी लगा लेते हैं लेकिन क्या वास्तुशास्त्र के हिसाब से ये तरीका सही है? जानें क्या घर की छत पर मनी प्लांट लगाना सही होता है या गलत? इसी के साथ जानिए मनी प्लांट से जुड़े वास्तु के नियमों के बारे में।

घर की छत पर मनी प्लांट लगाना चाहिए या नहीं?

मनी प्लांट ना सिर्फ घर की शोभा बढ़ाता है बल्कि वास्तुशास्त्र के अनुसार इसके कई फायदे भी होते हैं। हालांकि इसके लिए इसे सही जगह पर लगाना काफी मायने रखता है। डेकॉर के लिए लोग इसे घर की छतों पर भी लगा लेते हैं लेकिन क्या ऐसा करना सही है? वास्तु के अनुसार इसे खुली छत पर लगाने से बचना चाहिए। जानिए मनी प्लांट से जुड़े कुछ नियम।

धूप से खराब होंगे पत्ते

खुली छत पर तेज धूप और गर्म हवा की वजह से मनी प्लांट के पत्ते आसानी से सूख सकते हैं। वास्तु मान्यता के अनुसार सूखता हुआ मनी प्लांट आर्थिक परेशानियां ला सकता है। ऐसे में घर में कभी भी बरकत नहीं आएगी।

मनी प्लांट लगाने की सही दिशा

वास्तुशास्त्र के अनुसार मनी प्लांट को सही दिशा में लगाने से ये घर में अच्छी एनर्जी ले आता है। नियम के हिसाब से इस प्लांट को हमेशा दक्षिण-पूर्व दिशा की ओर लगाना ही बेहतर होता है। वास्तु की दुनिया में इस दिशा को सुख-समृद्धि से जुड़ा बताया जाता है। ऐसे ये दिशा मनी प्लांट के लिए बेहतर होती है।

ऊपर की ओर बढ़नी चाहिए मनी प्लांट की बेल

मनी प्लांट को लेकर एक वास्तु नियम ये भी है कि इसकी बेल जमीन पर नहीं आनी चाहिए। जब ये ऊपर की ओर बढ़ता है तो इसे शुभ मानते हैं। इसी लिए इसे स्टैंड वगैरह का सहारा देना सही होता है। छत पर लगाने से ये रेलिंग को पकड़ते हुए नीचे की ओर बढ़ने लगेगा।

लोगों की नजर से रखें मनी प्लांट को दूर

वास्तु मान्यता है कि मनी प्लांट पर बाहरी लोगों की नजर बार-बार नहीं पड़नी चाहिए। इसे ऐसी जगह लगाएं जहां ये सुरक्षित रहे। इससे घर में पॉजिटिव एनर्जी बनी रहती है और बरकत भी खूब होती है।

क्या कहते आपके सितारे

मेष पूर्व दिनों की अपेक्षा दिन बहुत ही अच्छा रहेगा। राजनीति से जुड़े लोगों को उच्च पद प्राप्त होगा। मीडिया से जुड़े लोगों की प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। विवाह आदि मांगलिक कर्म में आ रही बाधा दूर हो सकती है। व्यवसाय में बड़ा फेरबदल कर सकते हैं। छोटे भाई-बहनों की मदद करनी पड़ेगी।

वृषभ आज पूरा दिन उतार-चढ़ाव भरा रहेगा। प्रत्येक समस्या का समाधान कुशलता से कर लेंगे। नकारात्मक विचारों को स्वयं पर हावी न होने दें। किसी की सहायता करने से आपको मदद मिलेगी। पहले दिया गया उधार आपको वापस मिल सकता है। उच्च शिक्षा में सफलता प्राप्त होने के आसार हैं।

मिथुन कार्यक्षेत्र में आपका प्रदर्शन उत्कृष्ट रहने वाला है। नयी तकनीक का प्रयोग आप सीख सकते हैं। ज़िम्मेदारी के साथ सभी काम करेंगे जिसका सुखद परिणाम आपको प्राप्त होगा। फोन के माध्यम से आपको शुभ समाचार मिलने के योग बन रहे हैं।

कर्क आज अत्यधिक काम के कारण आपको आराम नहीं मिलेगा जिसके कारण थकान महसूस हो सकती है। जल्दबाज़ी में कोई बड़ा निर्णय न लें। मित्रों के स्वभाव में आया अचानक बदलाव आपको दुखी कर सकता है। अपनी गुप्त बातें किसी से शेयर न करें। भारी सामान उठाने से बचें।

सिंह आपकी व्यावसायिक योजना सफल होगी। आपकी मनोकामना पूर्ण हो सकती है। सम्पत्ति के मामले आज हल होने की सम्भावना है। रिश्तेदारों से साथ आपके सम्बन्ध मधुर होंगे। लोग आपकी बातों से प्रभावित रहेंगे। वैवाहिक जीवन में प्रेम भाव बढ़ेगा।

कन्या आज आप कुछ नया सीखने को लेकर उत्सुक रहेंगे। सामाजिक यश और सम्मान प्राप्त होगा। किसी मित्र से बहस हो सकती है। आपको मेहनत का उचित परिणाम आज शायद ही मिलें। इसीलिये आपको धैर्यवान होकर ही सारे काम करने चाहिये।

तुला आज धन लाभ के बेहतरीन अवसर मिल सकते हैं। परिवार के सभी सदस्य आपसे प्रसन्न रहेंगे। सन्तान की सफलता से उत्साहित हो सकते हैं। व्यापार में महत्वपूर्ण निर्णय ले सकते हैं। बच्चों की सफलता से गौरवान्वित महसूस करेंगे।

वृश्चिक आपके कुछ काम बिगड़ सकते हैं। प्रेम सम्बन्धों में ज्यादा भावुक नहीं होना चाहिये। कानूनी मामलों को लेकर थोड़े सावधान रहें। गलत प्रवृत्ति के लोगों के साथ सम्पर्क न रखें। पेट में कुछ विकार उत्पन्न हो सकते हैं। अभिनय और संगीत आदि में रुचि लेंगे।

धनु सामाजिक कार्यों में आप भाग लेंगे। विरोधियों के ऊपर भारी पड़ेंगे। नयी जॉब की तलाश कर रहे हैं तो सफलता मिलेगी। शेयर मार्केट से धन लाभ प्राप्त होगा। लघु उद्योगों में आपको सफलता मिलेगी। तीर्थ यात्रा की योजना बना सकते हैं।

मकर आपकी सूझबूझ की सर्वत्र प्रशन्सा होगी। जीवनसाथी के साथ कहीं घूमने जा सकते हैं। व्यापार में आपको शानदार परिणाम मिलेंगे। बच्चों के साथ अपना व्यवहार अच्छा रखें। आपकी सलाह से लोगों को लाभ प्राप्त होगा। रुका हुआ धन आपको वापस मिलेगा।

कुंभ कार्यक्षेत्र में आपका प्रदर्शन बेहतरीन होगा। आपको मेहनत के दम पर उत्तम सफलता मिलने की सम्भावना है। परिजनों के साथ बहस हो सकती है। क्रोध और गुस्से के कारण आपको परेशानी होगी। अपने विचारों को दूसरों पर न लादें। अपने मन पसन्द कार्यों को समय अवश्य दें।

मीन वैवाहिक सम्बन्धों में मधुरता रहेगी। विद्यार्थी नयी जानकारियों को सीखने का प्रयास करेंगे। ज्यादा मेहनत करने के कारण शरीर में थकावट हो सकती है। आज आपके पास काम की अधिकता रहेगी। अधिकारियों का विरोध झेलना पड़ सकता है। मित्रों की मदद से आपकी कोई योजना सफल होगी।

घर में इस जगह लगा सकते हैं मनी प्लांट

मनी प्लांट को आप घर के अंदर, बालकनी या फिर किसी ऐसी जगह लगा सकते हैं जहां पर इसे अच्छी हल्की रोशनी मिलती रहे। इसे साफ मिट्टी के गमले में ही लगाएं।

ऐसे करें मनी प्लांट की देखभाल

अगर आपके मनी प्लांट के पत्ते सूखे या फिर पीले पड़ गए हैं तो उसे तुरंत ही हटा दें। समय-समय पर इसे पानी देते रहें। इसे साफ रखें और कोशिश करें कि इसकी बेल हमेशा ऊपर की ओर ही बढ़ती रहें।

मानसून सत्र से पहले सियासी उलटफेर

उद्धव के छह सांसदों का शिवसेना में विलय को मंजूरी, टीएमसी के 20 बागी सांसद बैठेंगे अलग

मुंबई, एजेंसी। संसद के मानसून सत्र से पहले लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना (यूबीटी) के छह सांसदों के शिवसेना (शिंदे) में विलय को मंजूरी दे दी है। साथ ही शिवसेना की ताकत 13 सांसदों की हो गई है। लोकसभा अध्यक्ष ने तृणमूल कांग्रेस से अलग होकर नेशनलिस्ट सिटिजंस पार्टी आफ इंडिया (एनसीपीआई) में शामिल होने वाले 20 सांसदों के लिए अलग बैठने की व्यवस्था को भी मंजूरी दे दी है।

अपनी पार्टी से अलग बैठेंगे टीएमसी से बागी सांसद: तृणमूल से बगावत करने वाले 20 सांसद अपनी मूल पार्टी से अलग बैठेंगे। बागी तृणमूल सांसदों की एनसीपीआई के हिस्से के तौर पर मान्यता दिए जाने की मांग पर अंतिम फैसला नहीं लिया गया है। यह मामला अभी विचाराधीन है। तृणमूल और शिवसेना (यूबीटी) ने विद्रोही सांसदों को अयोग्य ठहराने की मांग की थी। विद्रोही तृणमूल सांसदों के रविवार को होने वाली सर्वदलीय बैठक में शामिल होने की भी संभावना है। लोकसभा अध्यक्ष ने इससे पहले तृणमूल के नेता अभिषेक बनर्जी के नेतृत्व वाले प्रतिनिधिमंडल और पार्टी के अलग हुए गुट से मुलाकात की थी।

उद्धव गुट के शिवसेना का कैसा हाल?

शिवसेना (यूबीटी) के मामले में भी ऐसी ही प्रक्रिया अपनाई गई थी। सूत्रों के मुताबिक, संसद के कानूनी और संवैधानिक विशेषज्ञों से सलाह-मशविरा किया गया और उन्होंने स्पीकर को निर्णय लेने के लिए अपनी राय दी।

सूत्रों ने बताया कि फैसले लेने से पहले इसी तरह की स्थितियों में लोकसभा के पूर्व अध्यक्षों और राज्यसभा के पूर्व सभापतियों द्वारा लिए गए निर्णयों का भी अध्ययन किया गया। साथ ही संवैधानिक और कानूनी पहलुओं पर भी गौर किया गया।

कांग्रेस द्वारा द्रमुक के साथ दशकों पुराना गठबंधन तोड़कर मुख्यमंत्री जोसेफ विजय की टीवीके से हाथ मिलाने के बाद द्रविड़ पार्टी ने भी अपने पूर्व सहयोगी से अलग बैठने की व्यवस्था करने की मांग की है। लोकसभा अध्यक्ष द्वारा इस मांग को भी स्वीकार किए जाने की संभावना है।

उद्धव ने नागपुर के राममंदिर में किया राम रक्षा स्तोत्र का पाठ

दूसरी ओर मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के गृह क्षेत्र और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के गढ़ नागपुर के राम नगर स्थित ऐतिहासिक श्रीराम मंदिर पहुंचकर शनिवार को उद्धव ठाकरे ने राम रक्षा स्तोत्र और हनुमान चालीसा का पाठ किया।

पूजा-अर्चना और महाआरती के बाद मंदिर परिसर के बाहर जनसभा को संबोधित करते हुए उद्धव ठाकरे ने भाजपा, मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और संघ प्रमुख मोहन भागवत पर तीखा हमला बोला।

ठाकरे ने अपने संबोधन में भाजपा के हिंदुत्व पर गंभीर सवाल खड़े किए। उन्होंने अयोध्या के राम मंदिर निर्माण से जुड़े कथित घोटालों और चंदे की हेराफेरी के आरोपों का जिक्र करते हुए भाजपा को आड़े हाथों लिया। उन्होंने कहा कि शिवसेना ने राज्य में 'रामरक्षा' (राम की सुरक्षा) मुहिम इसलिए शुरू की है ताकि हिंदुओं को अंधभक्ति से जगाया जा सके। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि आज प्रभु श्रीराम के नाम पर राजनीति करने वाले खुद को हिंदुत्व का ठेकेदार समझते हैं, लेकिन असल में वे केवल सत्ता के भूखे हैं। संजय राउत ने इस कार्यक्रम के लिए आरएसएस के सरसंघचालक मोहन भागवत और मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को भी विशेष निमंत्रण भेजा था।

डिप्रेशन से जूझ रही महिला नग्न होकर पहुंच गई मंदिर, तालाब में कूदकर दी जान

हैदराबाद, एजेंसी। तेलंगाना की राजधानी हैदराबाद में एक दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है, जहां मियापुर इलाके में मानसिक रूप से परेशान 25 वर्षीय पूर्व महिला तकनीशियन ने शनिवार को एक मंदिर के तालाब में कूदकर अपनी जान दे दी।

पुलिस जांच में सामने आया है कि पीड़िता (मृतक महिला) और उसकी मां दोनों गंभीर मानसिक तनाव व भय से पीड़ित थीं। पीड़िता के माता-पिता के बीच वैवाहिक विवादों के कारण, पिता विशाखापत्तनम में रहते हैं। वहीं पीड़िता और उसकी मां हैदराबाद के पीरजादिगुडा में रह रही थी।

क्या है पूरा मामला?: 17 जुलाई को वह और उसकी मां शहर के मियापुर में एक डबल बेडरूम अपार्टमेंट खरीदने के इरादे से देखने गए थे। घर लौटने के बाद वे अलग-अलग कमरों में सोए। बाद में मृत महिला ने अपनी मां के कमरे को बंद कर दिया और नग्न अवस्था में पास के ही एक मंदिर पहुंच गई और वहां स्थित तालाब में कूदकर जान दे दी।

पुलिस ने तालाब से निकाला शव: पुलिस को शनिवार सुबह घटना की सूचना मिली, जिसके बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने तालाब से शव बरामद किया। पोस्टमार्टम के बाद शव महिला की मां को सौंप दिया गया। पुलिस अधिकारी ने बताया कि महिला के पिता को घटना की जानकारी दे दी गई है। मामले की जांच जारी है। हेल्पलाइन यदि आप भी किसी तरह की मानसिक परेशानी से जूझ रहे हैं या फिर ऐसी समस्या झेल रहे किसी शख्स को आप जानते हैं तो नीचे दी गई जानकारी मददगार साबित हो सकती है। सरकार की हेल्पलाइन के माध्यम से मानसिक स्वास्थ्य विशेषज्ञ से संपर्क किया जा सकता है।

हिमाचल में एमआईएस के तहत सेब बिक्री के लिए पोर्टल पर पंजीकरण जरूरी

शिमला, एजेंसी। हिमाचल प्रदेश ने सरकार मंडी मध्यस्थता योजना (एमआइएस) के तहत बड़ा बदलाव किया है। सेब खरीद की प्रक्रिया को पारदर्शी बनाने के लिए सरकार ने बागवानों का पंजीकरण अनिवार्य कर दिया है। पंजीकरण की प्रक्रिया सोमवार से शुरू कर दी जाएगी। मुख्यमंत्री सुखविन्द्र सिंह सुक्खु ने बीते रोज इसके लिए एप लांच की थी। बागवान स्वयं भी इस एप के माध्यम से पंजीकरण करवा सकते हैं।

इसके अलावा लोक मित्र केंद्र, बागबानी विभाग के कार्यालय व पंचायत सचिव के पास यह पंजीकरण करवा सकते हैं। पंजीकरण के लिए जमीन दस्तावेज दिखाना अनिवार्य होगा। एमआइएस के तहत बीते साल पेश आई कथित गड़बड़ियों के बाद पारदर्शिता बढ़ाने के लिए सरकार ने यह निर्णय लिया है। जिस बागवान का पंजीकरण होगा, सेब खरीद उसी से की जाएगी। इसके लिए नियम फाइनल कर दिए हैं। 20 जुलाई को होने वाली कैबिनेट मीटिंग में अंतिम फैसला होगा। राज्य सरकार का सेब खरीद के लिए यह दूसरा बड़ा बदलाव है। दो साल पूर्व राज्य सरकार ने सेब खरीद के लिए यूनिवर्सल कार्टन की व्यवस्था को लागू किया था। उस वक्त भी काफी ज्यादा विरोध हुआ था। सरकार ने यूनिवर्सल कार्टन लागू किया जिससे बागबानों को फायदा मिल रहा है। नई व्यवस्था को लागू करने का मकसद भी योजना में पारदर्शिता लाना है। बागबानों को भुगतान डीबीटी के माध्यम से किया जाएगा। एचपीएमसी एमआइएस के तहत बागबानों से निम्न गुणवत्ता (सी-ग्रेड) का सेब खरीदता है। सी ग्रेड सेब को ओपन मार्केट में खरीददार नहीं मिल पाते। अभी तक सरकार पंचायत स्तर पर तीन से चार कलेक्शन सेंटर बनाती थी बागवान वहां पर अपने सेब को बेच सकते थे।

इस बार सरकार ने निर्णय लिया है कि कलेक्शन सेंटरों की संख्या सीमित की जाएगी।

राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले पर 20 जुलाई को सुनवाई करेगा सुप्रीम कोर्ट, एसआइटी सौंपेगी स्टेटस रिपोर्ट

अयोध्या, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट अयोध्या स्थित राम मंदिर के चढ़ावे में कथित हेराफेरी की निष्पक्ष और तय समय-सीमा के भीतर जांच की मांग करने वाली कई याचिकाओं पर 20 जुलाई को सुनवाई करेगा। शीर्ष अदालत की सूची के अनुसार, इस मामले से जुड़ी चार अलग-अलग याचिकाओं पर प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत, जस्टिस जोयमाल्या बागची और जस्टिस वी. मोहना की पीठ सुनवाई करेगी। 13 जुलाई को सुप्रीम कोर्ट ने इन याचिकाओं पर सुनवाई करने के लिए सहमति व्यक्त की थी। अदालत ने उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा मामले की जांच के लिए गठित एसआईटी को निर्देश दिया था कि वह उसके समक्ष स्टेटस रिपोर्ट पेश करे। अदालत ने श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट को भी नोटिस जारी कर इस मामले में उसका जवाब मांगा था। बता दें कि मामले में मुख्य पक्षकारों में से एक रहे निर्मोही अखाड़ा ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया। अखाड़े ने केंद्र सरकार को यह निर्देश देने की मांग की है कि राम मंदिर का कामकाज संभालने वाले 'श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट' का पुनर्गठन करके इसे पूरी तरह से एक 'पब्लिक ट्रस्ट' बनाया जाए।

हार्ट अटैक को लेकर हुआ बड़ा खुलासा, इन लोगों के दिल तक पहुंच रहा है ज्यादा माइक्रोप्लास्टिक

रोम, एजेंसी। सूक्ष्म प्लास्टिक कण (माइक्रोप्लास्टिक) आज दुनिया के सामने सबसे बड़ी पर्यावरणीय चुनौतियों में से एक है। ये समुद्रों, पीने के पानी, समुद्री भोजन और हमारी सांसों की हवा में तो पहले ही मिल चुके हैं। अब ये मानव शरीर के लगभग हर हिस्से-प्लेसेंटा (गर्भनाल) से लेकर मस्तिष्क तक में भी पाए जा रहे हैं।

इटली के शोधकर्ताओं द्वारा यूरोपियन हार्ट जर्नल में प्रकाशित एक नए अध्ययन ने इस सूची में एक और अंग जोड़ दिया है-हृदय को रक्त पहुंचाने वाली कोरोनरी धमनियां। हालांकि कोरोनरी रक्त में सूक्ष्म प्लास्टिक कण का मिलना चिंता का विषय है, लेकिन अध्ययन का सबसे दिलचस्प निष्कर्ष प्लास्टिक नहीं, बल्कि यह है कि ये वहां तक पहुंच कैसे रहे हैं। शोधकर्ताओं ने पाया कि धूम्रपान करने वाले लोगों में, धूम्रपान न करने वालों की तुलना में हृदय को रक्त पहुंचाने वाली धमनियों में सूक्ष्म प्लास्टिक और अति सूक्ष्म प्लास्टिक कण पाए जाने की आशंका छह गुना अधिक थी। इससे भी अधिक महत्वपूर्ण बात यह रही कि जो लोग धूम्रपान करते थे और साथ ही अत्याधिक प्रदूषित माहौल में रहे, उनमें से हर व्यक्ति के रक्त में प्लास्टिक के कण पाए गए। इसके विपरीत, जो लोग न तो धूम्रपान करते थे और न ही अधिक प्रदूषित माहौल में रहते थे, उनमें केवल 12.5 प्रतिशत लोगों के रक्त में ऐसे कण मिले। अपेक्षाकृत छोटे अध्ययन में भी यह अंतर बेहद उल्लेखनीय है। ये निष्कर्ष केवल धूम्रपान के एक और दुष्प्रभाव की पुष्टि नहीं करते, बल्कि एक नए निष्कर्ष भी सामने रखते हैं कि सिगरेट शायद सूक्ष्म प्लास्टिक कणों को शरीर के भीतर पहुंचाने का एक प्रभावी माध्यम भी हो सकता है। दशकों से वैज्ञानिक जानते हैं कि धूम्रपान हृदय और रक्त वाहिकाओं को कैसे नुकसान पहुंचाता है। तंबाकू के धुएं में हजारों ऐसे रसायन होते हैं, जो शरीर में सूजन बढ़ाते हैं, रक्त वाहिकाओं को क्षति पहुंचाते हैं, रक्त के थक्के बनने की आशंका बढ़ाते हैं और धमनियों में वसा जमा होने की प्रक्रिया को तेज कर देते हैं। नया अध्ययन संकेत देता है कि इन स्थापित जोखिमों के साथ-साथ एक और प्रक्रिया भी काम कर सकती है। सिगरेट के धुएं में अत्यंत सूक्ष्म कण बड़ी मात्रा में होते हैं, जो फेफड़ों के सबसे भीतर तक पहुंच जाते हैं। शोधकर्ताओं का मानना है कि सांस के जरिए अंदर गए सूक्ष्म प्लास्टिक और अति सूक्ष्म प्लास्टिक इन्हीं कणों के साथ फेफड़ों की एल्वियोली को पार कर पहले की तुलना में कहीं अधिक आसानी से रक्त प्रवाह में प्रवेश कर सकते हैं। वायु प्रदूषण भी इसी तरह की प्रक्रिया को बढ़ावा दे सकता है। इसका यह अर्थ नहीं है कि रक्त में मिले सभी प्लास्टिक कण सीधे सिगरेट से आए हों, हालांकि अधिकांश सिगरेट फिल्टर प्लास्टिक आधारित सेलुलोज एसीटेट से बने होते हैं और उनका भी कुछ योगदान हो सकता है। दरअसल, धूम्रपान करने वाले लोग पहले से ही उस हवा में मौजूद सूक्ष्म प्लास्टिक कणों को सांस के जरिए अंदर लेते हैं, जो सिंथेटिक कपड़ों के रेशों, टायरों के घिसने, खराब हो चुकी प्लास्टिक पैकेजिंग और अनेक अन्य पर्यावरणीय स्रोतों से उत्पन्न होते हैं। संभव है कि धूम्रपान केवल इन कणों को फेफड़ों से रक्त प्रवाह तक पहुंचने का रास्ता आसान बना देता हो। अध्ययन में 61 ऐसे मरीजों को शामिल किया गया, जिनकी कोरोनरी एंजियोग्राफी की जा रही थी। शोधकर्ताओं ने तीन समूहों की तुलना की-हाल में दिल का दौरा झेल चुके लोग, स्थिर कोरोनरी धमनी रोग वाले मरीज और सामान्य कोरोनरी धमनियों वाले लोग। दिल का दौरा झेल चुके 84 प्रतिशत मरीजों के रक्त में सूक्ष्म प्लास्टिक और अति सूक्ष्म प्लास्टिक कण मिले। वहीं, दीर्घकालिक कोरोनरी धमनी रोग वाले मरीजों में यह आंकड़ा 40 प्रतिशत और सामान्य कोरोनरी धमनियों वाले लोगों में 32 प्रतिशत रहा।

दो दिन की तलाश के बाद परिवार से मिली आंध प्रदेश की बुजुर्ग महिला, जबलपुर स्टेशन पर ट्रेन छूटने से बिछड़ी थीं

अमरावती, एजेंसी। उत्तर प्रदेश जा रही 74 वर्षीय महिला ट्रेन से उतरने के बाद जबलपुर स्टेशन पर अपने परिवार से बिछड़ गई। करीब दो दिन तक चली तलाश के बाद रेल सुरक्षा बल (आरपीएफ) ने महिला को सकुशल ढूंढकर उसके स्वजन से मिला दिया।

भावुक पल में स्वजन ने महिला को गले लगाते हुए आरपीएफ और मददगार युवकों का आभार जताया। इस दौरान आरपीएफ ने स्टेशन सहित आसपास के सैकड़ों कैमरों की फुटेज खंगाली। 50 से ज्यादा लोगों से पूछताछ की उसके बाद महिला को ढूंढा जा सका।

आंध्र प्रदेश के ईस्ट गोदावरी जिले के मारेडुमल्ली मंडलम निवासी बी शेट्टी नागमणि अपने परिवार के पांच सदस्यों के साथ ट्रेन क्रमांक 02552 बेंगलुरु-दानापुर एक्सप्रेस के बी-2 कोच में सवार होकर विजयवाड़ा से पंडित दीनदयाल उपाध्याय जंक्शन जा रही थीं।

गुरुवार-शुक्रवार की मध्यरात्रि लगभग दो बजे ट्रेन जबलपुर स्टेशन पहुंची, जहां महिला किसी कारणवश नीचे उतर गई। इसी दौरान ट्रेन रवाना हो गई और वह स्टेशन पर ही रह गई। अगली सुबह स्वजन ने सीट पर महिला को नहीं पाया तो आरपीएफ को सूचना दी।

जबलपुर आरपीएफ पोस्ट प्रभारी राजीव खरब के नेतृत्व में टीम ने सीसीटीवी फुटेज खंगाले, जिसमें महिला ट्रेन जाने के बाद रात को सवा दो बजे मुख्य स्टेशन के प्लेटफार्म पर कटनी एंड पर नजर आई। यहां यार्ड और आसपास लगातार तलाश की गई, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला। फिर शहर पुलिस की मदद से विभिन्न स्थानों के कैमरे भी खंगाले गए।

आरपीएफ ने इंटरनेट पर महिला का फोटो प्रसारित किया गया। इसके बाद महिला को रेल नंबर एक, दो, तीन और सदर चौपाटी के पास देखे जाने का पता चला। हर जगह जाकर आरपीएफ ने पूछताछ की।

मणिपुर में छह नगा नागरिकों की हत्या मामले में दो और आरोपित गिरफ्तार

इंफाल, एजेंसी। नगा समुदाय के छह लोगों की हत्या के दो और आरोपितों को राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) की अगुवाई में सुरक्षा अधिकारियों की एक टीम ने शनिवार को गिरफ्तार किया। पुलिस ने बताया कि नगा समुदाय के छह लोगों के अपहरण और हत्या की जांच के बाद एनआईए, मणिपुर पुलिस और सीआरपीएफ की संयुक्त टीम ने दो आरोपितों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपितों की पहचान लेइलोन वैफेई गांव के निवासी लुंगौला वैफेई और कुकी-बहुल कांगपोकपी जिले के निवासी लुनमिंथंग सिथलौ (उर्फ जैक) के तौर पर हुई है। इससे पहले, 10 जुलाई को एनआईए ने लेइलोन वाइफेई से दो आरोपितों को गिरफ्तार किया था। मामले से जुड़े अन्य लोगों को गिरफ्तार करने के प्रयास किए जा रहे हैं। लेइलोन वैफेई गांव के पास 10 जून को नगा समुदाय के छह नागरिकों के शव मिले जिसके बाद नगा और मैतेई समुदायों ने दोषियों की गिरफ्तारी की मांग करते हुए विरोध-प्रदर्शन किया।

कनाडा भागने की फिराक में था गैंगस्टर, अमेरिका बॉर्डर पर जग्गू भगवानपुरिया गैंग का नितिश कौशल गिरफ्तार

चंडीगढ़, एजेंसी। पंजाब के कुख्यात जग्गू भगवानपुरिया गिरोह से जुड़े नितिश कौशल उर्फ लाला को कनाडा भागने की कोशिश के दौरान अमेरिका की सीमा पर गिरफ्तार कर लिया गया। अमेरिकी सीमा सुरक्षा अधिकारियों ने उसे वर्मोंट राज्य में कनाडा सीमा से करीब एक मील पहले पकड़ लिया। उसकी गिरफ्तारी का पूरा घटनाक्रम अमेरिका की जिला अदालत में दाखिल हिरासत संबंधी दस्तावेजों से सामने आया है। दस्तावेजों के अनुसार 16 जुलाई की रात नितिश कौशल ने सीमा से कुछ दूरी पहले अपनी कार छोड़ दी और पैदल कनाडा के क्यूबेक प्रांत में प्रवेश करने का प्रयास किया।

कनाडा में भारतीय मूल के ड्राइवर की संदिग्ध मौत, हत्या समेत किन पहलुओं पर हो रही जांच?

ओटावा, एजेंसी। कनाडा से एक बेहद हैरान और परेशान करने वाली खबर सामने आई है। ओंटारियो प्रांत के हैमिल्टन शहर में एक भारतीय युवक की बेरहमी से हत्या कर दी गई। मृतक का शव एक सीवेज कलवर्ट (नाले की पुलिया) से बरामद हुआ है। इस खौफनाक वारदात के बाद पूरे इलाके में सनसनी फैल गई है। कनाडाई पुलिस ने इसे सीधे तौर पर होमिसाइड यानी हत्या का मामला मानकर तफ्तीश शुरू कर दी है। यह सनसनीखेज मामला बुधवार, 15 जुलाई का है। सुबह करीब 8:15 बजे पुलिस को सूचना मिली। हैमिल्टन के फ्रूटलैंड रोड के उत्तरी छोर पर एक नाले में किसी का शव पड़ा था। पुलिस और इमरजेंसी क्रू तुरंत मौके पर पहुंचे।

किराए के लिए खाली है

1- 3600 वर्ग फुट कमर्शियल 4 हॉल सेमी फर्निश्ड सेक्टर 10 टी सी सी काम्प्लेक्स फरीदाबाद में।
2- 1620 वर्ग फुट ऑफिस सेमी फर्निश्ड मेन रोड सेक्टर 10 टी सी सी काम्प्लेक्स फरीदाबाद में।
3- टू बैड रूम सेट ग्राउंड फ्लोर वेल फर्निश्ड सेक्टर 7 डी ब्लॉक फरीदाबाद में।
4- वन रूम सेट वेल फर्निश्ड सेकंड फ्लोर सेक्टर 7 डी ब्लॉक फरीदाबाद में।
इच्छुक व्यक्ति फोन नंबर 9999446252, 9811157562 पर संपर्क करें।

- सूचना -

फरीदाबाद जिला में भेदीनज़र समाचार में अपने समाचार, विज्ञापन देने और अखबार की कापी प्राप्त करने के लिये सम्पर्क करें-
1- गोपाल न्यूज़ एजेन्सी
अम्बेडकर चौक बल्लभगढ़
मोबाइल नम्बर- 9811477204
2- नरेंद्र बुकस्टाल
नीलम/बाटा चौक एन.आई.टी.नम्बर-5 फरीदाबाद
मोबाइल - 9810229192
3- दीक्षित न्यूज़ एजेन्सी ओल्ड फरीदाबाद
मोबाइल- 9811159238

छोटा विज्ञापन बड़ा फायदा
आज ही स्पेस बुक कराएं-काल करें
0120-4152063,
9811157562

नई एवं तरोताजा खबरों के लिए भेदी नजर पढ़िए, समय के साथ चलिए

सुनहरा मौका वार्षिक ग्राहक बनिए और
वीआईपी एल्फा सूटकेस कीमत रु. 900 प्राप्त करिए
भेदी नजर समाचार पत्र के ग्राहक बनें
मात्र 700 रूपये दीजिए और वार्षिक ग्राहक बनने के अलावा तुरंत पाइए और अन्य आकर्षक उपहार के लिए

बम्पर ड्रा

पहला इनाम

एक हीरो बाईक

दूसरा इनाम

एक सोनी एलसीडी 32 इंच व अन्य आकर्षक ईनाम

तीसरा इनाम

बीस मोबाईल फोन

- कोई भी व्यक्ति एजेंट 500 से अधिक मेंबर बना लेगा तो उसे अलग से उपहार दिया जाएगा।
- ये स्कीम एक जनवरी 2026 से 31 दिसम्बर 2026 तक चलेगी।
- 31 दिसम्बर 2026 को 1000 सदस्य बनाने पर बम्पर ड्रा निकाला जाएगा जिसमें उपरोक्त इनाम हरियाणा के किसी भी मंत्री द्वारा दिए जाएंगे।
- ड्रा बम्पर ड्रा में भेदी नजर के वार्षिक मेम्बर ही भाग ले सकते हैं।
- भेदी नजर प्रत्येक माह की पहली तारिख को कूपन छापेगा।

आर.एन.आई. नं.
DEL/HIN/2004/13528
प्रकाशक, मुद्रक, स्वामी एवं संपादक उमा शर्मा द्वारा उमा पब्लिकेशन्स्
1001/1002 दसवां तल नौरंग हाउस, 21 कस्तूरबा गांधी मार्ग, नई दिल्ली -1 से प्रकाशित
एवं नीलू प्रिंटिंग प्रेस ई-33 सेक्टर -7 नोएडा से मुद्रित
संपादक
उमा शर्मा
प्रधान संपादक
गिरीश चन्द्र शर्मा
फोन नं. -
011-66304689
0120-4189808
0129-2290152
0129-2267 07 8
0129-2977562
फैक्स नं. -
011-66304690
0129-2297 640
मो. : 9811157 562,
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र फरीदाबाद होगा।
पीआरबी एक्ट अनुसार सभी विवादित समाचारों की ज़िम्मेदारी समाचार लेखक की होगी भेदीनज़र संस्थान, संपादक और प्रधान संपादक क़ानूनन ज़िम्मेदार नहीं होगा